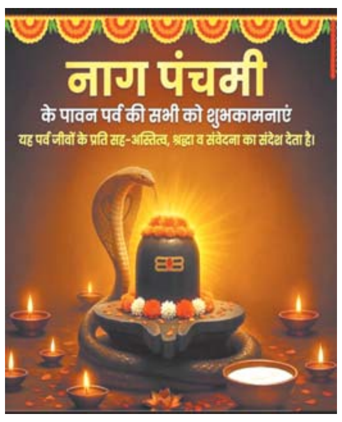

दैनिक
सांध्य प्रकाश
भोपाल की धड़कन

वर्ष 55/ अंक 13/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹ 2.10 संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल ▪आर.एन.आई 22296/71 ▪डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14

भोपाल, मंगलवार 29 जुलाई 2025 भोपाल से प्रकाशित

dainiksandhyaprakash.in

नाग पंचमी खुल गए नागचंद्रेश्वर मंदिर के पट

24 घंटे चलेंगे दर्शन और विशेष पूजन, उज्जैन में उमड़ा आस्था का सैलाब

नाग पंचमी के पावन अवसर पर उज्जैन एक बार फिर श्रद्धा, भक्ति और परंपरा में डूब गया। इस विशेष दिन पर महाकालेश्वर मंदिर के शीर्ष पर स्थित श्री नागचंद्रेश्वर मंदिर के कपाट रात ठीक 12 बजे खोले गए। यह वही अलौकिक मंदिर है जिसके दर्शन का सौभाग्य भक्तों को साल में केवल एक बार - नाग पंचमी के दिन - ही प्राप्त होता है। हजारों श्रद्धालु इस दुर्लभ दर्शन के लिए आधी रात से ही लाइन में लग गए थे। माना जाता है कि इस मंदिर में दर्शन मात्र से भक्तों को नाग दोष, कालसर्प योग जैसी बाधाओं से मुक्ति मिलती है।

महंत ने किए पहले दर्शन, मंत्रोच्चार के बीच हुआ अभिषेक- पट खुलने के बाद सबसे पहले महानिर्वाणी अखाड़ा के महंत विनीतगिरी महाराज ने विधिविधान से त्रिकाल पूजन, अभिषेक और आरती की। इस शुभ अवसर पर राज्य सरकार के प्रभारी मंत्री गौतम टेटवाल, जल संसाधन मंत्री सम्पतिया उइके और कई वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी भी शामिल हुए। आध्यात्मिक वातावरण में मंत्रों की गूंज और शिव भक्ति की भावना से पूरा परिसर दिव्य हो गया।

- विस्तृत पेज 2 पर देखे

हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ला ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की।

● मध्यप्रदेश विधानसभा के मानसून सत्र का दूसरा दिन

डंके की चोट पर कह रहे कि ओबीसी को 27 प्रतिशत आरक्षण देंगे: सीएम

जातिगत जनगणना कराएंगे, वित्त मंत्री ने अनुपूरक बजट पेश किया, चर्चा कल

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा- हम डंके की चोट पर कह रहे हैं कि ओबीसी को 27 प्रतिशत आरक्षण देंगे। जल्दी से जल्दी कोशिश करेंगे कि 13 प्रतिशत आरक्षण जिन्हें मिला है, उन अभ्यर्थियों को हक के आधार पर नौकरी मिले और योग्यता के आधार पर उनका चयन हो।

उन्होंने कहा- कांग्रेस अलग-अलग समाज को भड़काने का काम करती है जबकि सारी चीजों में उनका ही इन्वॉल्वमेंट है। पिछड़ों की जनगणना को बंद करने का पाप कांग्रेस के तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू जी पर जाता है। बाद में इंदिरा गांधी, राजीव गांधी और उनके बाद लगातार कांग्रेस की सरकार रहीं लेकिन उन्हें जातिगत जनगणना नहीं कराई।

सीएम बोले- जातिगत जनगणना करेंगे और आंकड़े सामने लाएंगे- मुख्यमंत्री मोहन यादव ने जातिगत जनगणना पर कहा- मैं कल के चरित्र के लिए कहना चाहता हूं कि कांग्रेस अलग-अलग समाज को भड़काने का काम करती है जबकि सारी चीजों में उनका ही इन्वॉल्वमेंट है। पिछड़ों की जनगणना को बंद करने का पाप कांग्रेस के तत्कालीन प्रधानमंत्री नेहरू जी पर जाता है। बाद में इंदिरा गांधी, राजीव गांधी और उनके बाद लगातार हमारी अटल जी की सरकार को छोड़ दो तो लंबे समय तक कांग्रेस की सरकार रहीं लेकिन उन्हें जाति जनगणना नहीं कराई।

विधानसभा स्थित समिति कक्ष में कैबिनेट बैठकचार विधेयकों को मंजूरी

विधानसभा के मानसून सत्र के दौरान मंगलवार को विधानसभा स्थित समिति कक्ष क्रमांक-एक में कैबिनेट की बैठक आयोजित की गई। जिसमें चार विधेयकों को मंजूरी दी गई। इन विधेयकों को इसी सत्र में पेश किया जाना है। इसके साथ ही सरकार ने बाबई मोहासा में उद्योग के लिए आरक्षित जमीन में छूट देने का भी फैसला किया है। कैबिनेट की बैठक वंदे मातरम् गान के साथ प्रारंभ हुई। इसके बाद जन विश्वास संशोधन विधेयक 2025, माध्यमस्थ अधिकरण संशोधन विधेयक, दुकान स्थापना अधिनियम संशोधन विधेयक, कारखाना अधिनियम संशोधन विधेयक पर चर्चा की गई। चर्चा के बाद सभी विधेयकों को मंजूरी दे दी गई। कैबिनेट बैठक में विक्रमपुरी इंडस्ट्रियल एरिया में गांवों की भूमि का भू-अर्जन करने को लेकर भी चर्चा हुई है और इसे मंजूरी दी गई है।

कांग्रेस विधायकों ने भैंस के आगे बीन बजाई

मध्यप्रदेश विधानसभा के मानसून सत्र के दूसरे दिन मंगलवार को कांग्रेस विधायकों ने बीन बजाकर प्रदर्शन किया। एक विधायक भैंस बने जबकि बाकी उनके

आगे बीन बजाते दिखे। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा- मध्यप्रदेश सरकार भैंस की तरह सोई हुई है। ओबीसी को 27 परसेंट आरक्षण नहीं मिल रहा...युवाओं को नौकरी नहीं मिल रही...हम सवाल लगाते हैं तो सरकार जवाब नहीं देती। ऐसे में हम उसे बीन बजाकर जगा रहे हैं।

लोकसभा में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह बोले-

पहलगाम हमला करने वाले तीन आतंकी ढेर

इनके नाम सुलेमान, फैजल और जिब्रान

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को लोकसभा में बताया कि जिन आतंकियों ने बैसरन घाटी में हमारे 26 पर्यटकों को मारा, उन्हें सोमवार को ढेर कर दिया गया।

उन्होंने बताया कि इसके लिए ऑपरेशन महादेव चलाया। इन आतंकियों के नाम सुलेमान, फैजल अफगान और जिब्रान हैं। सुलेमान लश्कर का कमांडर था। इसके ढेरों सबूत हैं। अफगान और जिब्रान ए श्रेणी के आतंकी थे। ये तीनों पहलगाम हमले के आतंकी थे और तीनों मारे गए। जब आतंकियों के शव श्रीनगर आए, उनकी पहचान कराई गई। तीन लोगों ने पहचाना। हम लोगों ने इस पर भी भरोसा नहीं किया, कोई जल्दबाजी नहीं की।

कारतूस का एफएसएल जांच कराई

पहलगाम हमले के घटनास्थल से जो कारतूस मिले, उसका स्वरू कराकर रखा था। जब कल आतंकी मारे गए। इनके पास एक अमेरिकन और दो-च-47 राइफलें मिलीं। कारतूस भी मिले। इन्हें चंडीगढ़ भेजा गया। मिलान होने पर तय हो गया कि इन्हीं राइफलों से पहलगाम हमले को अंजाम दिया गया था।

पाकिस्तान की चाकलेट मिली-हमारे पास प्रूफ है, जो मैं सदन के सामने रखूंगा। मारे गए तीन आतंकियों में दो के वोटर नंबर भी हमारे पास हैं। वे पाकिस्तानी आतंकी थे। आतंकियों के पॉकेट से जो चॉकलेट मिले वो भी पाकिस्तान में बनाई गई थी।

अमित शाह ने कहा - मुझे लगा कि कल रक्षा मंत्री के बयान के बाद कांग्रेस पार्टी समर्थन में भाषण देगी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ और विपक्ष ने कई सवाल उठाए। मैं बताना चाहता हूं कि 22 अप्रैल को पहलगाम में आतंकी हमला हुआ, जिसमें 26 लोग मारे गए। हमने उसी वक्त मैं श्रीनगर के लिए निकल गया। रात को ही सुरक्षाबलों की बैठक कर आतंकियों को भागने से रोकने की व्यवस्था की। 23 अप्रैल को सीसीएस की बैठक हुई, जिसमें सिंधु जल संधि को स्थगित करने का फैसला किया। हमने अटारी पर एकीकृत जांच चौकी को सस्पेंड कर दिया और पाकिस्तानी नागरिकों को वापस भेजा। पाकिस्तानी उच्चायुक्त के सलाहकारों को अवांछित किया।

विपक्ष पर भड़क उठे अमित शाह, बोले-20 साल तक वहीं बैठे रहोगे!

नई दिल्ली। संसद के मानसून सत्र में ऑपरेशन सिंदूर और पहलगाम आतंकी हमले को लेकर सदन का माहौल गरमा गया. दरअसल, विदेश मंत्री एस. जयशंकर भारत-पाकिस्तान के बीच सीजफायर को लेकर जवाब दे रहे थे. भाषण के दौरान विपक्ष हंगामा करने लगा तो गृह मंत्री अमित शाह को बीच में आना पड़ा। गृह मंत्री ने कड़ा रुख अपनाते हुए विपक्ष पर तंज कसा और कहा कि विपक्ष को भारत के विदेश मंत्री पर भरोसा नहीं है, वे विदेशी नेताओं पर ज्यादा विश्वास करते हैं

असल में विदेश मंत्री एस. जयशंकर लोकसभा में आपरेशन सिंदूर पर बोल रहे थे। उन्होंने साफ किया कि सीजफायर में अमेरिका की कोई मध्यस्थता नहीं की गई. उन्होंने बताया कि 9 मई को अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को फोन कर जानकारी देते हुए कहा था कि पाकिस्तान बड़ा हमला कर सकता है. विदेश मंत्री ने बताया कि इस पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उनसे साफ कह दिया कि भारत इसका मुंहतोड़ जवाब देगा। उन्होंने कहा कि सीज़फायर की पहल पहले पाकिस्तान की ओर से हुई थी।

भारत के अब 'शेर' बनने का समय, दुनिया ताकत समझती है, भारत को ताकतवर बनना होगा!

नई दिल्ली। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास द्वारा अमृता इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल साइंसेज में आयोजित व्याख्यान को संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय शिक्षा पद्धति, यानी मुंडन करके, चोटी रखकर , गुरुकुल में ही जाना ऐसा नहीं है। वो रूल आउट भी नहीं किया। मोहन भागवत ने कहा कि भारत को अब 'सोने की चिड़िया' बनने की जरूरत नहीं है बल्कि अब 'शेर' बनने का समय आ गया। उन्होंने कहा कि यह ज़रूरी है, क्योंकि दुनिया ताकत को समझती है। इसलिए भारत को ताकतवर बनना होगा। उसे आर्थिक दृष्टि से भी समृद्ध बनना होगा। ज्ञान, तकनीकी, विकास का परम भारत में दिखना चाहिए। इसके बिना दुनिया मानेगी नहीं। दुनिया को इसलिए मानना कि हमको रूल करना है उसपर, दुनिया को हमको बढ़िया बनाना है।

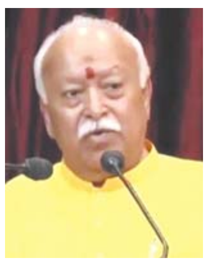

भारत एक व्यक्तिवाचक संज्ञा

भारत एक व्यक्तिवाचक संज्ञा है। इसका अनुवाद नहीं किया जाना चाहिए। यह सच है कि 'इंडिया भारत है'। लेकिन भारत, भारत है। इसलिए बातचीत, लेखन और भाषण के दौरान फिर चाहे वह व्यक्तिगत हो या सार्वजनिक हमें भारत को भारत ही रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत को भारत ही रहना चाहिए। भारत की पहचान का सम्मान किया जाता है क्योंकि यह भारत है। अगर आप अपनी पहचान खो देते हैं तो चाहे आपके कितने भी अच्छे गुण क्यों न हों आपको इस दुनिया में कभी सम्मान या सुरक्षा नहीं मिलेगी। यही मूल सिद्धांत है।'

● अंतराष्ट्रीय बाघ दिवस पर राज्य स्तरीय कार्यक्रम

सीएम मोहन यादव ने वन्य जीव ट्रांस लोकेशन, रेस्क्यू एवं डॉग स्क्वॉड वाहनों का किया लोकार्पण

भोपाल। अंतरराष्ट्रीय बाघ दिवस पर मंगलवार को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने वन्य जीवों के परिवहन के लिए तीन वन्य जीव वाहन, तीन वन्य जीव चिकित्सक वाहन और दो डॉग स्क्वायड वाहनों का लोकार्पण किया। उन्होंने वाहनों का अवलोकन किया और वन्य जीव परिवहन के लिए वाहनों में उपलब्ध सुविधाओं और विशेषताओं की जानकारी ली।

सीएम डॉ. मोहन यादव ने प्रदेशवासियों को बाघ दिवस की बधाई देते हुए कहा- पूरी दुनिया में जितने बाघ हैं, उसमें आधे से अधिक अपने देश के अंदर हैं। देश में सबसे ज्यादा बाघों का गौरव मध्यप्रदेश को है। हमारी सरकार बनने के बाद दो टाइगर रिजर्व डॉक्टर विष्णु श्रीधर वाकणकर रातापानी और माधव नेशनल पार्क बनाए गए। हम अपने टाइगर रिजर्व के बफर जोन में भी टाइगर सफारी भी प्रारंभ करेंगे। भारत के बाघों को कंबोडिया में विस्थापित किए जाने को लेकर मुख्यमंत्री ने कहा- हमने बाघों को संरक्षित करके गौरव हासिल किया है।

मुख्यमंत्री डॉक्टर यादव ने राज्य वन्य जीव योजना 2023 - 2043 के हिंदी संस्करण का विमोचन किया। मुख्यमंत्री डॉक्टर यादव ने चीता निषचेतन तथा प्रबंधन पर विकसित मैन्युअल, भविष्य में वन्य जीव प्रबंधन संबंधी कार्यशाला के निष्कर्षो पर विकसित रिपोर्ट, पेंच टाइगर रिजर्व द्वारा विकसित पुस्तक बाघ और तितलियां और गिद्ध गणना रिपोर्ट का विमोचन किया। मुख्यमंत्री डॉक्टर यादव ने बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व द्वारा हाथियों के चिन्हांकन के लिए विकसित डोजियर तथा डाक विभाग द्वारा अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस पर प्रकाशित विशेष आवरण का विमोचन भी किया । मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने हाथी मानव संघर्ष को कम करने के लिए विकसित ऐप गजरक्षक का भी विमोचन किया।

मुख्यमंत्री डॉक्टर यादव की उपस्थिति में विभिन्न वृत्त चित्रों के टीजर जारी किए गए। इसके साथ ही पेंच टाइगर रिजर्व द्वारा स्थानीय समुदाय की सहभागिता से बाघ प्रबंधन पर विकसित फिल्म, कान्हा टाइगर रिजर्व द्वारा विकसित फिल्म मृत्युंजय, सतपुड़ा टाइगर रिजर्व पर केंद्रित फिल्म सतपुड़ा कल आज और कल तथा चीता पुनर्वास पर केंद्रित फिल्म अबोड़ आफ का चीताज़ के टीजर रिलीज किए गए।

सांध्यप्रकाश विशेष

शैलेश जेजुरिकर पीएंडजी के वैश्विक सीईओ बनेंगे

नई दिल्ली। प्रॉक्टर एंड गैंबल (पीएंडजी) ने बताया कि वर्तमान में मुख्य परिचालन अधिकारी के रूप में कार्यरत शैलेश जेजुरिकर 1 नवंबर, 2026 से मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) का पदभार ग्रहण करेंगे। वह जॉन मोलर का स्थान लेंगे, जो बोर्ड के कार्यकारी अध्यक्ष बने रहेंगे।

जेजुरिकर, जो 1989 से पीएंडजी के साथ जुड़े हुए हैं, इस वैश्विक उपभोक्ता वस्तु कंपनी के पहले भारतीय मूल के सीईओ बनेंगे। उन्होंने उत्तरी अमेरिका, यूरोप और एशिया में पीएंडजी के कई प्रमुख व्यवसायों का नेतृत्व किया है और कंपनी की वैश्विक परिवर्तन रणनीति को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। सीओओ के रूप में उनके हालिया नेतृत्व की विशेषता निरंतर परिचालन क्षमता, नवाचार-आधारित विकास और स्थिरता पर गहन ध्यान है।

यह नियुक्ति पी एंड जी के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है क्योंकि यह अपने वैश्विक विस्तार के अगले चरण की तैयारी कर रही है। उपभोक्ता बाज़ारों और उद्देश्य-आधारित ब्रांड निर्माण की जेजुरिकर की गहरी समझ से कंपनी को भविष्य में आगे बढ़ने में मदद मिलने की उम्मीद है।

हिमाचल में बादल फटा, घरों में घुसा मलबा

मप्र में भोपाल समेत 34 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट, राजस्थान के 12 जिलों में स्कूल बंद

नई दिल्ली। देशभर में बारिश के कारण जन-जीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। मौसम विभाग ने मंगलवार को हिमाचल प्रदेश, मध्य प्रदेश, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, बिहार के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। एमपी में भोपाल 34 जिलों में बहुत भारी बारिश का अलर्ट है।

हिमाचल प्रदेश के मंडी में सोमवार देर रात बादल फटा। अब तक 3 लोगों की मौत हो गई और 2 अन्य लापता है। 15 से ज्यादा लोगों को रेस्क्यू किया गया। चंडीगढ़-मनाली और मंडी-जोगेंद्रनगर फोरलेन बंद हो गया है। भूस्खलन और पानी के तेज बहाव से कई घरों में मलबा घुस गया।

राजस्थान में भारी बारिश से कई जिलों में बाढ़ जैसे हालात हो गए हैं। चित्तौड़गढ़, झालावाड़, कोटा, पाली और सिरोही में घरों तक में पानी घुस गया है। टोंक-चित्तौड़गढ़ में बारिश से हुए हादसों में दो लोगों की मौत हो गई। भीलवाड़ा के बिजौलिया इलाके में सड़कों पर नाव चल रही हैं। बाढ़ में फंसे लोगों को एसडीआरएफ की टीम रेस्क्यू कर रही है।

बारिश...विदिशा में स्कूल वैन का इंतजार कर रहे बच्चे बहे

भोपाल में कलियासोत डैम का एक गेट खोला गया; रायसेन और श्योपुर में बाढ़

मध्यप्रदेश में भारी बारिश का दौर जारी है। विदिशा जिले के ग्यारसपुर में पॉलिथीन ओढ़ी एक बच्ची अपने भाई के साथ स्कूल वैन का इंतजार कर रही थी। तभी कॉलोनी में पानी का तेज बहाव आया और बच्ची बह गई। उसे बचाने उसका भाई दौड़ा, लेकिन वह भी बहने लगा। बच्ची लोडिंग वाहन के नीचे से बहते हुए चौराहे तक पहुंच गई और चीखती रही। चौराहे पर खड़े लोगों ने समय रहते उसे पकड़ लिया और सुरक्षित बाहर निकाला। इटारसी में तवा डैम के 9 गेट 7-7 फीट की ऊंचाई तक खोलकर एक लाख क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है। तवा डैम का वर्तमान जलस्तर 1159.80 फीट है।

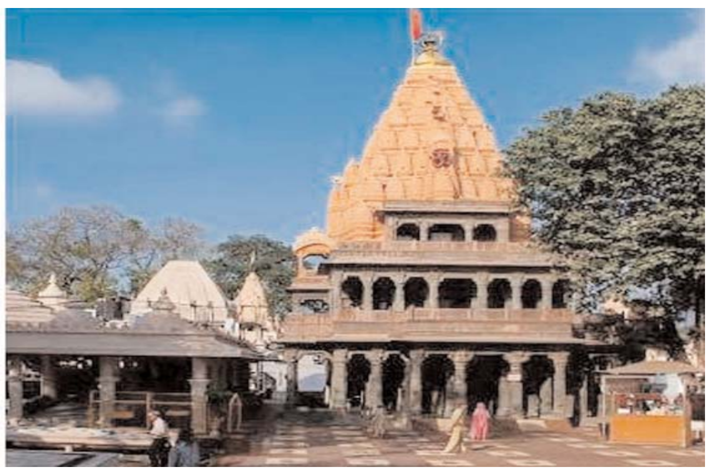

उज्जैन में उमड़ा आस्था का सैलाब

खुल गए नागचंद्रेश्वर मंदिर के पट, 24 घंटे कर सकेंगे दर्शन और विशेष पूजन

नाग पंचमी के पावन अवसर पर उज्जैन एक बार फिर श्रद्धा, भक्ति और परंपरा में डूब गया। इस विशेष दिन पर महाकालेश्वर मंदिर के शीर्ष पर स्थित श्री नागचंद्रेश्वर मंदिर के कपाट रात ठीक 12 बजे खोले गए। यह वही अलौकिक मंदिर है जिसके दर्शन का सौभाग्य भक्तों को साल में केवल एक बार नाग पंचमी के दिन ही प्राप्त होता है। हजारों श्रद्धालु इस दुर्लभ दर्शन के लिए आधी रात से ही लाइन में लग गए थे। माना जाता है कि इस मंदिर में दर्शन मात्र से भक्तों को नाग दोष, कालसर्प योग जैसी बाधाओं से मुक्ति मिलती है।

महंत ने किए पहले दर्शन, मंत्रोच्चार के बीच हुआ अभिषेक

पट खुलने के बाद सबसे पहले महानिर्वाणी अखाड़ा के महंत विनीतगिरी महाराज ने विधिविधान से त्रिकाल पूजन, अभिषेक और आरती की। इस शुभ अवसर पर राज्य सरकार के प्रभारी मंत्री गौतम टेटवाल, जल संसाधन मंत्री सम्पतिया उइके और कई वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी भी शामिल हुए। आध्यात्मिक वातावरण में मंत्रों की गूंज और शिव भक्ति की भावना से पूरा परिसर दिव्य हो गया। मंगलवार दोपहर को अखाड़ा की ओर से एक और विशेष पूजन का आयोजन किया जाएगा और रात 12 बजे पुनः मंदिर के पट बंद कर दिए जाएंगे।

अद्भुत प्रतिमा: शिव-पार्वती विराजमान हैं नाग के फन पर

श्री नागचंद्रेश्वर मंदिर की प्रतिमा का इतिहास 11वीं शताब्दी से जुड़ा है। इस प्रतिमा में भगवान शिव-पार्वती फन फैलाए नाग के ऊपर विराजमान हैं। उनके साथ-साथ नंदी, सिंह और सप्तमुखी नाग की आकृतियाँ भी इस अद्भुत शिल्प में शामिल हैं। यह मूर्ति न केवल शिल्पकला का अनुपम उदाहरण है, बल्कि श्रद्धालुओं के लिए अद्वितीय आध्यात्मिक अनुभूति का माध्यम भी है।

श्रद्धालुओं की भारी भीड़, 10 लाख लोगों के आने का अनुमान

इस वर्ष प्रशासन को 10 लाख से अधिक श्रद्धालुओं के उज्जैन पहुंचने की संभावना है। इसे ध्यान में रखते हुए 200 वरिष्ठ अधिकारी, 1800 से अधिक पुलिसकर्मी, और 2500 सुरक्षा कर्मियों की तैनाती की गई है। 560 से ज्यादा सीसीटीवी कैमरों से संपूर्ण परिसर और रूट की निगरानी की जा रही है। सुरक्षा व्यवस्था को इतना मजबूत किया गया है कि हर एक कोने पर प्रशासन की सक्रिय उपस्थिति नजर आती है।

दर्शन व्यवस्था को लेकर सटीक प्लानिंग, विशेष रूट तैयार

श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए दर्शन की लाइन चारधाम मंदिर से शुरू होती है और हरसिद्धि मंदिर चौराहा, बड़ा गणेश मंदिर होते हुए गेट नंबर 4 से प्रवेश मिलता है। यहां से विश्रामधाम तक श्रद्धालुओं को एयरो ब्रिज के माध्यम से नागचंद्रेश्वर मंदिर तक पहुंचाया जा रहा है। दर्शन के बाद वापसी उसी रूट से नीचे होकर होती है। महाकाल मंदिर में प्रवेश महाकाल लोक के नंदी द्वार से तय किया गया है, जहां से श्रद्धालु मानसरोवर भवन, टनल, कार्तिकेय मंडपम होते हुए महाकाल गर्भगृह तक पहुंच सकते हैं।

वाहनों के लिए बनाए गए विशेष पार्किंग और डायवर्जन प्लान

श्रद्धालुओं के वाहनों को लेकर शहर की यातायात व्यवस्था पूरी तरह से री-प्लान की गई है। 13 पार्किंग स्थल चिन्हित किए गए हैं, जिनमें दोपहिया और चारपहिया वाहनों के लिए अलग-अलग स्थान तय किए गए हैं। भारी वाहनों के लिए विशेष डायवर्जन योजना लागू की गई है ताकि यातायात बाधित न हो। शहर के हरिफाटक, शंकराचार्य, नरसिंह घाट, दानीगेट, और छत्री चौक जैसे क्षेत्रों को नो-व्हीकल जोन घोषित किया गया है, ताकि पैदल श्रद्धालुओं को किसी तरह की परेशानी न हो।

नाग पंचमी पर उज्जैन बना अध्यात्म, अनुशासन और श्रद्धा का केंद्र

यह पूरा आयोजन उज्जैन को एक बार फिर आध्यात्म, अनुशासन और आस्था के संगम के रूप में प्रस्तुत करता है। प्रशासन ने श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे जारी दिशा-निर्देशों और रूट मैप का पालन करें ताकि किसी प्रकार की अव्यवस्था न फैले। यदि आप उज्जैन दर्शन के लिए जा रहे हैं, तो यह अनुभव न केवल धार्मिक होगा बल्कि संगठित भारत की एक सुंदर झलक भी दिखाएगा।

नाग पंचमी मनाने के पीछे पौराणिक कथा

हिंदू पंचांग के अनुसार श्रावण मास के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि को नाग पंचमी का त्योहार मनाया जाता है। यह दिन नाग देवता की पूजा के लिए समर्पित होता है। पौराणिक काल से सर्प देवताओं की पूजन की परंपरा है और ये सिर्फ़ सनातन ही नहीं अनेक संस्कृतियों में लोकप्रिय है। ऐसी मान्यता है कि नाग की पूजा करने से सांपों के कारण होने वाला किसी भी प्रकार का भय खत्म हो जाता है। विडंबना है कि इंसानों ने नागपंचमी को %नाग को दूध पिलाने% जैसी स्व निर्मित्त कुरीति से जोड़कर नागों को सबसे अधिक क्षति पहुंचाई है।

विज्ञान के अनुसार नाग का दूध पीने से दूर दूर तक कोई संबंध नहीं है, ये जानकर नई पीढ़ी ने हमारी संस्कृति का मज़ाक उड़ाना आरंभ कर दिया कि ऐसा कैसा धर्म कह रहा है ... ये जानने की कोशिश भी नहीं की कि इसके पीछे धर्म का आधार क्या है.... ये विडंबना नागपंचमी की नहीं, हमारी सैंकड़ों परंपराओं के साथ है... !

नाग या सर्प, इंसानों के दुश्मन कतई नहीं है बल्कि इनकी वजह से चूहों से हमारे अनाज की रक्षा होती है। पूजा और दूध पिलाने के नाम पर इंसान ने इन्हीं रक्षक प्रजाति को बहुत नुकसान पहुंचाया है। पौराणिक कथा के अनुसार जनमेजय अर्जुन के पौत्र राजा परीक्षित के पुत्र थे। जब जनमेजय ने पिता की मृत्यु का कारण सर्पदंश जाना तो उसने आवेशवश बदला लेने के लिए सर्पसत्र नामक यज्ञ का आयोजन किया जिसमें नाग वंश को समूल नष्ट करने का प्रयोजन किया। यज्ञ संपूर्ण होने के पूर्व ही नागों की रक्षा के लिए यज्ञ को ऋषि आस्तिक मुनि ने श्रावण मास की शुक्ल पक्ष की पंचमी के दिन यज्ञ को रोक दिया और नागों की रक्षा की। उन्होंने जन्मजेय को नागों की सृष्टि में महत्ता, नागों का शिव संरक्षण आदि की दीक्षा दी। जन्मजेय ने न सिर्फ़ ऋषि से बल्कि नागों से भी अपने कृत्य के लिए क्षमा मांगी आस्तिक मुनि की पहल से तक्षक नाग के बचने से नागों का वंश बच गया। यज्ञ के आग के ताप से नाग को बचाने के लिए ऋषि ने उन पर शीतल कच्चा दूध डाल दिया। तभी से नागपंचमी मनाई जाने लगी। वहीं नाग देवता को दूध चढ़ाने की परंपरा शुरू हुई। दुर्भाग्यवश, बिना सत्य जाने, परंपरा प्रदूषित विकृत होकर नागों को दूध पिलाने की हो गई।

शुभ श्रावण मास

शिव तत्व विचार

जीवन प्रतिपल एक नई चुनौती प्रस्तुत करता है लेकिन जो इन सभी प्रतिकूलताओं अथवा अनुकूलताओं को समभाव से स्वीकार कर लेता है, वही जीवन महान भी बन पाता है। भगवान भोलेनाथ के जीवन की यह सीख बड़ी ही अद्भुत है कि कभी दूध मिला तो प्रसन्न हो गये व कभी केवल पानी ही मिला तो भी प्रसन्न हो गये। कभी शहद अर्पित हुआ तो प्रसन्न हो गये और कभी धतूरा ही मिला तो सहर्ष स्वीकार कर लिया। केवल एक विल्व पत्र पर रीझने वाले भगवान भोले नाथ जीव को यह सीख देना चाहते हैं, कि आवश्यक नहीं कि हर बार उतना ही मिलेगा जितनी आपकी अपेक्षा है। कभी-कभी कम मिलने पर भी अथवा जो मिले, जब मिले और जितना मिले उसी में संतुष्ट रहना तो सीखो, तुम आशुतोष बनकर अवश्य पूजे जाओगे।

बाबा अमरनाथ के दर्शन कर लौटे जत्थे का किया स्वागत

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

शिव बर्फानी सेवा समिति के 18 लोगों का जथा बाबा अमरनाथ एवं माता वैष्णो देवी के दर्शन के बाद मालवा एक्सप्रेस से भोपाल वापस आया। समिति अध्यक्ष सज्जन सिंह परमार ने बताआ 25 वर्ष पूर्ण कर मेरा जीवन धन्य हो गया। मेरे जीवन के उतार चडाव मे जो यात्रा के दौरान कई परेशानियों का सामना कर जो भोलेनाथ के दर्शन का सौभाग्य मिला वह अदभुद रहा। समिति के द्वारा पिछले 25 वर्षो से प्रदेश के कई जिलों के शिव भक्तो को बाबा बर्फानी के दर्शन करा रही है इस बार भी अलग अलग जत्थो मे लोगों को समिति के द्वारा बालटाल मार्ग से दर्शन कराये समिति संरक्षक गोविन्द गोयल द्वारा समिति अध्यक्ष सज्जन सिंह परमार सदस्य लक्ष्मन, रमेश परमार शंकर परमार राकेश पटेल कमलेश ,अनिल वर्मा, ओमप्रकाश, जितेंद्र धाकड़ , सोनिया पटेल रशमि सिंह ,सोना परमार,अनीता ,निकिता ,कुंती प्रयांश और सभी का फूल माला पहनाकर सफल यात्रा कर वापस आने पर भोपाल स्टेशन पर स्वागत किया गाया।

3 अगस्त को होगा चौरसिया दिवस का आयोजन

नागपंचमी पर चौरसिया समाज ने मनाया भव्य उत्सव

भोपाल। चौक स्थित ऐतिहासिक श्रीराम मंदिर प्रांगण में चौरसिया समाज द्वारा नागपंचमी का पर्व बड़ी श्रद्धा और धूमधाम से मनाया गया। इस मौके पर बृजेश चौरसिया, राकेश चौरसिया, टीकाराम चौरसिया सहित समाज के अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे। पारंपरिक विधि-विधान से पूजन-अर्चन कर समाजजनों ने नागदेवता की आराधना की और देशवासियों के सुख-समृद्धि की कामना की। समाज के वरिष्ठजनों ने बताया कि यह मंदिर वर्षों पुराना है और हर वर्ष यहाँ नागपंचमी पर विशेष पूजा-अर्चना के साथ सामाजिक एकता और संस्कृति का उत्सव मनाया जाता है। इस अवसर पर चौरसिया समाज ने सम्पूर्ण देशवासियों को नागपंचमी की शुभकामनाएँ प्रेषित कीं। चौरसिया समाज अध्यक्ष नंदकिशोर चौरसिया ने बताया कि आगामी 3 अगस्त को चौरसिया दिवस के अवसर पर मानस भवन में एक विशाल समारोह का आयोजन किया जाएगा। इस कार्यक्रम में समाज की प्रतिभाओं को सम्मानित किया जाएगा, साथ ही समाज की महिलाओं को भी विशेष सम्मान प्रदान किया जाएगा। कार्यक्रम में समाज के अध्यक्ष नितिन चौरसिया सहित अनेक प्रमुखजन उपस्थित रहेंगे। यह आयोजन चौरसिया समाज की एकजुटता का प्रतीक बनेगा7

कोलार रहवासी महिला मंडल ने मनाया हरियाली तीज उत्सव

भोपाल। कोलार स्थित राजवेद कॉलोनी के एच-12 कुसुम आवास परिसर में कोलार रहवासी महिला मंडल द्वारा पारंपरिक उल्लास और सांस्कृतिक रंगों से भरपूर हरियाली तीज उत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में महिलाओं ने पारंपरिक परिधानों में सज-धज कर उत्सव की शोभा बढ़ाई। रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों, लोकगीतों, तीज से संबंधित खेल प्रतियोगिताओं और मेहंदी-झूला उत्सव ने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम में क्षेत्र की कई सम्मानित महिलाएं एवं बालिकाएं भी उपस्थित रहीं। इस अवसर पर महिला मंडल की श्रीमती प्रीति द्विवेदी ने कहा, ÷हरियाली तीज नारी सशक्तिकरण, पारंपरिक मूल्यों और सामाजिक एकता का प्रतीक है। कार्यक्रम के सफल आयोजन में कॉलोनी के समस्त सदस्यों ने सहयोग दिया और सभी ने मिलकर उत्सव को यादगार बना दिया।

जीनगर समाज की बैठक में आगामी कार्यक्रमों के लिए पदाधिकारी मनोनीत

भोपाल। जीनगर समाज समिति की त्रैमासिक बैठक में समाज अध्यक्ष अजय पवार,संरक्षक भगवान दास ढालिया और महासचिव राजेश आसेरी ने समाज जनों से विचार विमर्श कर आगामी 25 अगस्त को श्री बाबा रामदेव समारोह हेतु मुकेश पंवार और आगामी सामूहिक विवाह सम्मेलन समिति गजेंद्र पंवार को अध्यक्ष पद पर मनोनीत किया गया। इस अवसर पर पृथ्वीराज चौहान, हेमराज सोनगरा ,देवेंद्र चौहान,प्रेम पवार, हुकुमचंद चौहान, गोवर्धन चौहान,अशोक सांकले,सुनील डाबी, कैलाश निर्वाण,राजकुमार सांखला आदि उपस्थित थे।

18 वर्ष से लगातार हर साल चलता है16 दिवसीय पार्थिव शिवलिंग का निर्माण

भोपाल पंचमुखी हनुमान दुर्गा मंदिर सेवा संस्थान के तत्वाधान में श्रावण मास में 18 वर्ष से लगातार 16 दिवस पार्थिव शिवलिंग निर्माण किया जा रहा है एवं दिव्य अभिषेक किया गया जा रहा है पंडित केशव शास्त्री ने बताया अयोध्या बायपास स्थित पंचमुखी हनुमान मंदिर पर सावन के तीसरे सोमवार पूजन आरती संपन्न हुई और भगवान भोलेनाथ का अभिषेक किया इस अवसर पर बड़ी संख्या में भक्त एवं श्रद्धालु उपस्थित थे

शहीदों को श्रद्धासुमन अर्पित कर, भदभदा विश्राम घाट रोपे पौधे

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

कारगिल युद्ध में वीर गति को प्राप्त सैनिकों की याद में 1999 से भदभदा विश्राम घाट केंपस में 26 जुलाई को पौधे रोपित किए जा रहे हैं। जिसका सुखद परिणाम यह रहा कि यह चट्टानी इलाका आज हरे भरे उपवन में तब्दील हो चुका है। शनिवार को अध्यक्ष अरूण चौधरी, उपाध्यक्ष जितेंद्र कंसाना,सचिव मम्तेश शर्मा, कोषाध्यक्ष अजय दुबे, संरक्षक श्याम सुंदर रघुवंशी,पांडुरंग नामदेव,रजनीश त्रिपाठी, चतुर्भुज मालपानी, योगेंद्र हरदेनिया, प्रमोद चुग, राधेश्याम अग्रवाल द्वारा भदभदा केंपस में सेवाभावी साथियों के साथ पौधे रोपे गए। समिति के अध्यक्ष अरुण चौधरी ने शौर्य स्मारक पर समता अग्रवाल, राजेश गुप्ता, संतोष कंसाना, रमेश यादव, देवांशू कंसाना के साथ मशाल प्रज्वलित कर श्रद्धा सुमन अर्पित किए और वीर सैनिकों को श्रद्धांजलि दी। इस पुनीत अवसर पर विगत 27 वर्षो से भदभदा केंपस में पौधरोपण किया जा रहा है जो आज भी उपाध्यक्ष जितेंद्र कंसाना, राजेंद्र गट्टानी, सुषमा गंगवाल, मीता जैन, किशोर सिंह परिहार, चंदन शाह, लाड सिंह सेन व स्टाफ के सानिध्य में किया गया। विश्राम घाट समिति के सचिव मम्तेश शर्मा ने सभी साथियों को बताया कि हमारी भारतीय संस्कृति में पेड़ो को देवता तुल्य माना गया है और हमने उसका अनुसरण करते हुए पीपल, बरगद, आंवला,नीम,महुआ, हरर-बहेरा अमरूद, शहतूत,रुद्राक्ष, कटहल, जामुन और चंदन के जो पौधे आपसे लगवाए है। उन पौधों की समिति पेड़ बनने तक देखभाल, संरक्षण करेगी। भदभदा अध्यक्ष अरूण चौधरी,सचिव मम्तेश शर्मा और

प्रदेश के सभी जिलों को मिले शव वाहन, 24 घंटे उपलब्ध रहेगी सेवा

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने झंडी दिखाकर रवाना किए वाहन

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सोमवार को लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग द्वारा जिलों के लिए आरंभ की गई शव वाहन व्यवस्था के तहत प्रदेश के विभिन्न जिलों के लिए वाहन रवाना किए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मुख्यमंत्री निवास परिसर से झंडी दिखाकर जिलों के लिए निःशुल्क शव वाहन भेजने के अवसर पर कहा कि मनुष्यता, सेवा भाव और समाज के गरीब वर्ग सहित अन्य जरूरतमंदों के लिए निःशुल्क शव वाहन सेवा प्रारंभ की जा रही है। सेवा के संकल्प के अंतर्गत जिला चिकित्सालयों के लिए दो वाहन और चिकित्सा महाविद्यालयों वाले जिलों के लिए चार शव वाहन की व्यवस्था करते हुए प्रदेश में कुल 148 शव वाहनों का संचालन प्रारंभ किया गया है। इस व्यवस्था से परिवहन सुविधा प्राप्त होने पर दिवंगत व्यक्ति की देह को ससम्मान गंतव्य स्थान तक पहुंचाने में सुविधा होगी। यह सेवा 24 घंटे उपलब्ध रहेगी, जिसमें वाहन चालक की उपस्थिति सुनिश्चित की जाएगी। शव वाहन का संचालन राज्य सरकार द्वारा संचालित शासकीय चिकित्सा संस्थानों में ही मृत्यु के प्रकरणों में उपयोग किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि कई प्रकार की जनहितैषी और जनकल्याणकारी योजनाएं राज्य सरकार ने शुरू की हैं। निःशुल्क शव वाहन सेवा एक अत्यंत संवेदनशील और बड़ी योजना है जो राज्य सरकार ने शुरू की है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जन हितैषी योजनाओं के माध्यम से समाज के हर सुख-दुख में साथ खड़े रहने का कार्य किया है। गरीब, युवा, महिला, किसान सभी के कल्याण के लिए केंद्र और राज्य सरकार कार्य कर रही है। जहां गंभीर रोगियों और दुर्घटनाग्रस्त नागरिकों को बड़े चिकित्सा संस्थान तक उपचार के लिए अविलम्ब भेजने के उद्देश्य से पीएमश्री एम्बुलेंस सेवा संचालित है वहीं राहवीर योजना में दुर्घटना होने के एक घंटे की भीतर गंभीर घायल को अस्पताल पहुंचाकर उसकी जीवन रक्षा करने वाले सहयोगी नागरिक को 25 हजार रुपए की प्रोत्साहन राशि देने की व्यवस्था की गई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि निःशुल्क शव वाहन की सेवा के प्रारंभ होने से निर्धन वर्ग को विशेष मदद मिलेगी।

जब सभी प्रयासों के बाद मनुष्य का जीवन नहीं बच पाता है और परिवार संकट की स्थिति में रहता है तो सबसे पहले उसे अपने परिवार के व्यक्ति के पार्थिव शरीर को निवास स्थान ले जाना होता है। नागरिकों को अक्सर यह तकलीफ उठानी पड़ती है जब पार्थिव शरीर को घर ले जाने के लिए कोई वाहन या अन्य प्रबंध न हो। मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा इस सेवा के प्रारंभ किए जाने के अवसर पर उपमुख्यमंत्री राजेंद्र प्रसाद शुक्ला, लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल, पूर्व मंत्री भूपेंद्र सिंह एवं अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर से उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने विधानसभा परिसर में मानसून सत्र के शुभारंभ अवसर पर सौजन्य भेंट की। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने विधानसभा अध्यक्ष तोमर को सत्र के सफल संचालन की शुभकामनाएं दीं।

ऐसे आजीविका मिशन के सीईओ बनाए गए थे एलएम बेलवाल

नोटशीट में आई सीएम की सहमति

भोपाल। राष्ट्रीय आजीविका मिशन में कई वर्षों तक कार्यरत रहे एलएम बेलवाल की संविदा नियुक्ति से जुड़ी नोटशीट सोमवार को एमपी विधानसभा में सामने आई है। नोटशीट के अनुसार, बेलवाल की नियुक्ति को लेकर कई विवाद उठे थे। इसमें यह बताया गया कि तत्कालीन मुख्य सचिव इकबाल सिंह बैंस के हस्तक्षेप से बेलवाल की नियुक्ति हुई थी। इस प्रक्रिया में एसीएस और मंत्रियों की आपत्तियों को नकार दिया गया था। बैंस ने यह लिखा था कि नियुक्ति में मुख्यमंत्री की भी सहमति थी। अब इस नियुक्ति की पूरी कहानी और इसके पीछे की राजनीतिक सच्चाई जानना दिलचस्प होगा। बेलवाल की नियुक्ति को लेकर कांग्रेस विधायक प्रताप ग्रेवाल ने विधानसभा में संबंधित दस्तावेजों की मांग की थी। इसके जवाब में पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद पटेल ने नियुक्ति से जुड़ी सभी नोटशीट्स प्रस्तुत की, जिनसे यह स्पष्ट हो गया कि रिटायरमेंट के 18 महीने बाद ही उनकी संविदा सीईओ के पद पर नियुक्ति की गई थी, जिसमें सभी नियमों को नजरअंदाज कर दिया गया था। बता दें बेलवाल 2012 से 2018 तक राष्ट्रीय आजीविका मिशन में प्रतिनियुक्ति पर कार्यरत रहे। वे 31 दिसंबर 2018 को रिटायर हुए। 18 महीने बाद, 17 जुलाई 2020 को उन्हें ओएसडी पद पर नियुक्त किया गया। 12 दिन बाद, 29 जुलाई 2020 को उन्हें सीईओ बना दिया गया। मिशन में ओएसडी पद का कोई अस्तित्व नहीं था। यह पद विशेष रूप से बेलवाल के लिए बनाया गया था। इस नियुक्ति से पहले 20 जून 2020 को सीईओ शिल्पा गुप्ता को हटा दिया गया।

बेलवाल की नियुक्ति से जुड़ी नोटशीट में क्या था: पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के तत्कालीन एसीएस मनोज श्रीवास्तव के अनुसार, राष्ट्रीय आजीविका मिशन में सीईओ का पद किसी संविदा आईएएस अधिकारी को नहीं दिया जा सकता, खासकर जब इसकी विज्ञप्ति और वित्तीय सहमति नहीं हो। इस पर कोर्ट में चुनौती दी जा सकती है।

महेंद्र सिंह सिसोदिया, जो उस समय पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री थे, उन्होंने श्रीवास्तव की टिप्पणी पर सहमति जताई। इकबाल सिंह बैंस, जो उस समय मुख्य सचिव थे, उन्होंने कहा कि जब तक नया आईएएस अधिकारी नियुक्त नहीं होता, तब तक बेलवाल को सीईओ का प्रभार दिया जा सकता है। मुख्यमंत्री जी की सहमति है, और सीईओ बनाए जाने का आदेश जारी किया जाना चाहिए। मनोज श्रीवास्तव ने अपनी दूसरी टिप्पणी में कहा कि उच्च स्तर से सीईओ बनाए जाने के निर्देश दिए गए हैं। आदेश जारी कर दिए जाएं और प्रति मुख्यमंत्री कार्यालय, मुख्य सचिव कार्यालय, और जीएडी को भेजी जाए। चूंकि यह वित्तीय अधिकार का मामला है, इसे कैबिनेट में भी भेजा जाए। सचिन सिन्हा, जो उस समय पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के प्रमुख सचिव थे, उन्होंने बताया कि बेलवाल 2023 तक सीईओ के पद पर बने रहे। मार्च 2021 में, एसीएस मनोज श्रीवास्तव और पीएस सचिन सिन्हा को पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग से हटा दिया गया था। उमाकांत उमराव को विभाग का नया प्रमुख सचिव नियुक्त किया गया।कुछ समय पहले मध्यप्रदेश में पोषण आहार (टेक होम राशन) के वितरण में हुई गड़बड़ी को लेकर लोकायुक्त ने एक नई शिकायत दर्ज की गई थी। यह शिकायत पूर्व मुख्य सचिव इकबाल सिंह बैंस और पूर्व सीईओ ललित मोहन बेलवाल के खिलाफ थी। इस मामले में कैग (कंट्रोलर एंड ऑडिटर जनरल) की रिपोर्ट ने कई गंभीर खुलासे किए थे, जो राज्य सरकार की पोषण आहार योजना की प्रभावशीलता और पारदर्शिता पर सवाल उठाते हैं। कैग की रिपोर्ट के अनुसार, मध्यप्रदेश में 858 करोड़ रुपए की टेक होम राशन (टीएचआर) का उत्पादन काल्पनिक रूप से दर्शाया गया था। रिपोर्ट में यह भी पाया गया था कि जिस मात्रा में कच्चे माल का उपयोग होना चाहिए था, उतना हुआ ही नहीं। साथ ही, पोषण आहार का वितरण जिन 8 जिलों में किया गया था, वहां जितने लाभार्थी दिखाए गए, उतने लाभार्थी उस क्षेत्र में मौजूद नहीं थे। इस पूरे मामले में मुख्य आरोपी मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्य सचिव इकबाल सिंह बैंस और पूर्व आजीविका मिशन के सीईओ ललित मोहन बेलवाल हैं। पूर्व विधायक पारस सकलेचा ने इस मामले में लोकायुक्त के पास शिकायत दर्ज कराई, जिसके बाद जांच शुरू की गई। लोकायुक्त अब इस गड़बड़ी के आरोपों की जांच करेगा।

विधायक सकलेचा ने आरोप लगाया था कि इकबाल सिंह बैंस ने 2017 में अपने करीबी सहयोगी ललित मोहन बेलवाल को वन विभाग से प्रतिनियुक्ति पर लेकर आजीविका मिशन का सीईओ बना दिया था। दोनों ने मिलकर पोषण आहार बनाने वाली सात फैक्ट्रियों का काम एग्रो इंडस्ट्रीज कॉरपोरेशन से लेकर आजीविका मिशन को सौंप दिया। 2018 में कमलनाथ सरकार ने इन फैक्ट्रियों को वापस एग्रो इंडस्ट्रीज को सौंपा था। 2020 में शिवराज सरकार के सत्ता में आने के बाद बैंस ने बेलवाल को एक साल के लिए फिर से सीईओ नियुक्त कर दिया। जबकि विभाग के कई अधिकारियों ने इस पर आपत्ति जताई थी।

प्रदेश के प्रमुख बांधों में लगभग 70 प्रतिशत हुआ जल भराव

भोपाल। जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने कहा है कि प्रदेश में बारिश की स्थिति अच्छी है. इस मानसून में मध्यप्रदेश में आज दिनांक तक 645.20 मि.मी. वास्तविक वर्षा दर्ज की गई है, जो प्रदेश की औसत वर्षा से 54 प्रतिशत अधिक है। राज्य के पूर्वी हिस्से में औसत से 66त्न अधिक एवं पश्चिमी हिस्से में औसत से 44 प्रतिशत अधिक वर्षा दर्ज की गई है। विगत वर्ष आज की स्थिति में मध्यप्रदेश में वास्तविक वर्षा 447.40 मिलीमीटर दर्ज हुई थी, जो कि प्रदेश की औसत वर्षा से 7त्न अधिक थी। प्रदेश के प्रमुख बांधों में जल भराव की स्थिति भी अच्छी है।

विगत वर्ष आज दिनांक की स्थिति में प्रदेश के प्रमुख बांधों में लगभग 43.67 प्रतिशत औसत जल भराव था, जबकि इस वर्षाकाल में अच्छी बारिश के चलते प्रदेश के प्रमुख बांधों में 69.45 प्रतिशत जलभराव हो चुका है। प्रदेश के 22 बांधों के जल द्वार खोले जा चुके हैं। जल संसाधन मंत्री श्री सिलावट ने सोमवार को मुख्य अभियंता बोधी कार्यालय स्थित राज्य बाढ़ नियंत्रण कक्ष से प्रदेश में वर्षा और जलाशयों में जलभराव की स्थिति की समीक्षा की और अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। बैठक में मुख्य अभियंता सहित सभी संबंधित अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में मंत्री श्री सिलावट में निर्देश दिए कि प्रदेश के सभी बांधों एवं जलाशयों की निरंतर निगरानी की जाए और सभी सुरक्षात्मक उपाय किए जाएं। विभाग के अधिकारी, जिला प्रशासन एवं सभी संबंधित अधिकारियों से समन्वय बनाकर कार्य करें। सभी जिलों में बाढ़ नियंत्रण कक्ष प्रभावी रूप से कार्य करें और अतिवृष्टि एवं बाढ़ की जानकारी राज्य स्तरीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष को भेजते रहें। बांधों से जल छोड़ने की जानकारी सभी संबंधियों को दी जाए। मंत्री श्री सिलावट ने बताया कि प्रदेश के सभी प्रमुख बेसिन में बांधों के जल ग्रहण क्षेत्र में मौसम विज्ञान विभाग द्वारा जारी वर्षा के पूर्वानुमान, पानी की आवक और बांधों के गवर्निंग लेवल के दृष्टिगत गेटों का संचालन किया जा रहा है, जिससे बाढ़ की स्थिति नियंत्रण में है। रिजर्वायर लेवल मॉनिटरिंग सिस्टम में चिन्हित प्रदेश के 286 प्रमुख बांधों में से 86 बांधों में 9 0प्रतिशत से अधिक, 31 बांधों में 75 प्रतिशत से 90त्न तक तथा 40 बांधों में 50 प्रतिशत से 75प्रतिशत तक जल भराव हो चुका है. इसी प्रकार 59 बांधों में 25 प्रतिशत से 50त्न तक, 35 बांधों में 10 प्रतिशत से 25 प्रतिशत तक तथा 35 बांधों में 10 प्रतिशत से कम जल भरा हुआ है।

स्वच्छता में सिरमौर इंदौर अब ट्रैफिक सुधार में बनेगा नंबर वन

इंदौर। स्वच्छता में देश का सिरमौर इंदौर अब ट्रैफिक प्रबंधन में भी नई मिसाल कायम करने को तैयार है। रविवार को इस दिशा में एक शानदार पहल देखने को मिली, जब ट्रैफिक मित्र अभियान के तहत इंदौर के महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने एक प्रेरणादायक बाइक रैली का नेतृत्व किया। विजय नगर से राजीव गांधी सर्कल तक की इस जागरूकता रैली में सैकड़ों बाइकर्स ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया, जिसमें आम नागरिकों के साथ-साथ जनप्रतिनिधियों ने भी बढ़-चढ़कर योगदान दिया। महापौर पुष्यमित्र भार्गव और विधायक रमेश मेंदोला ने स्वयं बाइक चलाकर शहरवासियों को ट्रैफिक नियमों के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया। इस रैली का आयोजन नायक राइडर्स के ऋषभ बागोरा के नेतृत्व में किया गया, जिन्होंने शहर के बाइकर्स को एकजुट कर इस अभियान को यादगार बनाया। महापौर ने कहा, इंदौर ने स्वच्छता में पूरे देश के लिए मिसाल कायम की है। अब हमारा लक्ष्य ट्रैफिक प्रबंधन में भी नंबर वन बनना है। ट्रैफिक मित्र अभियान के तहत 1000 से अधिक वॉलंटियर्स शहर में जागरूकता फैला रहे हैं, और यह रैली उसी संकल्प का प्रतीक है। उन्होंने आगे कहा यह बाइक रैली केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि इंदौरवासियों के दृढ़ निश्चय का प्रतीक है—जिस तरह स्वच्छता में क्रांति लाई गई, वैसे ही ट्रैफिक अनुशासन में भी इंदौर देश को नया रास्ता दिखाएगा।

कलेक्टर ने शहर के प्रमुख चौराहों का किया निरीक्षण

भोपाल। कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने सोमवार को भोपाल में यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ और सुचारु बनाए रखने हेतु स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने डिस्ट्रिक्ट कोर्ट चौराहा, सात नम्बर चौराहा, 1250 चौराहा, प्लैटिनम प्लाजा तथा 11 मील सहित प्रमुख चौराहों का मौका-मुआयना कर वस्तुस्थिति का प्रत्यक्ष अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान सीईओ जिला पंचायत इला तिवारी, एडीएम अंकुर मेश्राम, एसीपी ट्रैफिक बी.एस. कोल एवं संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि शहरवासियों को सुरक्षित एवं निर्बाध यातायात सुविधा उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है। इसके लिए चिन्हित ब्लैक स्पॉट्स, लेफ्ट टर्न तथा ट्रैफिक सिग्नल्स पर आवश्यक संरचनात्मक सुधार एवं यातायात अनुशासन का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाए। निरीक्षण के दौरान उन्होंने ट्रैफिक पुलिस, नगर निगम तथा पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों को समन्वयपूर्वक कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि यातायात प्रबंधन में किसी भी प्रकार की शिथिलता या लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। कलेक्टर श्री सिंह ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि तय समयसीमा में कार्य पूर्ण करें और प्रत्येक चौराहे पर ट्रैफिक सिग्नल, चौराहों, तिराहों और मार्गों का उन्नयन, लेफ्ट टर्न का निर्माण, डिवाइडर, रोड मार्किंग जैसे जेब्रा क्रॉसिंग और स्टॉप लाइन, रोड साइन बोर्ड, स्पीड ब्रेकर और रम्बल स्ट्रिप्स का निर्माण किया जाए। इसके साथ ही ब्लैक स्पॉट्स (दुर्घटना संभावित क्षेत्र) की पहचान कर उनमें आवश्यक सुधार कार्य तत्काल प्रभाव से प्रारंभ किए जाएँ, ताकि दुर्घटनाओं की संभावना को कम किया जा सके।

पर्यवेक्षक भर्ती प्रक्रिया अंतिम चरण में

भोपाल में 4 से 7 अगस्त तक होगा चयनित अभ्यर्थियों के दस्तावेज़ सत्यापन

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मध्यप्रदेश कर्मचारी चयन मंडल (ईएसबी) द्वारा आयोजित पर्यवेक्षक भर्ती परीक्षा 2024 की मेरिट सूची अंतर्गत चयनित अभ्यर्थियों की नियुक्ति प्रक्रिया अंतिम चरण में पहुंच गई है। महिला एवं बाल विकास द्वारा चयनित प्रतिभागियों के मूल दस्तावेजों का परीक्षण 4 से 7 अगस्त तक भोपाल स्थित संचालनालय, महिला एवं बाल विकास, विजया राजे वात्सल्य भवन, अरेरा हिल्स में किया जाएगा। दस्तावेज़ सत्यापन कार्यक्रम को दो भागों ङ्क सीमित सीधी भर्ती और खुली सीधी भर्ती के तहत विभाजित किया गया है, जिसमें कुल 560 चयनित प्रतिभागियों को आमंत्रित किया गया है। सीमित सीधी भर्ती के अंतर्गत दस्तावेज़ सत्यापन की प्रक्रिया 4 और 5 अगस्त को होगी। 4 अगस्त को पूर्वाह्न 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक अनारक्षित श्रेणी के 87 अभ्यर्थियों का और दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे तक अनुसूचित जाति वर्ग के 54 अभ्यर्थियों का दस्तावेज़ परीक्षण किया जाएगा। इसके बाद 5 अगस्त को पूर्वाह्न में 69 अनुसूचित जनजाति वर्ग के अभ्यर्थियों का सत्यापन होगा, जबकि अपराह्न में 47 अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) और 32 ई.डब्ल्यू.एस. (आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग) के अभ्यर्थियों का दस्तावेज़ परीक्षण किया जाएगा। इस श्रेणी में कुल 289 अभ्यर्थी शामिल हैं।

खुली सीधी भर्ती के तहत दस्तावेज़ परीक्षण 6 और 7 अगस्त को किया जाएगा। 6 अगस्त को सुबह 10 बजे से 1 बजे तक अनारक्षित वर्ग के 87 तथा दोपहर 2 बजे से 5 बजे तक अनुसूचित जाति वर्ग के 49 अभ्यर्थियों का सत्यापन निर्धारित है। इसी तरह 7 अगस्त को पूर्वाह्न में अनुसूचित जनजाति वर्ग के 62 अभ्यर्थियों और अपराह्न में 44 अन्य पिछड़ा वर्ग एवं 29 ई.डब्ल्यू.एस. वर्ग के अभ्यर्थियों के दस्तावेज़ों का परीक्षण होगा। इस श्रेणी में कुल 271 अभ्यर्थी शामिल किए गए हैं।

चयनित अभ्यर्थियों को निर्देशित किया गया है कि वे निर्धारित तिथि और समय पर दस्तावेजों की मूल प्रति तथा एक स्वप्रमाणित छायाप्रति सेट सहित अनिवार्य रूप से उपस्थित हों। दस्तावेज़ों में मुख्यतः मूल निवासी प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र (एसडीएम द्वारा जारी), 10वीं एवं 12वीं की अंकसूचियाँ (स्नातक की हो तो उसकी भी), आंगनवाड़ी कार्यकर्ता का अनुभव प्रमाण पत्र, उपस्थिति पत्रक, निःशक्तता प्रमाण पत्र, भूतपूर्व सैनिक प्रमाण पत्र, संविदा नियुक्ति एवं अनुभव प्रमाण पत्र, आधार कार्ड की मूल प्रति (जिससे लिंक मोबाइल साथ लाना अनिवार्य है), ईएसबी परीक्षा परिणाम की प्रति एवं ई.डब्ल्यू.एस. प्रमाण पत्र शामिल हैं।

दस्तावेज़ सत्यापन उपरांत पात्र अभ्यर्थियों को पर्यवेक्षक पद के लिये नियुक्ति आदेश जारी किए जाएंगे। विभाग ने स्पष्ट किया है कि निर्धारित तिथि को अनुपस्थित रहने वाले अभ्यर्थियों के दावे पर आगे विचार नहीं किया जाएगा।

उप मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में गाँधी मेडिकल कॉलेज की सामान्य सभा की 19वीं बैठक सम्पन्न

एकीकृत स्वास्थ्य परिसर की अवधारणा पर करें कार्य: शुक्ल

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि चिकित्सा शिक्षा एवं स्वास्थ्य सेवाओं को एक साथ जोड़ते हुए 'एकीकृत स्वास्थ्य परिसर' की अवधारणा पर कार्य किया जा रहा है, ताकि छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, फैकल्टी को अनुसंधान एवं नवाचार के अवसर, और मरीजों को अत्याधुनिक स्वास्थ्य सेवाएँ एक ही स्थान पर मिल सकें। उन्होंने बैठक में उपस्थित अधिकारियों एवं निर्माण एजेंसियों को निर्देश दिए कि सभी विकास कार्य समयबद्ध ढंग से पूरे हों और उनकी गुणवत्ता से कोई समझौता न हो। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने पुराने छात्रावास भवनों के जीर्णोद्धार, मल्टी लेवल पार्किंग, जीएमसी परिसर की एप्रोच रोड के सुधार, मेडिकल कॉलेज के रिडेवलपमेंट प्लान एवं चिकित्सकों, स्टाफ तथा फैकल्टी के लिए आवासीय क्वार्टर्स और अन्य सहायक सुविधाओं के विकास योजना के संबंध में आवश्यक निर्देश दिये। उन्होंने सामान्य सभा की 18 वी बैठक में दिए गए निर्देशों की अनुपालना की वृहद समीक्षा की। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल की अध्यक्षता में गाँधी मेडिकल कॉलेज भोपाल की सामान्य सभा की 19वीं बैठक आज आयोजित की गई। बैठक में कार्यकारिणी समिति द्वारा लिए गए निर्णयों, आय-व्यय, बजट तथा संस्थान के शैक्षणिक और भौतिक विकास से जुड़ी विभिन्न योजनाओं का प्रस्तुतिकरण किया गया।

बैठक में गाँधी मेडिकल कॉलेज के समग्र विकास से जुड़े महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर भी विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। इनमें नव प्रस्तावित मिल्क बैंक की स्थापना, बोन मैरो ट्रांसप्लांट यूनिट का निर्माण, प्रोफेसर्स की पदोन्नति प्रक्रिया का समयबद्ध निराकरण, संस्थान में चल रहे शोध कार्यों को सहयोग और संसाधन उपलब्ध कराने की नीति, विद्यार्थियों के लिए आधुनिक छात्रावास सुविधाओं का विस्तार जैसे बिंदु शामिल रहे। छात्र-छात्राओं के लिए 200 सीटों वाला छात्रा पीजी हॉस्टल तथा 400 सीटों वाला छात्र पीजी हॉस्टल की प्रगति की समीक्षा की और शीघ्र कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने हमीदिया अस्पताल भोपाल के हृदय रोग विभाग की कार्यप्रणाली की जानकारी ली। उन्हें अवगत कराया गया कि कार्डियोलॉजी विभाग की सेवाएँ वर्तमान में हमीदिया अस्पताल के ब्लॉक-1 की तीसरी एवं ग्यारहवीं मंजिल पर संचालित हैं। साथ ही, पुराने भवन में ट्रॉमा ब्लॉक के समीप स्थित कैथ लैब की वर्तमान कार्यप्रणाली से भी उन्हें अवगत कराया गया। उन्होंने विभाग के कामकाज, नॉन-इनवेसिव लैब की स्थिति तथा डीएम छात्रों के लिए चल रहे उच्चस्तरीय शिक्षण एवं प्रशिक्षण कार्यक्रमों की सराहना की। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि ब्लॉक-1 की तीसरी मंज़िल पर नवीन कैथ लैब की स्थापना से हृदय रोग से पीड़ित गरीब एवं जरूरतमंद मरीजों को और अधिक सुविधा मिलेगी। उन्होंने विभागाध्यक्ष डॉ. राजीव गुप्ता एवं उनकी टीम को चिकित्सा शिक्षा, सेवा और शोध कार्यों के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए बधाई दी।

बैठक में महापौर मालती राय, विधायक भगवानदास सबनानी, एमपीपीएचएससीएल के प्रबंध संचालक एवं कार्यकारिणी समिति के अध्यक्ष श्री मयंक अग्रवाल, जीएमसी की अधिष्ठाता डॉ. कविता सिंह, चिकित्सा शिक्षा संचालक डॉ. अरुणा कुमार, हमीदिया अस्पताल के अधीक्षक डॉ. सुनीत टंडन, कार्डियोलॉजी विभागाध्यक्ष डॉ. राजीव गुप्ता सहित विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, फैकल्टी सदस्य, तकनीकी विशेषज्ञ और निर्माण एजेंसियों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

संपादकीय

आधार से राहत

बिहार में मतदाता सूचियों की समीक्षा को लेकर विपक्षी दल आक्रामक हैं, वहीं मामला सर्वोच्च न्यायालय में पहुंच गया है। सुप्रीम कोर्ट ने बिहार में वोटर लिस्ट की समीक्षा के लिए आधार कार्ड और वोटर आईडी को भी मान्य दस्तावेजों की लिस्ट में शामिल करने का आदेश देकर आम लोगों को बड़ी राहत दी है। साथ ही यह भी कहा है कि अगर बड़ी संख्या मे लोगों को मतदाता सूची से बाहर रखा तो तुरंत हस्तक्षेप करेंगे।

स्पेशन इंटेसिंव रिवीजन यानी एसआईआर को लेकर जहां बिहार में विरोध हो रहा है, वहीं संसद में भी गतिरोध का माहौल बना हुआ है। विपक्ष का आरोप है कि रिवीजन के बहाने खास तबकों के लोगों को वोटिंग के अधिकार से वंचित किया जा रहा है। संसद के मॉनसून सत्र में भी इसे लेकर खासा हंगामा हो चुका है। ऐसे में सुप्रीम कोर्ट की इस सुनवाई पर सभी की निगाहें थीं। मान सकते हैं कि अदालत के आदेश से गतिरोध टालने में मदद मिलेगी।

सुप्रीम कोर्ट ने पिछली सुनवाई के दौरान आधार और वोटर कार्ड के साथ ही राशन कार्ड को भी दस्तावेजों की लिस्ट में शामिल करने का सुझाव दिया था। हालांकि चुनाव आयोग यह कहकर इससे बच रहा था कि इन डॉक्युमेंट्स पर भरोसा नहीं किया जा सकता। लेकिन, इसकी वजह से बिहार के आम लोगों के सामने परेशानी खड़ी हो गई थी। पूरे राज्य से खबरें आई कि किस तरह डॉक्युमेंट्स बनवाने के लिए सरकारी विभागों में लंबी-लंबी लाइनें लग रही हैं - लोगों में डर है कि उनका वोटिंग अधिकार खत्म हो जाएगा। आधार और वोटर कार्ड आज के सबसे बुनियादी दस्तावेजों में हैं। ऐसे में शीर्ष अदालत के रुख से लोगों की मुश्किल काफी हद तक हल हो सकती है।

शीर्ष अदालत ने ड्राफ्ट वोटर लिस्ट पर रोक न लगाते हुए कहा है कि आखिरी सुनवाई की तारीख मंगलवार को तय की जाएगी। जब इतनी बड़ी प्रक्रिया शुरू हो चुकी है, तो उसे बीच में रोकना किसी समस्या का समाधान नहीं है। जरूरत है कि प्रक्रिया के दौरान आने वाली दिक्कतों को समझा और दूर किया जाए। चुनाव आयोग कह भी चुका है कि किसी के वोटिंग अधिकार को बिना पूरा मौका दिए खत्म नहीं किया जाएगा। मतदाताओं के पास वोटर लिस्ट में जगह बनाने का अब भी मौका है।

एसआईआर को लेकर इतना विरोध इसलिए है क्योंकि इससे जुड़ी कई आशंकाएं विपक्ष व आम लोगों के मन में हैं। दूसरी बात यह कि आगे चलकर यह प्रक्रिया पूरे देश में होनी है। चुनाव आयोग के ही आंकड़ों के अनुसार बिहार में 66 लाख नाम वोटर लिस्ट से कट सकते हैं, यदि इसी को माना जाए, तो इसका राजनीतिक असर बहुत गहरा होगा। इस डर और आशंका को पारदर्शिता और भरोसे से ही दूर किया जा सकता है।

सर्वोच्च न्यायालय क्या फैसला करता है, यह तो बाद में पता चलेगा, फिलहाल अदालत के रुख से चुनाव आयोग थोड़ा सहम तो गया है। आधार का मुद्दा तो आयोग को वापस लेना ही होगा। देखना होगा कि राजनीति में आया तूफान शांत होता है या नहीं? और इसका आने वाले बिहार के चुनाव में क्या फर्क पड़ता है।

हमारी लोकसंस्कृति के नायक हैं बाघ!

जयराम शुक्ल

लेखक पत्रकार है।

चीन भले ही अपने काल्पनिक/भुतहे ड्रैगन(अजदहा) को लेकर इतराता रहे लेकिन हम वास्तव में टाइगर नेशन हैं। विश्व बाघ दिवस की पूर्व संध्या पर सरकार ने भारत में बाघों को लेकर जानकारी साझा की है, जिसके अनुसार भारत में बाघों की संख्या बढ़कर 3167 पहुँच गई जो विश्व की 70 प्रतिशत है। यह आँकड़े 2022 की बाघ गणना के निष्कर्ष हैं।

वर्ष 2000 से 2014 का अंतराल बाघों की सुरक्षा की दृष्टि से बेहद संकट पूर्ण रहा। 2006 बाघों की संख्या घटकर 1411 हो गई थी। यह वही दौर था जब राजस्थान के सरिस्का और मध्यप्रदेश का पन्ना टाइगर रिजर्व बाघ विहीन हो चुका था। पन्ना टाइगर रिजर्व में तो 2009 में बाघों का पुनर्वास किया गया।

पन्ना की यह घटना वन्यजीव जगत की अनोखी है, जहां कैपटिव टाइगर को वाइल्ड बनाया गया। आज पन्ना टाइगर इसकी बड़ी दिलचस्प कहानी है, अलग से सुनने सुनाने लायक। बहरहाल 2014 से बाघ संरक्षण कार्यक्रम ने गति पकड़ा तब 2226 बाघ थे जो चार वर्ष में बढ़कर 2967 हो गए। अब स्थिति यह कि बाघों के लिए जंगल का दायरा ही छोटा पड़ने लगा।

बाँधवगढ़ नेशनल पार्क व टाइगर रिजर्व को विश्व की सबसे घनी बाघ आबादी का गौरव बरकरार है। नेशनल जियाग्रफी और डिस्कवरी में दिखने वाला हर दूसरा बाघ यही का है। बाँधवगढ नेशनल पार्क की कोर एरिया और बफर में बाघों की संख्या बढ़कर 124 हो गई है।

कान्हा-बाँधवगढ़-पन्ना और संजय नेशनल पार्क में बाघों का कारीडोर प्रस्तावित है लेकिन जरूरत इन्हें तत्काल जोड़ने की है नहीं तो बाघों की बढ़ती आबादी से जल्दी ही एक नया संघर्ष शुरू होने वाला है। जंगल में टेरीटरी बनाने के लिए और गाँवों को उस दायरे में शामिल करने के लिए।

भारत में बाघकथा बड़ी दर्दनाक रही है। सबसे पहले मुगलों ने बाघों के शिकार की परंपरा को नबावी बनाया। फिर अँग्रेजों ने इसे खेल में बदलते हुए गेम सेंचुरी का नाम दे दिया। यह गेम सेंचुरी देसी राजे रजवाड़ों के प्रबंधन में शुरू हुई।

यह सिलसिला 1972 तक चलता रहा जबतक कि वन्यसंरक्षण कानून अस्तित्व में नहीं आया। शिकार के इसी सिलसिले ने भारत के जंगलों से चीता का वंशनाश कर दिया।

पंडित नेहरू को रीवा के महाराज ने एक जवान बाघ के सिर की रक्त रंजित ट्राफी और खाल भेंट की..तो उसे देखकर इंदिरा जी का दिल दहल गया..आँखों में आँसू आ गए.. काश यह आज जंगल में दहाड़ रहा होता..। राजीव गाँधी को लिखे अपने एक पत्र में इंदिरा जी ने यह मार्मिक ब्योरा दिया है।

प्रधानमंत्री बनने के बाद इंदिरा जी ने वाइल्ड लाइफ प्रोटेक्शन एक्ट समेत वन से जुड़े सभी कड़े कानून संसद से पास करवाए। राष्ट्रीय उद्यान, टाइगर रिजर्व, व अभयारण्य एक के बाद एक अधिसूचित करवाए। आज वन व वन्यजीव जो कुछ भी बचे हैं वह इंदिरा जी के महान संकल्प का परिणाम है।

इंदिरा जी का वो मार्मिक पत्र

''हमें तोहफे में एक बड़े बाघ की खाल मिली है. रीवा के महाराजा ने केवल दो महीने पहले इस बाघ का शिकार किया था. खाल, बॉलरूम में पड़ी है. जितनी बार मैं वहां से गुजरती हूं, मुझे गहरी उदासी महसूस होती है. मुझे लगता है कि यहां पड़े होने की जगह यह जंगल में घूम और दहाड़ रहा होता. हमारे बाघ बहुत सुंदर प्राणी हैं....

-इंदिरा गांधी(राजीव गांधी को 7 सितंबर 1956 को लिखे पत्र के अंश)÷

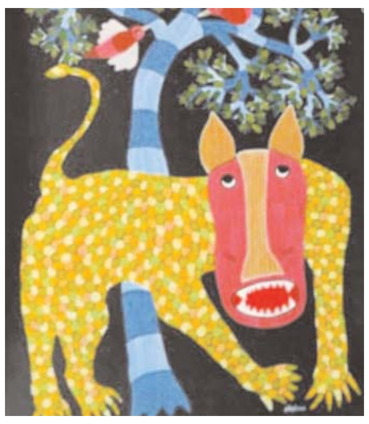

इंदिरा जी ने वन्यजीव संरक्षण कानून 1972 बनाया। इसके बाद जब जंगलों का ही नाश होने लगा तो वन संरक्षण कानून 1980 आया। 2002 में वन्य संरक्षण कानून इतना कड़ा कर दिया गया कि आदमी की हत्या से कोई मुजरिम बच भी सकता है लेकिन शिड्यूल्ड प्राणियों की हत्या के आरोपी की जिंदगी जेल में ही कटेगी।

बाघ हमारी संस्कृति के अटूट हिस्से हैं। वे दैवीय हैं और ईश्वर के अवतारी। इन्हें भौतिकवादी प्रगतिशीलों ने कभी इस नजरिए से नहीं देखा। बाघ सनातन से हमारी आस्थाओं में हैं। इसलिए बाघों के प्रति मेरा नजरिया वन्यप्रेमी, प्राणिशास्त्री से अलग हटकर है।

अपन को जब भी मौका मिलता है जंगल निकल लेता हूँ। जंगल प्रकृति की पाठशाला है, हर बार कुछ न कुछ सीख मिलती है। जानवर, पेंड़-पौधे, नदी, झरने सभी शिक्षक हैं, बशर्ते उन्हें ध्यान से देखिए, सुनिए समझिए। ये सब उस विराट संस्कृति के हिस्से हैं जो सनातन से चलती चली आ रही है। ये सह अस्तित्व के प्रादर्श थे कभी।

यहां के राजा का हाथियों के बेचने का कारोबार था। सीधी जिले के जिस मडवास रेंज के वन्यग्राम में वो भित्तिचित्र देखा उसी मड़वास के हाथियों के बारे में ..रीवा राज्य का इतिहास..के लेखक गुरू रामप्यारे अग्नीहोत्री ने लिखा कि - ÷एक बार राजा ने यहां से 30 हाथी पकड़वाए इसके बाद वे यह भूल गए कि इनका करना क्या है परिणाम यह हुआ की तीसों हाथी भूख से तड़प के मर गए थे।÷ यानी इस जंगल में हाथी और बाघ सहअस्तित्व के साथ रहा करते थे।

संक्षेप में कथा कुछ इस तरह थी- जंगल चरने गई गाय से बाघ का सामना हो गया। बाघ शिकार करने ही वाला था कि गाय ने उससे विनती शुरू कर दी,बोली- आज मुझे मत खाओ, घर में मेरा बछड़ा भूखा इंतजार कर रहा होगा, मैं जाकर उसे अपना दूध पिला आऊं फिर मुझे खा लेना।

बाघ बोला-तू मुझे बुद्धू बना रही है, क्या गारंटी कि तू लौटके आएगी ही। कातर स्वर से गाय बोली- भैय्या मैं अपने बछड़े की कसम खाती हूँ उसे दूध पिलाने के बाद पल भर भी नहीं रुकूंगी, मेरा विश्वास मानो भैय्या।

बाघ ने दूर से देखा कि गाय तय वक्त से पहले ही आ रही है। जाकर गाय बाघ के सामने स्वयं को शिकार के रूप में प्रस्तुत किया। बछड़ा चौकड़ी भरता बीच में आ गया। बोला- बाघ मामा मुझे खा लो माँ को छोड़ दो, माँ बची रही तो आपके लिए मेरे जैसे शिकार पैदा करती रहेगी। बाघ यह सुनकर सन्न रह गया। उसकी आँखों आँसू आ गए, गाय से बोला-जा बहना जा, भाँन्जे का ख्याल रखना। बाघ ने अभयदान दे दिया। इधर समूचा गांव ताके बैठा था कि क्या होगा..।

तभी से बहुला चौथ की ब्रत अपनी परंपरा में आया, जिसमें माँ,बहने अपने भाई के कुशलमंगल के लिए यह ब्रत रखती हैं। गाय बाघ के कुशलमंगल और दीर्घायु के लिए ब्रत रखे..विश्व के किसी विचार दर्शन और कथानक में इसकी कल्पना नहीं की जा सकती। यह है हमारी अरण्यसंस्कृति, हमारी लोकधारा जो जंगल से वन्यजीवों के बीच से फूटती है। वन्यजीव सरकारी सप्ताह के आयोजनों से नहीं बचेंगे। हमारी संस्कृति और परंपरा ही बचा सकती है इन्हें। जंगल को सुनने व देखने की श्रवणग्राहिता और दृष्टिक्षमता लानी होगी और वह जंगल के सरकारी कानूनों से नहीं आने वाली।

ओबीसी के अंबेडकर, उदित राज किनके ब्रांड एंबेसडर?

सरयूसुत मिश्रा

कांग्रेस के ओबीसी भागीदारी न्याय सम्मेलन में नेताओं के भाषण अन्याय के बीज बो गए हैं. कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे राहुल गांधी को अपर कास्ट का नेता बताते हुए उन्हें ओबीसी और दलितों की आवाज माना है. दूसरे नेता उदित राज राहुल को ओबीसी का अंबेडकर कह रहे हैं..!!

राहुल गांधी ने दलित मल्लिकार्जुन खड़गे को अध्यक्ष क्या बना दिया, वह तो उन्हें अपर कास्ट घोषित कर रहे हैं. साथ ही लोअर कास्ट का मसीहा बताने लगे हैं. अपर और लोअर कास्ट की थॉट के लिए जिस मनुस्मृति की आलोचना करते कांग्रेस थकती नहीं है, वही राहुल गांधी को भारतीय राजनीति का अपर कास्ट का मनु साबित करने में जुट गई है. कांग्रेस की यह 'राहुल-स्मृति' ओबीसी दलित और आदिवासी समाज को कितनी पसंद आएगी यह तो वक्त बताएगा.

अपर कास्ट का राजनीतिक विचार ही सामाजिक अन्याय की धारणा पर खड़ा हुआ है. अब तक राहुल गांधी की जाति को लेकर स्पष्टता नहीं रही है. इस पर तो लोकसभा में सवाल उठ चुका है. अब जब जातीय जनगणना हो रही है तो उन्हें भी अपनी जाति बताना पड़ेगा. राजनीतिक रूप से वह अपने को जनेऊ धारी साबित करते रहे हैं. राहुल गांधी अकेले ऐसे नेता हैं जिन्होंने पत्रकार वार्ता में अपना गोत्र दत्तात्रेय बताया था. राहुल गांधी अगर अपने को ब्राह्मण स्थापित करना चाहते हैं तो सबसे पहले उन्हें यह समझना पड़ेगा कि, मनुस्मृति में इस समाज को पुरोहित शक्ति से नवाजा गया है. सत्ता की शक्ति इस वर्ग को नहीं दी गई है. खड़गे जो राजनीति कर रहे हैं वह राहुल गांधी को पुरोहित शक्ति देने की नहीं है बल्कि उनका इरादा अपर और लोअर कास्ट की इस सियासत से सत्ता की सीढ़ियां चढ़ना भर है. भाजपा अपने आप को अब ओबीसी की पार्टी के रूप में स्थापित करने की कोशिश कर रही है. पीएम नरेंद्र मोदी को ओबीसी समाज का बताने में पार्टी कोई कमी नहीं रखती. वर्तमान परिस्थितियों में ओबीसी समाज का बीजेपी को जबरदस्त समर्थन मिला हुआ है.

ओबीसी की राजनीति में कांग्रेस पिछड़ गयी है. राहुल गांधी ने भागीदारी न्याय सम्मेलन में न केवल इस बात को स्वीकार किया है बल्कि इसके लिए माफी भी मांगी. जाति जनगणना की राजनीति को आगे बढ़ाने में राहुल अपनी भूमिका निभा पाते इसके पहले ही उन्हें अपर कास्ट का नेता बताया जाने लगा. यह भी कोई छोटे-मोटे नेता ने नहीं बल्कि कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने यह बात कही है.

इसे राहुल गांधी का सम्मान माना जाएगा या बाबासाहेब अंबेडकर का अपमान? निश्चित रूप से दलित और आदिवासी समाज के लिए बाबा साहब अंबेडकर द्वारा किए गए ऐतिहासिक संघर्ष को राहुल गांधी द्वारा ओबीसी समाज के लिए की जाने वाली राजनीति से जोड़ना उनका अपमान ही कहा जाएगा.

भागीदारी न्याय सम्मेलन में एक और मुद्दा कांग्रेस अध्यक्ष ने प्रमुखता से उठाया. उन्होंने कहा पीएम मोदी पिछड़ी जाति के नहीं है, वह तो अगड़े समाज से आते हैं. मुख्यमंत्री के रूप में उन्होंने अपनी जाति को ओबीसी लिस्ट में शामिल कर लिया. आजादी के समय कोई ओबीसी लिस्ट नहीं थी. एससी एसटी तो संविधान में परिभाषित थे लेकिन ओबीसी जातियां समय-समय पर उसमें शामिल होती गई.

कांग्रेस मोदी जाति को ओबीसी लिस्ट में मानने को तैयार नहीं है लेकिन उसे मुस्लिम समाज की विभिन्न जातियों को ओबीसी लिस्ट में डालकर आरक्षण की सुविधा देने में कोई आपत्ति नहीं है. कर्नाटक में तो कांग्रेस ने इसी लाइन पर चलते हुए मुसलमानों का तुष्टिकरण किया है. ओबीसी लिस्ट का सबसे बड़ा मुद्दा यही बन रहा है कि, वोट बैंक की राजनीति करने वाले ज्यादा से ज्यादा मुस्लिम बिरादरियों को इसमें जोड़ना चाहते हैं. बंगाल में तो ममता बनर्जी ने मुस्लिम समाज की अधिक जातियों को जोड़ दिया था, जिसको उच्च न्यायालय द्वारा रद्द कर दिया गया. अब बंगाल सरकार इसके खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में मामला ले गई है.

कांग्रेस और राहुल गांधी ओबीसी राजनीति करना चाहते हैं लेकिन उनकी यह राजनीति इसमें मुस्लिम जातियों को शामिल करने के कारण असफल हो सकती है. भाजपा जहां हिंदू समाज के ओबीसी वर्ग को अपने साथ जोड़ना चाहती है, वही कांग्रेस और विपक्षी दल ओबीसी हिंदुओं के साथ मुस्लिम समाज की ओबीसी जातियों को भी शामिल करना चाहते हैं. कांग्रेस की यही गलती भविष्य में भारी पड़ सकती है.

पहले भी राहुल गांधी ने जाति जनगणना को खूब उछाला था लेकिन कांग्रेस को चुनावी सफलता नहीं मिली. अब तो स्वयं राहुल गांधी अपर कास्ट में शामिल हो गए हैं. सामाजिक रूप से देखा जाए तो अपर कास्ट को ही जातिगत भेद भाव के लिए जिम्मेदार माना जाता है. लोअर कास्ट, अपर कास्ट को अपना फूल नहीं बल्कि काँटा मानती है. अपर कास्ट के राहुल गांधी लोअर कास्ट के फूल बनने की कोशिश कर रहे हैं जो उनकी राजनीतिक भूल साबित होगी. कांग्रेस ने सब कुछ आजमा लिया है. अब ओबीसी भागीदारी न्याय भी कांग्रेस के हाथों में अन्याय जैसा ही दिखाई पड़ रहा है. राहुल गांधी के बदलते मुद्दे, कांग्रेस के इतिहास को भुला नहीं सकते हैं. जाति की 'राहुल-स्मृति' से 'ओबीसी पॉलिटिक्स' में कांग्रेस का प्रभाव बिहार चुनाव में ही दिख जाएगा.

रैगिंग का रोग बेकाबू

राकेश दुबे

यह विडंबना है कि नियामक संस्था की सख्ती और शिक्षण संस्थाओं की सक्रियता के बावजूद रैगिंग का रोग काबू में नहीं आ रहा है। जब-तब कुछ छात्रों के आत्महत्या करने और कई मामलों में दोषी छात्रों के निलंबन व पुलिस कार्रवाई के मामले भी अक्सर उजागर होते हैं, मगर मर्ज है कि लाइलाज होता जा रहा है। सीनियर छात्र नये छात्रों को परेशान करने के लिये नये-नये तौर-तरीके तलाश लेते हैं।

उल्लेखनीय है कि कुछ समय पहले यूजीसी ने देश के 89 उच्च शिक्षा संस्थानों को कारण बताओ नोटिस जारी करके सख्त हिदायत दी है कि रैगिंग पर नियंत्रण करने वाले नियमों को सख्ती से क्यों लागू नहीं किया गया। यूजीसी ने इन उच्च शिक्षण संस्थानों के अधिकारियों को चेताया है कि इन संस्थाओं के परिसर में छात्रों की सुरक्षा से किसी भी तरह का समझौता नहीं किया जा सकता है। अब जब देश के विभिन्न शिक्षण संस्थानों में नये छात्रों के प्रवेश का सिलसिला आरंभ होने वाला है, यूजीसी ने एक बार फिर सख्ती दिखाई है। उसने रैगिंग के नये तौर-तरीकों से कड़ाई से निपटने का निर्देश दिया है। दरअसल, विभिन्न प्रसंगों में देखा गया है कि सीनियर छात्र नये छात्रों को परेशान करने के लिये नये तौर-तरीके इस्तेमाल कर रहे हैं। यूजीसी के मुताबिक, ऐसे मामले प्रकाश में आये हैं कि सीनियर छात्र अनौपचारिक व्हाट्सएप समूह बनाकर नये छात्रों को उससे जुड़ने के लिये बाध्य करते हैं। फिर छात्रों के मानसिक उत्पीड़न का सिलसिला आरंभ हो जाता है।

यही वजह है कि यूजीसी ने नये छात्रों को परेशान करने के इस नये तरीके के प्रति शिक्षा संस्थानों के अधिकारियों को चेताया है कि ऐसे मामले भी रैगिंग विरोधी नियमों के दायरे में आते हैं। इन मामलों में भी सख्त कार्रवाई की जाएगी। दरअसल, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने विश्वविद्यालय, शैक्षणिक संस्थानों व कालेजों को रैगिंग मुक्त वातावरण बनाने के निर्देश दिए हैं। साथ ही नियमों के उल्लंघन पर सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा है।

निश्चित रूप से नया सत्र शुरू होने से पहले यूजीसी की यह सक्रियता व सार्थक पहल स्वागत योग्य है। ऐसे में उच्च शिक्षण संस्थानों और कालेज प्रबंधन का दायित्व बनता है कि वे रैगिंग के नये तौर-तरीकों की सतर्कता से निगरानी करें। ताकि इसका इस्तेमाल नये छात्रों को आतंकित करने तथा अपमानित करने के लिए न किया जा सके। यह विडंबना ही है कि सीनियर छात्र नये छात्रों को परेशान करने के लिये नये-नये तरीके निकाल लेते हैं। यही वजह है कि नये छात्रों की शिकायतें लगातार सामने आती रहती हैं। पिछले सत्र में शिकायतें मिलीं कि सीनियर छात्र अनौपचारिक व्हाट्सएप ग्रुप में नये छात्रों को शामिल करके उन्हें धमकाते हैं। उन पर अपमानजनक नियम थोपते हैं। उन पर न केवल व्यंग्य करते हैं बल्कि गालियां भी देते हैं। ऐसे में नये भविष्य के लिए उत्साहित छात्र नयी परिस्थितियों में खुद को ढालने की कोशिश में विफल हो जाते हैं। उन्हें कई तरह से मानसिक व शारीरिक कष्टों तक का सामना करना पड़ता है। यहां तक कि भयाक्रांत होने से कई छात्र विश्वविद्यालय या कालेज छोड़ने तक के लिए बाध्य हो जाते हैं। कुछ छात्र लंबे तनाव के बाद डिप्रेशन तक में चले जाते हैं। निस्संदेह, शिक्षण संस्थानों में रैगिंग की घटनाओं को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाना चाहिए। कहीं न कहीं विश्वविद्यालय व कालेज प्रशासन की शिथिलता व उदासीनता भी सीनियर छात्रों की गुंडाई को बढ़ावा देती है। जिसके लिये जवाबदेही तय की जानी चाहिए। यही वजह है कि यूजीसी को चेतावनी देने को बाध्य होना पड़ा कि रैगिंग के किसी तरह के क्रियाकलाप पूरी तरह अस्वीकार्य हैं। ऐसा न करने पर इन शिक्षण संस्थानों की रेटिंग कम करने तथा अनुदान रोकने की कार्रवाई भी हो सकती है। दरअसल, शिक्षण संस्थानों को अपने परिसर में रैगिंग जैसी कुरीति पर रोक लगाने के लिये जहां सीनियर छात्रों के लिये परामर्श केंद्र बनाये जाने चाहिए, वहीं नये छात्रों की भी काउंसिलिंग की जानी चाहिए, ताकि वे नयी परिस्थितियों से साम्य स्थापित कर सकें।

केवल सत्ता से मत करना परिवर्तन की आस

प्रो. संजय द्विवेदी

एक जीवंत लोकतंत्र में 'बदलाव की राजनीति' और 'सत्ता की राजनीति' के विमर्शों के बीच राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ऐसा संगठन बन चुका है, जिसने समाज जीवन के हर क्षेत्र में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई है। उसके स्वयंसेवकों के उजले पदचिन्ह हर क्षेत्र में सफलता के मानक बन गए हैं। स्वयं को सांस्कृतिक संगठन बताने वाले संघ का मूल कार्य और केंद्र दैनिक 'शाखा' ही है, किंतु अब वह सत्ता-व्यवस्था में गहराई तक अपनी वैचारिक और सांगठनिक छाप छोड़ रहा है।

संघ के संस्थापक और प्रथम सरसंघचालक का सपना तो राष्ट्रीय चेतना का जागरण, सांस्कृतिक एकता का बोध और सालों की गुलामी से उपजे 'आत्मदैन्य' को हटाकर हिंदू समाज की शक्ति को पुनः प्रतिष्ठित करना था। इस दौर में डॉ. केशवराव बलिराम हेडगेवार ने ऐसे संगठन की परिकल्पना की, जो राष्ट्र को धर्म, भाषा, क्षेत्र से ऊपर उठाकर 'सांस्कृतिक राष्ट्रवाद' की भावना से जोड़े। संघ की शाखाएं उसकी कार्यप्रणाली की रीढ़ बनीं। प्रतिदिन कुछ समय एक निश्चित स्थान पर एकत्रित होकर शारीरिक, बौद्धिक और नैतिक प्रशिक्षण देना ही शाखा की आत्मा है।

यह क्रमशः अनुशासित, राष्ट्रनिष्ठ और संस्कारित कार्यकर्ताओं का निर्माण करता है, जिन्हें %स्वयंसेवक% कहा जाता है। संघ ने ÷व्यक्ति निर्माण के माध्यम से राष्ट्र निर्माण÷ की अवधारणा को अपनाया है। इस प्रक्रिया में उसका जोर %चरित्र निर्माण% और %कर्तव्यपरायणता% पर होता है। ऐसे में विविध वर्गों तक पहुंचने के लिए संघ के विविध संगठन सामने आए जो अलग-अलग क्षेत्रों में सक्रिय हुए किंतु उनका मूल उद्देश्य राष्ट्र की चिति का जागरण और राष्ट्र निर्माण ही है।

संघ ने राजनीति और सत्ता के शिखरों पर बैठे लोगों से हमेशा संवाद बनाए रखा। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी, बाबा साहब भीमराव आंबेडकर, जयप्रकाश नारायण, पं. जवाहरलाल नेहरू से लेकर श्रीमती इंदिरा गांधी तक संघ का संवाद सबसे रहा। संघ 'सत्ता राजनीति' से संवाद रखते हुए भी 'सत्ता मोह' से कभी ग्रस्त नहीं रहा। 1951 में श्यामा प्रसाद मुखर्जी द्वारा जनसंघ की स्थापना में संघ का सक्रिय सहयोग था।

चीन युद्ध के बाद इसी संवाद और देशभक्ति पूर्ण आचरण के लिए उसी सत्ता ने संघ को 1963 के गणतंत्र दिवस की परेड में आमंत्रित किया। भारतीय मजदूर संघ के कार्यकर्ता रहे कृष्णलाल पठेला बताते हैं–÷स्वयंसेवकों की 1962 के युद्ध में उल्लेखनीय भूमिका को देखते हुए ही 1963 की गणतंत्र दिवस परेड में संघ को अपना जत्था भेजने के लिए आमंत्रित किया गया था। मुझे याद है, मैं भी उस जत्थे में शामिल था और जब संघ का जत्था राजपथ पर निकला था, तब वहां मौजूद नागरिकों ने देर तक तालियां बजाई थीं। जहां तक मुझे याद है, उस जत्थे में 600 स्वयंसेवक पूर्ण गणवेश में शामिल हुए थे।÷

संघ ने समाज जीवन के हर क्षेत्र में स्वयंसेवकों को जाने के लिए प्रेरित किया। किंतु अपनी भूमिका व्यक्ति निर्माण और मार्गदर्शन तक सीमित रखी।

सक्रिय राजनीति के दैनिक उपक्रमों में शामिल न होकर समाज का संवर्धन और उसके एकत्रीकरण पर संघ की दृष्टि रही। इस तरह राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ आज केवल एक संगठन नहीं, बल्कि एक वैचारिक परंपरा है। उसने भारतीय समाज में अनुशासन, संगठन और सांस्कृतिक चेतना का पुनर्जागरण किया है। सत्ता से उसका संवाद हमेशा रहा है और उसके पदाधिकारी राजनीतिक दलों से संपर्क में रहे हैं।

संघ की प्रेरणा से उसके स्वयंसेवकों ने अनेक स्वतंत्र संगठन स्थापित किए हैं। उनमें भाजपा भी है। इन संगठनों में आपसी संवाद और समन्वय की व्यवस्था भी है किंतु नियंत्रित करने का भाव नहीं है। सभी स्वयं में स्वायत्त और अपनी व्यवस्थाओं में आत्मनिर्भर हैं।

1951 में जनसंघ की स्थापना के समय ही संघ के कई स्वयंसेवक जैसे पं. दीनदयाल उपाध्याय, अटलबिहारी वाजपेयी, नानाजी देशमुख जैसे लोग शामिल थे। 1977 में जनसंघ का जनता पार्टी में विलय हुआ, लेकिन आपसी मतभेदों और दोहरी सदस्यता के सवाल पर उपजे विवाद के कारण यह प्रयोग असफल रहा। 1980 में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के रूप में एक नए राजनीतिक दल का जन्म हुआ, जिसमें संघ प्रेरित वैचारिक नींव और सांगठनिक समर्थन मजबूत रूप से विद्यमान था।

संघ ने सत्ता या राजनीतिक दलों के सहयोग से बदलाव के बजाए, व्यक्ति को केंद्र में रखा है। संघ का मानना है कि कोई बदलाव तभी सार्थक होता है, जब लोग इसके लिए तैयार हों। इसलिए संघ के स्वयंसेवक गाते हैं–

सामाजिक शक्ति का जागरण करते हुए उन्हें बदलाव के अभियानों का हिस्सा बनाना संघ का उद्देश्य रहा है। चुनाव के समय मतदान प्रतिशत बढ़ाने और नागरिकों की सक्रिय भूमिका को सुनिश्चित करने के लिए मतदाता जागरण अभियान इसका उदाहरण है। नेता अपने स्वागत, सम्मान के लिए बहुत से इंतजाम करते हैं। संघ इस प्रवृत्ति को पहले पहचान कर अपने स्वयंसेवकों को प्रसिद्धिपरांगमुखता का पाठ पढ़ाता आया है। ताकि काम की चर्चा हो, नाम की न हो। स्वयंसेवक गीत गाते हैं–

वृत्तपत्र में नाम छपेगा, पहनूंगा स्वागत समुहार।
छोड़ चलो यह क्षुद्र भावना, हिन्दू राष्ट्र के तारणहार।÷

सही मायनों में सार्वजनिक जीवन में रहते हुए यह बहुत कठिन संकल्प हैं। लेकिन संघ की कार्यपद्धति ऐसी है कि उसने इसे साध लिया है। संचार और संवाद की दुनिया में बेहद आत्मीय, व्यक्तिगत संवाद ही संघ की शैली है। जहां व्यक्ति से व्यक्ति का संपर्क सबसे प्रभावी और स्वीकार्य है। इसमें दो राय नहीं कि इन सौ सालों में संघ के अनेक स्वयंसेवक समाज में प्रभावी स्थिति में पहुंचे तो अनेक सत्ता के शिखरों तक भी पहुंचे। स्वदेशी, आत्मनिर्भरता, धार्मिक-सांस्कृतिक पुनर्जागरण और राष्ट्रवाद जैसे विषय संघ के लंबे समय से पोषित विचार रहे हैं, जिन्हें अब सरकारी नीतियों में प्राथमिकता मिलती दिखती है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति, राम मंदिर निर्माण, अनुच्छेद 370 हटाना, और समान नागरिक संहिता जैसे निर्णय संघ की वैचारिक दिशा को ही प्रकट करते हैं। इसमें कई कार्य लंबे आंदोलन के बाद संभव हुए। किसी विषय को समाज में ले जाना और उसे स्थापित करना। फिर सरकारों के द्वारा उस पर पहल करना। लोकतंत्र को सशक्त करती यह परंपरा संघ ने अपने विविध संगठनों के साथ मिलकर स्थापित की है। संघ की प्रतिनिधि सभाओं में विविध मुद्दों पर पास प्रस्ताव बताते हैं कि संघ की राष्ट्र की ओर देखने की दृष्टि क्या है। ये प्रस्ताव हमारे समय के संकटों पर राष्ट्रीय दृष्टिकोण रखते हुए राह भी बताते हैं।

अनेक बार संघ पर यह आरोप लगते हैं कि वह राजनीति को नियंत्रित करना चाहता है। किंतु विरोधी इसके प्रमाण नहीं देते। संघ का विषय प्रेरणा और मार्गदर्शन तक सीमित है। संघ की पूरी कार्यशैली में संवाद, संदेश और सुझाव ही हैं, चाहे वह सरकार किसी की भी हो। संघ राजनीति में 'आदर्शवादी कैडर और संस्कारी नेतृत्व' का निर्माण करता हुआ दिखता है। उसकी विचारधारा राष्ट्रवादी, अनुशासित और निःस्वार्थ सेवा पर आधारित है। अनेक मुद्दों पर जैसे आर्थिक नीति, उदारवादी वैश्वीकरण की दिशा पर संघ ने हमेशा अपनी अलग राय व्यक्त की है।

इसमें दो राय नहीं कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने भारतीय राजनीति में एक वैकल्पिक वैचारिक धारा का निर्माण किया है। उसने 'हिंदुत्व आधारित राष्ट्रीय भाव' को मुख्यधारा में स्थापित किया है और अपनी सांगठनिक शक्ति से भारतीय राजनीति को नई दिशा दी है। एक जागृत समाज कैसे निष्क्रियता छोड़कर सजग और सक्रिय हस्तक्षेप करे, यह संघ के निरंतर प्रयास हैं। पंच परिवर्तन का संकल्प इसी को प्रकट करता है।संघ भले ही स्वयं राजनीति में न हो, पर राजनीति पर उसके विचारों का गहरा प्रभाव परिलक्षित होने लगा है। यह बदला हुआ समय संघ के लिए अवसर भी है और परीक्षा भी। उम्मीद की जानी चाहिए कि संघ अपने शताब्दी वर्ष में ज्यादा सरोकारी भावों से भरकर सामाजिक समरसता, राष्ट्रबोध जैसे विषयों पर समाज में परिवर्तन की गति को तेज कर पाएगा। संघ के अनेक पदाधिकारी इसे ईश्वरीय कार्य मानते हैं। जाहिर है उनके संकल्पों से भारत मां एक बार फिर जगद्गुरु के सिंहासन पर विराजेगी, ऐसा विश्वास स्वयंसेवकों की संकल्प शक्ति को देखकर सहज ही होता है।

(यह लेखक के निजी विचार हैं)

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्पलेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —हाकम सिंह गुर्जर
प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म. प्र. ई-मेल : dspbpl67@gmail.com, वेबसाईट: dainiksandhyaprakash.in

11 अगस्त शिवडोला पर खरगोन और पहुँच मॉर्ग पर लगी 23 मदिरा दुकानें बंद रखने का आदेश जारी

खरगोन। कलेक्टर सुश्री भव्या मित्तल द्वारा शिवडोला समारोह में शराब के नशे से दूर रखने के लिए विशेष अधिकारों का प्रयोग करते हुए तथा ''नशे से दूरी है जरूरी'' जागरूकता अभियान के अंतर्गत खरगोन और सीमावर्ती क्षेत्रों में शुष्क दिवस घोषित किया। कलेक्टर सुश्री मित्तल द्वारा शिवडोला समारोह में शराब की विकृति से बचाने के लिए महत्वपूर्ण और अभिनव निर्णय लिया है। कलेक्टर द्वारा शिवडोला समारोह को दृष्टिगत रखते हुए आबकारी विभाग को कच्ची शराब पर कड़ी कार्यवाही के निर्देश दिये गये हैं। पूर्व में भी शिवडोला पर दुकानें बंद की जाती रही है परन्तु पूरे शिवडोला समारोह को शराब से दूर रखने की यह मौलिक और साहसिक पहल कलेक्टर सुश्री भव्या मित्तल द्वारा की गई है।

इन मदिरा दुकानों को शिवडोला समारोह में रखा जाएगा बंद: शिवडोला समारोह के दौरान 23 मदिरा दुकानों को बंद रखा जाएगा। इनमें मदिरा दुकान डायवर्सन रोड खरगोन, मदिरा दुकान बस स्टेण्ड खरगोन, मदिरा दुकान सनावद रोड खरगोन, मदिरा दुकान खण्डवा रोड खरगोन, मदिरा दुकान उमरखली रोड खरगोन, मदिरा दुकान दामखेडा रोड खरगोन, मदिरा दुकान सुखपुरी खरगोन, मदिरा दुकान बैडियाव खरगोन, मदिरा दुकान लोहारी, मदिरा दुकान सेलानी, मदिरा दुकान बलकवाडा, मदिरा दुकान सिनगुन, मदिरा दुकान गोपालपुरा, मदिरा दुकान मुलठान, मदिरा दुकान गोगांवा-1, मदिरा दुकान गोगांवा-2, मदिरा दुकान ढाबला, मदिरा दुकान बिस्टान-1, मदिरा दुकान भगवानपुरा, मदिरा दुकान सेगांवा-1, मदिरा दुकान ऊन, मदिरा दुकान बरूड, मदिरा दुकान बमनाला को बंद रखा जाएगा।

औबेदुल्लागंज में हुआ यात्रा का भव्य स्वागत

औबेदुल्लागंज (संवाददाता)। भाजपा के प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य, सेवा ही संकल्प जनकल्याण समिति के अध्यक्ष, समाजसेवी ओर संघ के वरिष्ठ प्रचारक रहे चेतन भार्गव के नेतृत्व में नर्मदापुरम (होशंगाबाद) से भोपाल तक निकली जा रही कावड़ यात्रा का ओबेदुल्लागंज नगर में भव्य स्वागत किया गया । इससे पहले शनिवार को कावड़ यात्रा नर्मदापुरम से चलकर उमरिया के गुरुद्वारे में यात्रा का पड़ाव हुआ । शनिवार की रात्रि में सभी कावड़ियों ने गुरुद्वारा में भोजन और रात्रि विश्राम किया। तत्पश्चात सभी कांवड़ियों ने रविवार सुबह गुरुद्वारे में चल रहे कीर्तन का श्रवण किया और गुरु ग्रंथ साहिब के दर्शन कर आशीर्वाद लिया भोजन के बाद सभी कावड़ यात्री भगवान शंकर के भजनों पर झूमते नाचते गाते हुए भोपाल की ओर निकले । इस यात्रा का औबेदुल्लागंज नगर में विभिन्न संगठनों के द्वारा स्वागत किया गया। इसी क्रम में पर्व काम्प्लेक्स के समस्त व्यापारियों, मानस कल्याण समिति ने, श्रीहिन्दू उत्सव समिति ने भी कावड़ यात्रा का स्वागत किया। नगर में जगह-जगह स्वागत के पश्चात सभी कांवड़ियों ने भोपाल की ओर प्रस्थान किया । इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष चेतन भार्गव ने पूछने पर बताया कि, यह यात्रा प्रदेश की खुशहाली और समृद्धि के लिए आयोजित की जा रही है ।

नाग पंचमी पर इन 5 बातों का रखें खास ध्यान, जानें शुभ पूजा विधि और क्या करें क्या नहीं

हिंदू पंचांग के अनुसार, सावन का महीना भगवान शिव की उपासना के लिए सबसे शुभ और पावन समय माना जाता है। इसी माह के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि को नाग पंचमी का पर्व मनाया जाता है, जो विशेष रूप से नाग देवता की आराधना के लिए समर्पित होता है। शिव के गण माने जाने वाले नाग देव को प्रसन्न करने से शांति, समृद्धि और विशेष कृपा का आशीर्वाद मिलता है। इस वर्ष यह त्योहार 29 जुलाई, सोमवार के ठीक अगले दिन पड़ रहा है, जिसे लेकर श्रद्धालुओं में खास उत्साह है।

नाग देवता की पूजा का महत्व और विधि

नाग पंचमी के दिन प्रातः स्नान कर पवित्र मन से भगवान शिव और नाग देवता का पूजन करना अत्यंत पुण्यदायक माना गया है। पूजा के दौरान नाग देवता को दूध, पुष्प, कुशा, अक्षत और मिठाई अर्पित की जाती है। लोग दीवारों पर नाग की आकृति बनाकर अथवा चित्र स्थापित कर उनकी आरती करते हैं। यह पर्व विशेष रूप से उन लोगों के लिए महत्वपूर्ण माना जाता है जिनकी जन्म कुंडली में कालसर्प दोष होता है। ऐसी स्थिति में नाग पूजा से दोषों का शमन होता है और जीवन में बाधाओं का अंत होता है।

इस दिन भूलकर भी न करें यह काम

नाग पंचमी पर कुछ कार्य ऐसे हैं जिन्हें वर्जित माना गया है। इन कार्यों से नाग देवता अप्रसन्न हो सकते हैं और इसका असर व्यक्ति और उसके वंशजों पर भी पड़ सकता है। परंपरागत मान्यताओं के अनुसार, इन बातों का पालन करना आवश्यक है ताकि पूजा सफल और फलदायी हो।

पहली गलती - खेत जोतना या हल चलाना वर्जित

नाग पंचमी के दिन खेतों में हल चलाना या जमीन की खुदाई करना अशुभ माना जाता है। ऐसा करना धरती के नीचे रहने वाले सर्पों को नुकसान पहुंचा सकता है, जिससे व्यक्ति पर सर्पदोष या नागदोष लग सकता है। ग्रामीण क्षेत्रों में इस दिन कृषि कार्यों को रोक देने की परंपरा आज भी कायम है।

दूसरी गलती - सर्प को नुकसान न पहुंचाएं

इस दिन किसी भी प्रकार से सर्प को चोट पहुंचाना, मारना या परेशान करना पाप माना गया है। नाग पंचमी पर नाग देव को पूजनीय मानकर सम्मान दिया जाता है। अगर अनजाने में भी किसी ने सर्प को क्षति पहुंचाई, तो धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इसका बुरा असर उसके पूरे परिवार पर पड़ सकता है।

तीसरी गलती - दूध का अत्यधिक उपयोग और बर्बादी से बचें

पूजा में दूध अर्पित करने की परंपरा है, लेकिन इस दिन अत्यधिक मात्रा में दूध चढ़ाना या उसे व्यर्थ बहाना अनुचित माना जाता है। ध्यान रखें कि पूजा का दूध सीमित मात्रा में हो और बर्बादी न हो, क्योंकि यह संसाधनों की अवमानना मानी जाती है और सर्पों के लिए भी हानिकारक हो सकता है।

चौथी गलती - लोहे के बर्तनों में खाना बनाने से बचें

नाग पंचमी के दिन लोहे से बने बर्तनों में भोजन पकाना या खाना निषिद्ध माना गया है। मान्यता है कि लोहे की ऊर्जा और नाग देवता के बीच सामंजस्य नहीं होता, जिससे पूजा का प्रभाव कम हो सकता है। इस दिन मिट्टी, पीतल या तांबे के बर्तनों का प्रयोग शुभ माना गया है।

पांचवीं गलती - धारदार वस्तुओं और सिलाई-कढ़ाई से दूर रहें

नाग पंचमी के दिन चाकू, कैंची, सुई जैसी धारदार चीजों का प्रयोग वर्जित है। यह दिन किसी को हानि पहुंचाने या काटने से संबंधित वस्तुओं से दूरी बनाने का है। यहां तक कि इस दिन सिलाई, बुनाई या कढ़ाई जैसे कार्य भी टालने की परंपरा है, ताकि शांति और पवित्रता बनी रहे।

पूजन का शुभ समय और सावधानी

पूजा करते समय उत्तर दिशा की ओर मुंह करके नाग देवता की मूर्ति या चित्र को स्थापित करें। उन्हें हल्दी, चंदन, धूप, दीप, फूल, अक्षत और नैवेद्य अर्पित करें। दूध और मिश्री का भोग लगाएं। पूजा के बाद नाग पंचमी की कथा सुनें और परिवार की सुख-शांति के लिए प्रार्थना करें।

जैन सोशल ग्रुप द्वारा आदिवासी गाँव केकड़िया के स्कूल में पाठ्य सामग्री वितरित की गई

जेएसजी मेन 72 भोपाल द्वारा यह आयोजन संपन्न हुआ

भोपाल। जेएसजी एम.पी रीजन के ऊर्जावान अध्यक्ष श्री राहुल जी चपड़ोद जी के नेतृत्व में जुलाई माह की मासिक गतिविधि के अंतर्गत शिक्षा को बढ़ावा के उद्देश्य से आदिवासी ग्राम केकड़िया में स्थित शासकीय माध्यमिक शाला में पाठ्य सामग्री का वितरण किया गया। इस कार्यक्रम में सभी 288 छात्र-छात्राओं को ड्राइंग कॉपी, 3 डबल लाइन कॉपी का सेट, कम्पास, पानी की बॉटल और लंच बॉक्स वितरित किए गए।

स्कूल भिलाला आदिवासियों के गाँव केकड़िया के बीच में स्थित है, जिसमें 288 छात्र-छात्राएं अध्यनरत हैं जो अत्यंत ही गरीब परिवार से हैं। उनके माता पिता आदिवासी हैं जो कि दिहाड़ी मजदूरी करके अपना जीवन यापन करते हैं । इसके बावजूद वे अपने बच्चों को स्कूल भेजते हैं। स्कूल के हेडमास्टर श्री नाविक ने बताया कि स्कूल में 70-80त्न व्यवस्थायें स्वेच्छिक दान से पूरी होती हैं। इसलिए हम सभी सदस्यों द्वारा संकल्प लिया गया कि आगे भी हम इस स्कूल को सहयोग देते रहेंगे ।

हम जेएसजी एम.पी रीजन के ऊर्जावान अध्यक्ष श्री राहुल जी चपड़ोद को हार्दिक धन्यवाद देना चाहते हैं । उनके नेतृत्व में चलाई जा रही मासिक गतिविधि के अंतर्गत शिक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से स्कूलों में पाठ्य सामग्री वितरित करने की गतिविधि रखी गई और हमें इस अद्भुत अनुभव का हिस्सा बनने का अवसर मिला।

इस कार्यक्रम में जेएसजी मेन भोपाल के अध्यक्ष श्री पदम सराफ, उपाध्यक्ष श्रीमती सरिता बजाज, सचिव श्री अमित जैन, पी आर ओ श्री राजीव दिवाकर, सदस्य श्री सरुन बजाज, श्री रंजन जैन, एवं अन्य दंपति सदस्यों की उपस्थिति रही। श्रीमती सारिका सिंघई, पूर्व अध्यापिका का विशेष सहयोग रहा जिससे कार्यक्रम बहुत ही सुचारू रूप से संपन्न हुआ ।

मप्र में नकली शराब का कहर

जीतू पटवारी ने सरकार की शराब नीति पर उठाए गंभीर सवाल, न्यायिक जांच की मांग

भोपाल,। मध्य प्रदेश में पिछले 10 सालों (2016-2025) में नकली और जहरीली शराब पीने से 1330 से ज़्यादा लोगों की मौतें हुई हैं, जिसने प्रदेश की बिगड़ती कानून व्यवस्था और लापरवाह शराब नीति की पोल खोल दी है। इन मौतों पर गहरी चिंता जताते हुए, मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने आज मुख्यमंत्री मोहन यादव की सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार की ÷शराब उदारीकरण नीति÷ ने शराब माफिया को बेलगाम कर दिया है और इसका खामियाजा प्रदेश की जनता, विशेषकर महिलाओं और युवाओं को भुगतना पड़ रहा है।

श्री पटवारी ने 2024-25 में रतलाम, मंदसौर, इंदौर, उज्जैन सहित कई जिलों से सामने आ रही नकली शराब से मौतों की घटनाओं का हवाला देते हुए कहा, यह साफ बताता है कि प्रदेश में शराब माफिया बेलगाम हो चुके हैं और सरकार हाथ पर हाथ धरे बैठी है। ये मौतें सिर्फ आंकड़े नहीं, बल्कि परिवारों के उजड़ने की दर्दनाक कहानियां हैं।÷

मध्य प्रदेश में बीते कुछ वर्षों में शराब पीने वालों की संख्या में 50त्न की बढ़ोतरी हुई है। इसके पीछे आपकी सरकार की शराब उदारीकरण नीति% है, जिसने शराब को हर गली, हर मोहल्ले तक पहुंचा दिया है।÷

यह आंकड़े एक बड़ी चेतावनी हैं कि शराब अब सिर्फ पुरुषों तक सीमित नहीं रही, बल्कि महिलाओं और युवाओं तक भी इसकी पहुंच हो चुकी है। यह हमारे समाज के लिए एक गंभीर खतरा है। धार्मिक स्थलों की अनदेखी, महिलाओं में असुरक्षा और सामाजिक विघटन श्री पटवारी ने सरकार पर आरोप लगाया कि शराबबंदी वाले 19 शहरों और धार्मिक स्थलों को भी नहीं बख्शा है, जहां अब खुलेआम %महंगी शराब% बेची जा रही है। आपकी सरकार की नीतियां शराब के कारण बढ़ती घरेलू हिंसा, अपराध, वित्तीय बर्बादी और सामाजिक विघटन के लिए सीधे तौर पर जिम्मेदार हैं।

शाला के जर्जर भवन को सील कर, बच्चों को दूसरे कक्ष में किया शिफ्ट

पलंग पर सोता मिला शिक्षक, भड़कीं ब्लॉक शिक्षा अधिकारी

सांध्य प्रकाश॰इटारसी- ग्रामीणों द्वारा कलेक्टर को की गई शिकायत पर जांच करने पहुंची केसला शिक्षा अधिकारी ने हीर्रापुरा के प्राथमिक शाला का अचानक निरीक्षण किया तो वह दंग रह गई , उन्होंने देखा स्कूल भवन की छत रिस रही है,तीन चार बच्चे वही बैठे पढ़ रहे है, ओर शिक्षक शशांक बेले अंदर कक्ष में पलंग पर सो रहा है,यह नजारा देखते ही केसला ब्लाक बीईओ आशा मोर्य ने शिक्षक को जमकर फटकार लगाई।

ज्ञात हो कि विगत दिनों राजस्थान में एक शासकीय स्कूल कि छत गिरने से हुई बड़ी घटना के बाद से मध्यप्रदेश सरकार भी अलर्ट पर है। पुर्व घटना को लेकर कलेक्टर ने सभी शासकीय शाला भवनों के निरिक्षण करने के आदेश शिक्षा विभाग को दिये है। इसी तारतम्य में ब्लॉक अधिकारी श्रीमती आशा मौर्य ने शासकीय स्कूल भवनों का औचक निरीक्षण किया।शिक्षा अधिकारी ने हर्रापूरा शाला भवन का निरिक्षण किया जहां शाला भवन जर्जर हालत में दिखाई दिया।जिसे तत्काल प्रभाव से ग्रामीणों के कथन लेकर सील कर दिया गया।शाला भवन में और भी कई अनिमिताए मिली । शाला भवन के दूसरे कमरे में शिक्षक शंशाक बेले सोते दिखाई दिये, वही दुसरा शिक्षक स्वदेश प्रधान बिना सूचना अनुपस्थित मिले एवं बच्चों को मीनू के अनुसार भोजन भी नही दिया जाना पाया गया।शिक्षा अधिकारी आशा मौर्य ने बताया कि सभी शिक्षकों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्यवाही की जायेगी। अधिकारी द्वारा वरिष्ठ अधिकारी को पत्रचार करते हुए लापरवाह शिक्षकों के वेतन रोकने की कार्यवाही के लिये लिखा जायेगा।क्योंकि यह सभी शिक्षक बच्चों की जान से खिलवाड़ करते नजर आये है। जन शिक्षक रामेश्वर काजले को पद से हटाने के लिये वरिष्ठ अधिकारी को पत्र भेजा जायेगा। जन शिक्षक ने पूर्व में निरिक्षण कर भवन की हालत को छुपाया था । शिक्षा अधिकारी ने कहा कि अब औचक निरीक्षण कर अन्य शालाओं के भवनों को भी आगामी दिनों में देखा जायेगा। इस दौरान उनके साथ अन्य सहयोगी अधिकारी भी मौजूद थे।

किसानों को नहीं मिल पा रहा समय पर खाद, किसान हो रहे परेशान

मंडला। आदीवासी बहुल्य जिला मंडला में समय पर खाद नहीं मिल पाने को लेकर किसानों द्वारा आये दिन शिकवा-शिकायत की जा रही है वहीं विकासखंड मोहगांव सहित जिले भर कई अन्य छेत्रों में किसानों को खाद्य नहीं मिल पा रहा है और खाद नहीं मिल पाने से हालत ऐ हो गए हैं की विकासखंड मोहगांव के मूनू छेत्र सहित अन्य छेत्र के किसानों को जिला मुख्यालय मंडला की खाद गोदामों पर लंबी कतारों में खड़ा होना पड़ रहा है जिससे वे परेशान हैं और खेती का काम भी प्रभावित हो रहा है। खाद गोदामों में लंबी कतारें और किसानों की भारी परेशानी आपको बता दें की खाद गोदामों पर यूरिया और डीएपी जैसी आवश्यक खादों के लिए किसानों को दिनभर लाइन में खडा होना पड रहा है,यहाँ तक कि अगर किसानों की माने तो जिले के कुछ ग्रामीण क्षेत्रों के किसान सुबह-8ः30 बजे से मंडला खाद गोदाम में लाइन पर खडे हो जाते हैं जब 11 बजे खाद गोदाम खुलने के बाद खाद वितरण किया जाता है तो उसे भी ब्लैक मनी के तहत मनमाने दामों में मूल्य वृद्धि करके बेची जाती है।इसके बाद भी ऐ निश्चित नहीं है की सुबह से लाइन पर खडे किसान को खाद मिल जाए कभी-कभी तो लाइन में दिनभर खडे होने के बाद भी किसान खाली हांथ लोट जाते हैं।देश के अननदाता को बारिश और अन्य असुविधाओं की बदहाली का सामना करना पड़ रहा है वहीं प्रशासन मौन होकर तमाशा देख रही है। किसानों का कहना है की खाद की कमी के कारण खेती की काम में देरी हो रही है और वे अपनी फसलों को उचित पोषण नहीं दे पा रहे हैं,जिससे उनकी उपज प्रभावित भी होने की आशंका है।मोहगांव लेम्पस में खाद की कालाबाजारी का जीता-जागता उदाहरण सामने आया जहां मोहगांव के किसानों का कहना है की लेम्पस मोहगांव में खाद का स्टॉक होने के बावजूद उन्हें खाद नहीं मिल रही है।लेम्पस मोहगांव में खाद की गाडी खाली होते ही कुछ ही समय में खाद की सप्लाई हो जाती है।जहाँ किसानों के लिए आए खाद को व्यपारियों के साथ मिलकर किसानों को अधिक दामों पर बेची जा रही है,अतः जिला कलेक्टर महोदय से अपील मोहगांव लेम्पस सहित अन्य ग्रामीण छेत्रों में तत्काल खाद की व्यवस्था कराई जाए और मोहगांव लेम्पस की हर कामों की सूक्ष्म जांच कराई जाए

मूत्र-प्रणाली के रोग - मूत्र-प्रणाली के सामान्य रोग कारण, लक्षण और बचाव

योग अभ्यास से मूत्र प्रणाली के रोगों का उपचार बहुत सरल

महेश अग्रवाल
योग गुरु

आदर्श योग आध्यात्मिक केंद्र स्वर्ण जयंती पार्क कोलार रोड़ भोपाल के योग गुरु महेश अग्रवाल नें बताया कि लगभग प्रत्येक स्त्री गर्भ धारण करने तथा अपने बच्चे को जन्म देने के क्रम में कम-से-कम एक बार अवश्य ही असंयति तथा मूत्राशय की सूजन जैसे मूत्र प्रणाली के रोगों से पीड़ित हो जाती है। असंयति - मूत्र प्रवाह को रोक पाने की असमर्थता को असंयति कहते हैं। यह आंशिक भी हो सकती है या पूर्ण भी। पूर्ण असंयति सामान्य नहीं है, अधिक वृद्धावस्था में या स्नायु-तन्त्र के क्षतिग्रस्त हो जाने पर ही ऐसा होता है। यद्यपि आंशिक असंयति स्त्रियों में अधिकतर रजोनिवृत्ति के पश्चात् होती है, किन्तु यह किसी भी आयु में हो सकती है। यह दो रूपों में प्रकट होती है - शीघ्रता असंयति - इस स्थिति में मूत्र त्याग करने की आवश्यकता का अनुभव होने तथा मूत्र त्याग शीघ्रता से करें के अनुभव (कि उसे और रोका नहीं जा सकता) के बीच बहुत कम अन्तराल होता है। दबाव असंयति - स्त्री के हँसने, खाँसने या किसी तरह का भारी काम (जैसे, कुछ भारी उठाना) करने पर मूत्र की अल्प मात्रा स्वतः निकल जाती है। मूत्राशय के खाली रहने पर भी ऐसा हो सकता है।

कारण - इस दुर्बलता के कई कारण हो सकते हैं, जैसे स्नायुओं का क्षतिग्रस्त होना, जन्मजात दोष, मूत्राशय का रोग तथा चिरकालिक तनाव। फिर भी इसका मूल कारण मूत्राशय के मुख पर की मांसपेशियों का दुर्बल होना है। प्रसूति के समय निम्न श्रोणि की मांसपेशियों में खिंचाव आता है और फिर वे झूल जाती हैं या वे शल्य-क्रिया के क्रम में भी क्षतिग्रस्त हो सकती हैं। यदि सचेत होकर इन्हें सुधारा नहीं गया तो ये मांसपेशियाँ कभी अपनी शक्ति पुनः प्राप्त नहीं कर सकती हैं। मूत्राशय के बार-बार संक्रमित होने पर भी ऐसा हो सकता है। धीरे-धीरे इस क्षेत्र की संवेदनशीलता तथा सजगता कुन्द हो जाती है, और स्नायु नियन्त्रण के प्रति मांसपेशियों की प्रतिक्रिया धीमी हो जाती है।

योग उपचार - चिकित्सा क्षेत्र में इस समस्या का शल्य क्रिया के अतिरिक्त अन्य कोई उपाय नहीं है, जबकि योग के उपयुक्त अभ्यासों के द्वारा सरलतापूर्वक इसका उपचार किया जा सकता है। मूलबन्ध, वज्रोली मुद्रा, नौकासन तथा उड्डियान बन्ध इसके लिये अत्यन्त महत्त्वपूर्ण हैं। मूलबन्ध एवं वज्रोली मुद्रा का सरल रूप में (त्वरित संकुचन) तथा श्वास के साथ अभ्यास होना चाहिए।

सिस्टाइटिस - वस्तुतः मूत्राशय की सूजन सिस्टाइटिस एवं मूत्रमार्ग की सूजन यूरेथ्राइटिस कहलाती है। सिस्टाइटिस शब्द का प्रयोग लक्षणों के उस समूह के लिए किया जाता है जो मूत्राशय के सूजने तथा संक्रमित होने से उत्पन्न होते हैं। संकेत एवं लक्षण - इसका मुख्य लक्षण यह है कि आप थोड़ी-थोड़ी देर बाद मूत्र त्याग करने की आवश्यकता अनुभव करेंगे। किन्तु ऐसे में मूत्र की धार नहीं होती, बल्कि कुछ बूँदें ही निकलेंगी। जब मूत्र प्रवाहित होता है तो भयंकर जलन होती है। आपको निम्न उदर में जघनास्थि (पेल्विक हड्डी) के ठीक ऊपर मन्द-मन्द पीड़ा भी हो सकती है या मूत्रीय द्वार के चारों ओर घाव जैसा दर्द हो सकता है। अत्यधिक एवं असावधानीपूर्वक किये गये संभोग, योनि के लिए गन्धनाशक का प्रयोग तथा कुछ गर्भनिरोधक अपलेपों (क्रीम) से भी ऊतकों (टिशु) में जलन पैदा हो जाती है। कुछ स्त्रियों में खाने वाली गर्भनिरोधक गोलियाँ संक्रमण को प्रवृत्त करती हैं, मधुमेह से भी ऐसा होता है। कुछ भोज्य पदार्थ ऐसे हैं जो मूत्र प्रणाली के लिए एलर्जी का कारण बनते हैं।

स्त्रियों में अधिक सम्भावना - स्त्रियों में मूत्राशय शोथ सामान्य रूप से पाया जाता है और यह अनुमान लगाया गया है कि पचास प्रतिशत स्त्रियाँ अपने जीवन में कम-से-कम एक बार अवश्य इससे पीड़ित होती हैं, क्योंकि स्त्रियों का मूत्र-मार्ग अत्यन्त छोटा (कुछ सेन्टीमीटर) होता है, जिससे जीवाणु सरलता से ऊपर पहुँच जाते हैं। स्त्रियों में मलद्वार, योनि तथा मूत्र मार्ग के पास-पास होने के कारण जीवाणुओं का उनके बीच अन्तर्गमन आसान होता है। जो जीवाणु आँतों के लिए अनिवार्य होते हैं, वही मूत्र प्रणाली के लिए हानिकारक होते हैं। ये जीवाणु प्रायः मलद्वार और जननेन्द्रियों के बीच त्वचा के ऊपर अवस्थित रहते हैं तथा व्यक्तिगत स्तर पर या साथी के द्वारा स्वच्छता के प्रति असावधान रहने पर ये भग तथा मूत्र द्वार तक चले जाते हैं। इसलिए यह परामर्श दिया जाता है कि संभोग के बाद दोनों सहभागी मूत्र त्याग करें ताकि मूत्रमार्ग स्वच्छ हो जाये। मूत्राशय शोथ का उन्मूलन प्रायः कठिन होता है, क्योंकि अन्य प्रणालियों से अन्तर्संक्रमण की सम्भावना रहती है तथा चिकित्सा पूरी होने के बाद भी पुनः संक्रमण का भय रहता है। रजोनिवृत्ति के बाद मूत्र मार्ग में परिवर्तन आने के कारण भी यह चक्र जारी रह सकता है।

प्रमुख कारण - सामान्य रूप से मूत्र न केवल एक जीवाणुहीन घोल होता है, बल्कि यह एक प्रभावकारी रोगाणुरोधक (एन्टिसेप्टिक) भी होता है। इसलिए मूत्र प्रणाली में बाहर से प्रवेश करने वाले अधिकांश जीवाणु मूत्र में ही नष्ट हो जाते हैं। किन्तु जब जीवनी शक्ति कम रहती है तो शरीर के अन्दर के अनेक प्रकार के सूक्ष्म सन्तुलन अव्यवस्थित हो जाते हैं, जिसका पता मूत्र की संरचना की जाँच से चलता है। यही कारण है कि रोग के निदान में मूत्र विश्लेषण इतना सहायक होता है और इसी कारण शरीर की प्रतिरोध शक्ति क्षीण हो जाने पर मूत्रीय संक्रमण का भय बढ़ जाता है। व्यापक दुर्बलता, अर्थात् हमेशा थकान और दुर्बलता का अनुभव होना ही मूत्रीय संक्रमण का मूल कारण है। कुण्ठाग्रस्त करने वाले संक्रमण-चक्रों से मुक्त होने के लिए शारीरिक एवं भावनात्मक शक्ति को पुनः प्राप्त करना आवश्यक है।

योग उपचार - शरीर के अव्यवस्थित हॉर्मोनों को व्यवस्थित करने तथा प्रचुर शारीरिक ऊर्जा एवं आशावादिता को बनाये रखने के लिए योग के अभ्यास सर्वोत्तम हैं। सावधानीपूर्वक निश्चित किये गये आहार तथा आसन- प्राणायाम एवं ध्यान के एक सन्तुलित कार्यक्रम के आधार पर योग के द्वारा मूत्रीय संक्रमण से बचाव किया जाता है।

आहार और निवारण - यदि आप मूत्राशय शोथ से पीड़ित हैं तो प्रचुर मात्रा में अनाज एवं सब्जियों से युक्त आहार लें। शाकाहारी भोजन श्रेयस्कर होगा, क्योंकि यह मांसयुक्त आहार से होने वाली अम्लता से बचाता है, शरीर को विशुद्ध करता है तथा ऊर्जा संरक्षित रखता है। प्रचुर जल पीयें ताकि आप दिन में कई बार मूत्र त्याग कर सकें। (जिन स्त्रियों में कम मूत्र बनता है, उनमें संक्रमण की सम्भावना अधिक होती है।) चाय, कॉफी, शराब, अधिक मिर्च तथा बहुत मसालेदार भोजन से परहेज करें। इनसे मूत्राशय में जलन हो सकती है और कुछ लोगों में इनके कारण मूत्र मार्ग में एलर्जिक प्रतिक्रिया भी हो सकती है। यदि पर्याप्त तरल पदार्थ ग्रहण करने के बाद भी कम मूत्र बनता है तो दिन में दो बार एक-एक ग्लास नींबू का रस मिश्रित बार्ली का पानी या हरे नारियल का पानी पीयें। यह ध्यान रखें कि आपके भोजन में विटामिन %सी% प्रचुर मात्रा में हो, यह संक्रमण से बचाता है। यह विटामिन सभी हरी सब्जियों तथा टमाटर में पाया जाता है- विशेषकर उन्हें पकाने से पूर्व (अत्यधिक उबालने से विटामिन %सी% नष्ट हो जाता है।) नींबू, नारंगी, मौसम्बी, आँवला, अंगूर, अनानास, अमरूद आदि फलों में प्रचुर विटामिन सी रहता है।

योग गुरु अग्रवाल नें मूत्र प्रणाली के रोगों के लिए अभ्यास-कार्यक्रम के बारे में बताया ः असंयति - आसन - नौकासन (5 बार, अंतिम स्थिति में जितनी देर तक श्वास रोक सकें)। मुद्रा/बन्ध - उड्डियान बन्ध (7 बार, खड़े होकर या बैठकर), मूलबन्ध (त्वरित संकुचन 100 बार/आराम/100 बार), फिर श्वास के साथ (10 बार)। सम्पूर्ण कार्यक्रम को शाम में दोहरायें। सिस्टाइटिस - आसन - सूर्य नमस्कार (6 चक्र), शवासन, उष्ट्रासन या भुजंगासन, (15 श्वास), मार्जारी आसन (15 श्वास), मत्स्यासन (30 श्वास), पश्मिोत्तानासन (30 श्वास), सर्वांगासन (3-5 मिनट), शवासन। प्राणायाम शीतकारी प्राणायाम (9 चक्र), नाड़ीशोधन प्राणायाम (10 चक्र) षट्कर्म - लघु शंखप्रक्षालन (सप्ताह में एक बार) अन्य अजपाजप ध्यान।

रियल एस्टेट डेवलपर्स के सहयोग से इंटेरियो ने रेडी-टू-फर्निश समाधानों के साथ घर खरीदने की प्रक्रिया को बनाया आसान

मुंबई, एजेंसी। गोदरेज एंटरप्राइजेज ग्रुप का अग्रणी होम और ऑफिस फर्नीचर ब्रांड इंटेरियो ने मुंबई, पुणे, बेंगलुरु, दिल्ली एनसीआर और हैदराबाद सहित प्रमुख शहरों में प्रमुख रियल एस्टेट डेवलपर्स के साथ मिलकर अपनी रेडी-टू-फर्निश फ्लैट समाधान पहल शुरू की है। इस पहल का उद्देश्य पूरी तरह से सुसज्जित सैंपल फ्लैट्स की पेशकश करके घर खरीदने के अनुभव में क्रांति लाना है, जो फर्नीचर को इंटीरियर के साथ सहजता से एकीकृत करते हुए अनुकूलन, किफायती मूल्य और तकनीक-सक्षम सुविधा प्रदान करते हैं। इस क्षेत्र में पहली बार कदम रखने वाले ब्रांड के रूप में, इंटेरियो न केवल घर खरीदारों के बीच अपनी ब्रांड पहचान मजबूत बना रहा है, बल्कि अपने रिटेल व्यवसाय के लिए एक स्थायी और टिकाऊ विकास इंजन भी तैयार कर रहा है। इंटेरियो को उम्मीद है कि यह पेशकश अगले पांच वर्षों में उसके कुल कारोबार का 10 प्रतिशत तक का योगदान देगी, जो ब्रांड की विकास यात्रा में इसकी रणनीतिक महत्व को दर्शाता है। इस पहल पर टिप्पणी करते हुए, इंटेरियो के बिजनेस हेड और कार्यकारी उपाध्यक्ष, स्वप्निल नागरकर ने कहा, यह पहल आधुनिक भारतीय घर खरीदार को बेहतर मूल्य प्रदान करने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

देश की शीर्ष प्रतिभाओं की खोज के लिए इंडियास्किल्स 2025 के लिए रजिस्ट्रेशन शुरू

नई दिल्ली , एजेंसी। वोकेशनल ट्रेनिंग और कौशल विकास में उत्कृष्टता का जश्न मनाने के लिए देश की प्रमुख प्रतियोगिता, इंडियास्किल्स कॉम्पिटिशन (आईएससी) 2025 के लिए रजिस्ट्रेशन शुरू हो गए हैं। इसके साथ ही प्रतियोगिता का पूरा फोकस भारत की अगली पीढ़ी के कौशल चैंपियनों पर है। भारत सरकार के कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय (एमएसडीई) द्वारा आज आईएससी 2025 के लिए रजिस्ट्रेशन लिंक खोला गया है। इस प्रतियोगिता में 63 कौशल शामिल होंगे जिनके लिए सभी 36 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के प्रतिभागी प्रतिस्पर्धा करेंगे। रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया को स्किल इंडिया डिजिटल हब (सिद्ध) पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन पूरा किया जा सकता है। रजिस्ट्रेशन पूरा करने की अंतिम तिथि 30 सितंबर, 2025 है। दो वर्ष में एक बार होने वाली यह प्रतियोगिता, भारत के सबसे प्रतिभाशाली युवाओं की पहचान करने, उनका पोषण और उन्हें पुरस्कृत करने के लिए डिज़ाइन की गई है, ताकि वे विश्व कौशल प्रतियोगिता 2026 जैसे अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर राष्ट्र का प्रतिनिधित्व करने के लिए तैयार हो सकें। यह प्रतियोगिता दुनिया में युवा पेशेवरों के लिए सबसे बड़ी अंतर्राष्ट्रीय कौशल प्रतियोगिता है, जिसमें 60 से अधिक स्किल्स में युवाओं के कौशल और विशेषज्ञता का प्रदर्शन किया जाता है। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य युवाओं को व्यावसायिक शिक्षा में करियर बनाने के लिए प्रेरित करना है और आज की अर्थव्यवस्था में कुशल कार्य के महत्व को पहचानना है।

वीटी मार्केट्स और न्यूकैसल यूनाइटेड ने एशिया में रणनीतिक सीएसआर सहयोग लॉन्च किया

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडिया- वैश्विक वित्तीय सेवा कंपनी वीटी मार्केट्स ने प्रीमियर लीग क्लब न्यूकैसल यूनाइटेड के साथ पार्टनरशिप कर एशिया के विभिन्न कम्युनिटीज में सकारात्मक बदलाव लाने की दिशा में कदम बढ़ाया है। फुटबॉल की लोकप्रियता को सामाजिक भलाई के लिए उपयोग करते हुए कंपनी ने अपनी 10वीं वर्षगांठ के अवसर पर दक्षिण-पूर्वी एशिया के स्कूलों में 1,000 न्यूकैसल यूनाइटेड ब्रांडेड फुटबॉल डोनेट करने का संकल्प लिया है। इसका उद्देश्य न केवल ब्रांड की उपस्थिति को मजबूत करना है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए खेल के अवसरों को बढ़ावा देना भी है। इसके साथ ही वीटी मार्केट्स ने न्यूकैसल यूनाइटेड फाउंडेशन को 20,000 (लगभग 21 लाख रुपये) का डोनेशन भी दिया है। यह डोनेशन क्लब की काराबाओ कप जीत और श्वस्न चैंपियंस लीग में वापसी की उपलब्धि को समर्पित है। यह सहयोग फाउंडेशन की उस सोच को समर्थन देता है, जो फुटबॉल को शिक्षा, स्वास्थ्य और सामुदायिक विकास के लिए एकजुटता, प्रेरणा और सामाजिक बदलाव के माध्यम के रूप में इस्तेमाल करता है।

नवनिध स्कूल की 10वीं की छात्राओं ने मेश प्रिंटिंग प्रेस का शैक्षणिक भ्रमण किया

संत हिरदाराम नगर। सोमवार को नवनिध हासोमल लखानी पब्लिक स्कूल के कक्षा 10वीं के विद्यार्थियों को मेश प्रिंटिंग प्रेस का शैक्षणिक भ्रमण कराया गया। इस भ्रमण का उद्देश्य विद्यार्थियों को कक्षा की पढ़ाई से आगे बढ़कर एक वास्तविक औद्योगिक अनुभव प्रदान करना था। भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने आधुनिक तकनीकों से सुसज्जित प्रिंटिंग प्रेस की कार्यप्रणाली का प्रत्यक्ष अवलोकन किया। उन्होंने प्लेट तैयार करने की प्रक्रिया, पेपर चयन, ऑफसेट एवं डिजिटल प्रिंटिंग, स्याही मिश्रण, कटिंग, फोल्डिंग, बाइंडिंग, पैकेजिंग एवं डिस्पैचिंग जैसे विभिन्न चरणों को समझा। मेश प्रिंटिंग प्रेस के सीईओ अनिरुद्ध अग्निहोत्री ने स्वयं विद्यार्थियों का गर्मजोशी से स्वागत किया और प्रेस का विस्तृत दौरा कराते हुए प्रिंटिंग की प्रत्येक प्रक्रिया को विस्तारपूर्वक समझाया। प्रेस के अनुभवी कर्मचारियों ने सरल, प्रभावशाली एवं व्यावहारिक तरीकों से छात्रों को ज्ञानवर्धक जानकारी प्रदान की। यह सत्र अत्यंत रोचक और सहभागितापूर्ण रहा।

मिठी गोबिंदराम पब्लिक स्कूल में छात्र परिषद का औपचारिक गठन किया

संत हिरदाराम नगर। मिठी गोबिंदराम पब्लिक स्कूल में विद्यालय छात्र परिषद का औपचारिक गठन किया गया एवं चयनित सदस्यों के नामों की घोषणा की गई। यह परिषद विद्यालय में अनुशासन, स्वच्छता, समयबद्धता एवं विद्यालय संपत्ति की सुरक्षा के साथ-साथ कक्षा व्यवस्था बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। मॉनिटर्स का चयन विद्यार्थियों की अनुशासित कार्यशैली, उत्तरदायित्व की भावना एवं नेतृत्व क्षमता के आधार पर किया गया। संस्था अध्यक्ष सिद्ध भाऊ ने अपने संप्रेषित संदेश में मॉनिटर्स को शुभकामनाएँ देते हुए उन्हें अपने उत्तरदायित्व निष्ठा एवं समर्पण के साथ निभाने के लिए प्रेरित किया। संस्थान सचिव घनश्याम बूलचंदानी ने सभी चयनित मॉनिटर्स को बधाई देते हुए कहा कि नेतृत्व का प्रारंभ सदैव दायित्व बोध की भावना से होता है। हमें विश्वास है कि चयनित छात्र अपने आचरण एवं व्यवहार से अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेंगे। विद्यालय प्राचार्य अजय बहादुर सिंह ने अपने उद्बोधन में कहा कि ष्मॉनिटरशिप न केवल विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का माध्यम है, बल्कि यह भावी नेतृत्व निर्माण की प्रयोगशाला भी है।

2025 में भारत की 64 फीसदी आबादी सामाजिक सुरक्षा के दायरे में, एनआईएफ की रिपोर्ट में दावा

नई दिल्ली, एजेंसी। 2025 में भारत की लगभग 64.3 प्रतिशत आबादी अब सामाजिक संरक्षण प्रणाली के अंतर्गत आ चुकी है। यह आंकड़ा 2016 में मात्र 22 प्रतिशत था, जिससे साफ है कि इस अवधि में सामाजिक सुरक्षा कवरेज में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। नवीनतम सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी) राष्ट्रीय संकेतक फ्रेमवर्क (एनआईएफ) प्रगति रिपोर्ट, 2025 में यह दावा किया गया है। रिपोर्ट के अनुसार बहुआयामी गरीब आबादी का अनुपात 2015-16 में 24.9 प्रतिशत से घटकर 2019-21 में 15 प्रतिशत हो गया है। मासिक आर्थिक समीक्षा रिपोर्ट में कहा गया है कि यह उपलब्धि समावेशी विकास के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता का प्रमाण है। इसमें कहा गया कि देशभर में विद्युतीकरण को 2021-22 तक पूरा किए जाने की उम्मीद थी। इसके अलावा देश के खुले में शौच मुक्त होने का लक्ष्य 2024-25 तक के लिए तय किया गया था।

उच्च-आवृत्ति संकेतकों में मजबूती की उम्मीद

उच्च-आवृत्ति संकेतकों ने व्यापक आधार पर मजबूती दिखाई और साल-दर-साल मजबूत वृद्धि दर्ज की। समीक्षा रिपोर्ट के के अनुसार, जहां विनिर्माण और निर्माण क्षेत्रों का विस्तार जारी रहा, वहीं सेवा क्षेत्र ने 2025-26 की पहली तिमाही में समग्र आर्थिक विकास को गति दी। प हली तिमाही में

सरकार के प्रयासों का असर होने का दावा

रिपोर्ट में बताया गया कि किफायती आवास, श्रमिकों के लिए सामाजिक सुरक्षा, खाद्य सुरक्षा, वित्तीय समावेशन, बुनियादी सुविधाओं तक सबकि पहुंच और उच्च गुणवत्ता वली किफायती स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने के सरकार के प्रयास समग्र कल्याण और जीवन स्तर में सुधार लाने में सहायक हैं। मासिक आर्थिक समीक्षा रिपोर्ट की बात करें तो भारत की अर्थव्यवस्था चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में अपनी विकास गति को बनाए रखा। इसे मजबूत घरेलू मांग, लचीली व्यावसायिक और सेवा गतिविधि और दक्षिण-पश्चिम मानसून की अनुकूल शुरुआत का समर्थन प्राप्त हुआ।

मुद्रास्फीति का दबाव कम होता रहेगा और सीपीआई मुद्रास्फीति जून 2025 में 77 महीने के निम्नतम स्तर 2.1 प्रतिशत पर आ जाएगी। यह तीव्र गिरावट खाद्य मुद्रास्फीति, विशेषकर सब्जियों और दालों की कीमतों में उल्लेखनीय गिरावट के कारण आई। थोक मूल्य सूचकांक आधारित महंगाई दर घटकर शून्य से नीचे पहुंच गई है और जून में (-)0.1 प्रतिशत दर्ज की गई। इससे लागत मोर्चे पर कुछ और राहत का संकेत मिला है।

जबलपुर मध्यप्रदेश हाईकोर्ट को 11 नए न्यायाधीश मिले

भोपाल। जबलपुर मध्यप्रदेश हाईकोर्ट को 11 नए न्यायाधीश मिले हैं। राष्ट्रपति द्वारा इनकी नियुक्ति को मंजूरी दे दी गई है। जिसकी जानकारी केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने पूर्व ट्विटर पर साझा की। जल्द ही नवनियुक्त जजों का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया जाएगा। इन नियुक्तियों के बाद हाईकोर्ट में न्यायाधीशों की संख्या बढ़कर 45 हो गई है, जबकि स्वीकृत पदों की कुल संख्या 53 है। फिलहाल कोर्ट में 34 जज कार्यरत हैं। नई नियुक्तियों से लंबित मामलों के तेजी से निपटारे में मदद मिलने की उम्मीद है।

सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने पिछले महीने न्यायिक सेवा अधिकारियों को पदोन्नत करने और वरिष्ठ अधिवक्ताओं को न्यायाधीश नियुक्त करने की

सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम की सिफारिश पर हुई नियुक्ति

सिफारिश की थी। राष्ट्रपति की स्वीकृति के बाद केंद्रीय कानून मंत्रालय ने नियुक्ति से संबंधित अधिसूचना जारी कर दी।

अधिवक्ताओं से नियुक्त हुए न्यायाधीश: पुष्पेंद्र यादव जबलपुर, जय कुमार पिल्लई जबलपुर, आनंद सिंह बहरावत इंदौर, हिमांशु जोशी इंदौर, अजय निरंकारी ग्वालियर।

न्यायिक सेवा कोटे से नियुक्त जज: रामकुमार चौबे, राजेश कुमार गुप्ता, आलोक अवस्थी प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश जबलपुर, रत्नेश चंद्र सिंह बिसेन, भगवती प्रसाद शर्मा, प्रदीप मित्तल।

नई दिल्ली स्थित कृषि भवन में केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के साथ राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बैठक की। इस दौरान श्री शर्मा ने कृषि मंत्री शिवराज सिंह राजस्थान में कृषि और ग्रामीण विकास से संबंधित विभिन्न विषयों पर चर्चा की। साथ ही कहा कि राजस्थान में असीम संभावनाएं हैं। राजस्थान निरंतर आगे बढ़े, विकास और जनकल्याण के नए आयाम गढ़े इसके लिए हम सभी मिलकर कार्य करेंगे।

न डॉलर , न पाउंड... एक साल में रिजर्व बैंक ने अपने खजाने में सबसे ज्यादा बढ़ाया सोना , जून में की खूब खरीदारी

नईदिल्ली, एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक ने जून के आखिरी हफ्ते में खूब सोना खरीदा। इस दौरान लगभग आधा टन सोना खरीदा गया। इस वित्तीय वर्ष में रिजर्व बैंक ने सोना खरीदने में थोड़ी सावधानी बरती थी, लेकिन बाद में खरीदारी तेज कर दी। इकोनॉमिक टाइम्स के मुताबिक रिजर्व बैंक के पास 27 जून तक कुल 879.8 टन सोना था। पिछले हफ्ते यह आंकड़ा 879.6 टन था। इसका मतलब है कि आरबीआई ने एक हफ्ते में 4 क्विंटल सोना खरीदा है।

पिछले कुछ सालों में सोना भारत के विदेशी मुद्रा भंडार का सबसे तेजी से बढ़ने वाला हिस्सा बन गया है। पिछले 5 सालों में सोने की कीमत 80 प्रतिशत से ज्यादा बढ़ गई है। 18 जुलाई 2025 तक भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में सोने की हिस्सेदारी 12.1 प्रतिशत हो गई। एक साल पहले यानी 19 जुलाई 2024 को यह 8.9 प्रतिशत थी। सोना महंगाई से बचने का एक अच्छा तरीका माना जाता है। इसलिए, कई संस्थाएं इसमें निवेश कर रही हैं। वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल के आंकड़ों से पता चलता है कि पिछले तीन सालों में केंद्रीय बैंकों ने हर साल 1000 टन से ज्यादा सोना खरीदा है। यह सामान्य खरीदारी से काफी ज्यादा है। भारत में सोने पर रिटर्न सबसे ज्यादा है। फिर भी रिजर्व बैंक अपना सोना बहुत कम बेचता है। आरबीआई ने आखिरी बार मार्च के आखिरी हफ्ते में सोना खरीदा था। वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल के अनुमानों के अनुसार, इस साल के पहले छह महीनों में सोने ने 26 प्रतिशत का रिटर्न दिया है। निवेश के नजरिए से देखें तो यह भारत के लिए सबसे ज्यादा रिटर्न देने वाला निवेश है। सिर्फ तुर्की में सोने से 40 प्रतिशत से ज्यादा का रिटर्न मिला है, जो भारत से ज्यादा है। भारत में सोने से मिलने वाला रिटर्न, पाउंड, येन और यूरो जैसी विकसित देशों की मुद्राओं से भी ज्यादा है। यहां तक कि चीन की मुद्रा रेनमिनबी से भी ज्यादा रिटर्न मिला है, जबकि चीन सोने का सबसे बड़ा उपभोक्ता है। सोना एक सुरक्षित निवेश माना जाता है। जब दुनिया में आर्थिक अनिश्चितता होती है, तो लोग सोने में निवेश करना पसंद करते हैं। इससे सोने की मांग बढ़ती है और इसकी कीमत भी बढ़ जाती है। रिजर्व बैंक भी इसी वजह से सोने में निवेश कर रहा है। इससे भारत के विदेशी मुद्रा भंडार को सुरक्षित रखने में मदद मिलती है। साथ ही, इससे अच्छा रिटर्न भी मिलता है।

सिस्टर सिटी परियोजना में भोपाल से स्मोलेंस्क रूस के लिए पहली निर्यात खेप

भोपाल। फेडरेशन ऑफ एम.पी. चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (FMPCCI) द्वारा मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल और रूस के स्मोलेंस्क शहर के बीच स्थापित सिस्टर सिटी परियोजना के अंतर्गत व्यापार, शिक्षा, संस्कृति और पर्यटन के क्षेत्र में सहयोग को बढ़ावा देने की दिशा में सार्थक प्रयास किए जा रहे हैं। इसी श्रृंखला में, भोपाल से स्मोलेंस्क (रूस) के लिए पहली निर्यात खेप शीघ्र ही भेजी जा रही है, जो इस साझेदारी की दिशा में एक ऐतिहासिक और व्यावसायिक दृष्टि से महत्वपूर्ण उपलब्धि है। फेडरेशन ऑफ एम.पी. चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के सहायक सचिव डॉ. सुरेंद्र सिंह ने बताया कि मीडिया को परियोजना की प्रगति, संभावनाओं एवं आगामी गतिविधियों से अवगत कराने हेत 30 जुलाई को, दोपहर 12 बजे फेडरेशन कार्यालय, 129ए, मालवीय नगर, भोपाल में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की जा रही है।

बैंकों में यूं ही पड़े हैं 67000 करोड़ से ज्यादा रकम , कोई दावेदार नहीं

नईदिल्ली, एजेंसी। बैंकों खास कर सरकारी बैंकों में 67,000 करोड़ रुपये से भी ज्यादा रकम यूं ही पड़े हैं। इन पैसों का कोई दावेदार नहीं मिल रहा है। इनमें से करीब 29 फीसदी पैसा तो देश के सबसे बड़े बैंक भारतीय स्टेट बैंक में पड़ा हुआ है। सरकार की तरफ से यह जानकारी कल संसद में दी गई।

लोकसभा में एक सवाल के लिखित जवाब में वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने बताया कि 30 जून, 2025 तक देश के सभी बैंकों में 67,003 करोड़ रुपये का कोई दावेदार नहीं है। मतलब कि यह अनक्लेम्ड डिपॉजिट है। जिन बैंकों में ये पैसे पड़े हैं, उनमें सरकारी और प्राइवेट, दोनों बैंक शामिल हैं। भारतीय रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार, इस कुल राशि में से सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के पास 58,330.26 करोड़ रुपये और निजी क्षेत्र के बैंकों के पास 8,673.72 करोड़ रुपये हैं। पंकज चौधरी ने बताया कि बिना दावे वाली रकम सबसे ज्यादा सरकारी बैंकों में पड़ी है। कुल राशि में से करीब 29 फीसदी राशि भारतीय स्टेट बैंक के पास है। यह रकम 19,329.92 करोड़ रुपये है। इसके बाद दिल्ली मुख्यालय वाले पंजाब नेशनल बैंक का नंबर आता है। पीएनबी के पास 6,910.67 करोड़ रुपये जमा हैं। सार्वजनिक क्षेत्र के ही केनरा बैंक के पास 6,278.14 करोड़ रुपये बिना दावे के जमा हैं जबकि बैंक ऑफ बड़ौदा के पास 5,277.36 करोड़ रुपये पड़े हुए हैं। बिना दावे वाली राशि जमा होने में यदि प्राइवेट बैंकों की बात करें तो आईसीआईसीआई बैंक के पास सबसे ज्यादा 2,063.45 करोड़ रुपये जमा हैं। इसके बाद एचडीएफसी बैंक का नंबर है। इस बैंक के पास 1,609.56 करोड़ रुपये बिना दावे के पड़े हैं। निजी क्षेत्र के ही एक्सिस बैंक के पास 1,360.16 करोड़ रुपये बिना दावे के पड़े हैं।

किसी व्यक्ति या फर्म ने किसी बैंक में सेविंग या करेंट अकांउट खुलवाया और उसमें पैसे जमा कर बरसों भूल गया तो इस राशि को बैंक अनक्लेम्ड अमाउंट घोषित कर सकता है। वर्तमान नियमों के अनुसार यदि किसी खाते को 10 साल तक ऑपरेट नहीं किया जाता है तो उसे अनक्लेम्ड अमाउंट करार दे दिया जाता है। इसी तरह कोई टर्म डिपॉजिट या सावधि जमा के मैच्योर होने के बाद 10 साल तक क्लेम नहीं किया जात है तो इसे भी अनक्लेम डिपॉजिट करार दे दिया जाता है।

ईटीएफ लॉन्च करने की योजना नहीं

चौधरी ने यह भी बताया कि भारत सरकार की वर्चुअल डिजिटल एसेट्स के लिए एक्सचेंज ट्रेडेड फंड लॉन्च करने की कोई योजना नहीं है। सरकार इन्हें अभी सीधे फाइनेंशियल मार्केट में शामिल नहीं करना चाहती है। उन्होंने बताया कि रिजर्व बैंक ने वर्चुअल करेंसी या क्रिप्टो एसेट्स के यूजर्स, धारकों और व्यापारियों को संभावित जोखिमों के बारे में चेतावनी दी है। इन जोखिमों में आर्थिक, वित्तीय, ऑपरेशनल, कानूनी और सुरक्षा संबंधी चिंताएं शामिल हैं।

कॉर्पोरेट जगत को बाय-बाय बोल पूर्व बैंकर ने लगाया दिमाग, अब करोड़ों का कारोबार

नईदिल्ली, एजेंसी। मुंबई से ताल्लुक रखने वाली तेजस पारुलेकर आईसीआईसीआई बैंक में अधिकारी रही हैं। उन्होंने होमस्टे के आइडिया को सफल कारोबार में तब्दील कर दिया है। 2016 में उन्होंने अपनी कंपनी की नींव रखी थी। इसका नाम सैफ्रनस्टेज है। कुछ ही सालों में यह 45 करोड़ रुपये का कारोबार करने लगी है। तेजस पारुलकर ने अपनी नौकरी छोड़कर भारत में अलग-अलग जगहों पर सुंदर आलीशान बंगले उपलब्ध कराने का फैसला किया। उनकी कंपनी लोगों को स्थानीय कल्चर का अनुभव कराती है। तेजस ने महसूस किया कि कई अमीर लोगों के खाली घरों को किराये पर देकर लोगों को अच्छा अनुभव कराया जा सकता है। उन्होंने ट्रैवलिंग के बदलते ट्रेंड को समझकर इसकी शुरुआत की। तेजस पारुलेकर ने एहसास किया कि लोग सिर्फ घूमना नहीं चाहते। अलबत्ता, उस जगह के कल्चर को भी जानना और समझना चाहते हैं। शुरुआत में कंपनी में सिर्फ एक कर्मचारी था। लेकिन, अब 115 कर्मचारी और 350 केयरटेकर हैं। तेजस के पति देवेंद्र पारुलेकर ने भी इस कारोबार में उनका भरपूर साथ दिया। आइए, यहां तेजस पारुलेकर की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।

तेजस पारुलेकर और उनके पति देवेंद्र पारुलेकर को सैफ्रनस्टेज शुरू करने की प्रेरणा यूरोप की यात्रा से मिली। जब उनके बच्चे छोटे थे तब उन्होंने यूरोप में कई अपार्टमेंट में रहकर छुट्टी बिताई। इन आवासों में वॉशिंग मशीन और छोटी रसोई जैसी सुविधाएं थीं। उन्हें पूरा स्थान अपने लिए मिलता था। तेजस को लगा कि बच्चों के शेड्यूल को ध्यान में रखते हुए यह छुट्टियों का आदर्श तरीका था। इससे उन्हें बहुत सारी गतिविधियों में हिस्सा लेने की जरूरत नहीं पड़ी। पत्ति-पत्नी आराम से अपनी छुट्टी का आनंद ले सके। इसी अनुभव ने तेजस को यह सोचने पर मजबूर किया कि भारत में ऐसे आवास क्यों आसानी से उपलब्ध नहीं हैं। सालों की योजना और रिसर्च के बाद उन्होंने 2014 में सैफ्रनस्टेज को होमस्टे के लिए एग्रीगेटर प्लेटफॉर्म के रूप में लॉन्च किया। इसमें तीन साल में 1 करोड़ रुपये का शुरुआती निवेश किया गया। हालांकि, उन्हें जल्द ही एहसास हुआ कि कई होमस्टे मालिक प्लेटफॉर्म से लाभान्वित नहीं हो रहे थे। इससे व्यवसाय मॉडल में बदलाव की जरूरत महसूस हुई।

बिजनेस मॉडल में बदलाव काम आया

तेजस पारुलेकर ने 1995 में आरए पोदार कॉलेज ऑफ कॉमर्स एंड इकोनॉमिक्स, मुंबई से 12वीं की पढ़ाई पूरी की। फिर 1998 में उन्होंने उसी कॉलेज से बीकॉम की डिग्री हासिल की। इसके साथ ही, उन्होंने सीए की पढ़ाई भी की। 2001 में कोर्स पूरा किया। उन्होंने अर्न्स्ट एंड यंग और आईसीआईसीआई में इंटर्नशिप की। बाद में वह आईसीआईसीआई से ही जुड़ गईं। 10 साल तक काम किया। वहां वह कॉर्पोरेट बैंकिंग ग्रुप में चीफ मैनेजर के पद तक पहुंचीं। देवेंद्र से उनकी कॉलेज में मुलाकात हुई थी। 2001 में दोनों ने शादी कर ली। देवेंद्र भी

सैफ्रनस्टेज के सह-संस्थापक हैं। तेजस के साथ काम करने से पहले देवेंद्र अर्न्स्ट एंड यंग में बड़े पद पर थे। सैफ्रनस्टेज की यात्रा में एक महत्वपूर्ण मोड़ 2015 में आया। तब जब एक पारसी व्यक्ति ने उनसे अपने 100 साल पुराने घर का प्रबंधन करने के लिए संपर्क किया। माथेरान, महाराष्ट्र में स्थित इस आकर्षक घर ने तेजस और देवेंद्र को एक नया नजरिया दिया। उन्होंने इस अवसर को भुनाया। अपने व्यापार मॉडल को एग्रीगेटर से होमस्टे के ऑपरेटर में बदल दिया। उन्होंने प्रॉपर्टी मालिकों की ओर से संपत्तियों का मैनेजमेंट और मार्केटिंग करना शुरू किया। ग्राहकों को असाधारण हॉस्पिटैलिटी स्टैंडर्ड प्रदान किए। यह कॉन्सेप्ट नया था। कारण था कि मेहमानों को हेरिटेज प्रॉपर्टियों तक पहुंच मिल रही थी। इस बदलाव के साथ तेजस पारुलेकर को मकान मालिकों के साथ ग्राहकों को भी शिक्षित करना पड़ा कि इन हेरिटेज प्रॉपर्टियों का सम्मान कैसे किया जाए।

तेजी से हुआ कारोबार का विस्तार

2018 में सिक्स्थ सेंस वेंचर से फंडिंग मिलने के बाद सैफ्रनस्टेज ने तेजी से विस्तार किया। अपने पोर्टफोलियो में ज्यादा प्रॉपर्टियों को जोड़ा। आज तेजस पारुलेकर के प्लेटफॉर्म पर लगभग 270 ऐसे घर हैं जो बुक किए जा सकते हैं। इनमें से ज्यादातर मुंबई से 2-4 घंटे की दूरी पर हैं। मसलन, कर्जत, लोनावाला और पालघर। उत्तर में उनके पास शिमला, कसौली, मनाली, भीमताल और नैनीताल में प्रॉपर्टियां हैं। वहीं, साउथ में उनके पास कूर्ग, ऊटी और वायनाड में संपत्तियां हैं। कोरोना महामारी ने व्यवसाय को अप्रत्याशित बढ़ावा दिया। लोग अपनी छुट्टियों के लिए निजी घरों और विला की तलाश कर रहे थे। सैफ्रनस्टेज का टर्नओवर 2019-20 में 15 करोड़ रुपये से बढ़कर अगले वर्ष 20 करोड़ रुपये हो गया। अब यह 45 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है।

वर्कफोर्स में 35 प्रतिशत महिलाएं

तेजस पारुलेकर के सैफ्रनस्टेज की सफलता का श्रेय व्यक्तिगत अनुभव प्रदान करने, स्थानीय समुदायों पर फोकस करने और लैंगिक विविधता को प्राथमिकता देने की उनकी प्रतिबद्धता को दिया जा सकता है। कंपनी स्थानीय लोगों को केयरटेकर और स्टाफ के रूप में नियुक्त करती है। भोजन के लिए स्थानीय सामग्री का इस्तेमाल करती है। इससे रोजगार पैदा होते हैं। स्थानीय अर्थव्यवस्था में योगदान होता है। सैफ्रनस्टेज के कार्यबल का 35 प्रतिशत महिलाएं हैं। तेजस और देवेंद्र ने अपनी उद्यमिता यात्रा को तब तक टाला जब तक वे ईएमआई से मुक्त नहीं हो गए। सैफ्रनस्टेज की सफलता की कहानी प्रेरणादायक है। तेजस पारुलेकर ने अपनी मेहनत और लगन से एक छोटे से विचार को बड़े व्यवसाय में बदल दिया है। उनकी कंपनी आज लोगों को भारत की संस्कृति और विरासत का अनुभव करा रही है।

महिला कांग्रेस ने पौधरोपण कर मनाई हरियाली तीज

छिन्दवाड़ा। नगर के वार्ड क्रमांक 45 में महिला कांग्रेस के द्वारा हरियाली तीज मनाई गई। इस अवसर पर महिलाओं के द्वारा सुंदरकाण्ड का पाठ करने के साथ ही पौधरोपण कर हरियाली तीज मनाई। मातृशक्ति को सुहाग की सामग्री प्रदान कर अखंड सौभाग्य की मंगल कामना की गई। आयोजित कार्यक्रम में मुख्य रूप से जिला महिला कांग्रेस अध्यक्ष श्रीमती किरण चौधरी, रानू डेहरिया, संगीता ठाकुर, संतोषी गजभिये, यासमीन खान, जुबेदा खान, समिता ठाकुर, रेणु तिवारी, सपना वर्मा, श्वेता, अपेक्षा बेले, विनीता ठाकरे, सविता सिंह, आशा सूर्यवंशी, पुष्पा सूर्यवंशी व संगीता पवार सहित अन्य बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित रहीं।

हरियाली से मन को शान्ति मिलती है

परासिया/चांदामेटा। नगर के बूटारिया में पूर्व पार्षद श्रीमती सरोज यदुवंशी के निवास पर हरियाली तीज महोत्सव मनाया गया। सभी मातृशक्तियो ने हरी साड़ी पहन कर मेंहदी लगा कर माहौर लगा कर हरि बिन्दी लगा कर सुन्दर आभूषण पहन कर अपना प्रदेशन किया। गीत भजन गए, कहानी जोक्स से कार्यक्रम में चार चाँद लगा गए। संगीतमय नृत्य के साथ सावन का झूला झूला गया। हरयाली तीज की पूजा की गई। कार्यक्रम में सर्व श्री सरोज यदुवंशी गीता यदुवंशी मीना यदुवंशी संगीता यदुवंशी कीर्ति बुनकर मंजू यदुवंशी काजल यदुवंशी रश्म यदुवंशी रजनी यदुवंशी एवं नगर की मातृशक्तिया उपस्थित थे।

बच्चों की मानसिकता को समझने की जरूरत: आयशा लोधी

छिंदवाड़ा। काउंसलर व शिक्षाविद आयशा लोधी ने कहा कि बदलते दौर में बच्चों की मानसिकता को समझना समय की मांग है। उन्होंने माता-पिता, शिक्षकों और विद्यालयों से अपेक्षा की कि वे बच्चों के साथ संवाद बढ़ाएं। लोधी ने कहा कि शिक्षा केवल अंकों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि नैतिक और मानसिक विकास को भी प्राथमिकता मिलनी चाहिए। विद्यालयों को बच्चों के लिए सहयोगी और सुरक्षित वातावरण देना चाहिए। उन्होंने संस्थागत काउंसलिंग और पैरेंट-टीचर संवाद को आवश्यक बताया।

नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर

छिंदवाड़ा। शिविर का आयोजन डेनिएलसन हिंदी मीडियम स्कूल छिंदवाड़ा में भ्रातृय समाज ईएल चर्च छिंदवाड़ा एवं मुख्यमंत्री संजीवनी क्लीनिक सर्रा के सहयोग से नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया जिसमें **इसश्ड** (नॉन ऐल्कोहॉलिक फैटी लीवर डीजीस की जांच) ,टी बी की स्क्रीनिंग एवं **इसश्ड** की भी जांच डॉ अनुराग सिंग एवं उनके सहयोगी स्टाफ के द्वारा की गई।डॉ एस ए ब्रॉउन, सी आर के हेमिल्टन एवं स्कूल प्राचार्य श्री मोरिस डेविड तथा स्टाफ के सहयोग से शिविर का सफल आयोजन एवं संचालन किया गया। शिविर में शाला में उपस्थित सभी छात्र छात्राओं ,विशेष रूप से 12 मूक बधिर जवानों एवं स्कूल के आसपास के निवासियों ने शिविर का लाभ प्राप्त किया।शिविर के प्रति स्कूल स्टाफ तथा आसपास के लोग उत्साहित थे।

आवारा पागल कुत्तों का आतंक

अमरवाड़ा। नगर के बस स्टैंड चौरई रोड मंडी के पास बाजार क्षेत्र में आवारा पागल कुत्तों का आतंक है जिन्होंने लगभग एक दर्जन से अधिक मासूम बच्चों को अपना शिकार बनाया है जिसमें से कुछ मासूम बच्चों की हालत गंभीर है सभी का इलाज अमरवाड़ा हॉस्पिटल पर चल रहा है वहीं इस घटना के बाद नगर वासियों में आक्रोश व्याप्त है अमरवाड़ा में आवारा कुत्तों का आतंक है कई बार शिकायत की जाती है लेकिन इस ओर ध्यान नहीं दिया जाता है वहीं घायल बच्चों में सोरेश जैन, हिमांशी, प्रमोद, निहारिका, सहित एक दर्जन मासूम बच्चे हैं वही नगर वासियों ने इन आवारा पागल कुत्तों की पकड़ने की मांग की है

युवामोर्चा करेगा समाज में पाँच परिवर्तनों की पहल, सभी मंडलों की संयुक्त बैठक

छिंदवाड़ा। भाजपा कार्यालय में भारतीय जनता युवामोर्चा के सभी मंडलों की संयुक्त बैठक भाजपा जिला अध्यक्ष श्री शेषराव यादव के निर्देश पर संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता कर रहे भाजपा युवामोर्चा के जिला अध्यक्ष योगेंद्र प्रताप राणा ने सभी मंडल अध्यक्षों के अब तक के कार्यकाल की समीक्षा करते हुए उनके कार्यो की सराहना की साथ ही श्री राणा ने कहा कि वर्ष 2025 पूर्व प्रधानमंत्री

श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी का 100 वा शताब्दी वर्ष है इस वर्ष हमे समाज में पंच परिवर्तनों के अभियान को चलाना है जिसमे पर्यावरण,नागरिक कर्तव्य बोध,परिवार प्रबोधन,सामाजिक समरसता,आत्म निर्भारत स्वदेशी जीवन विकसित भारत के लक्ष्य को पूर्ण करने के लिए हमे घर घर ये पंच परिवर्तनों को लेकर जाना व जागरूकता फैलाने का काम करना है हमारा जन्म केवल इस देश में रहने और इसका उपयोग करने के लिए नहीं हुआ है भारत देश हमारी माता है और उसके प्रति देश के हर एक नागरिक की जिम्मेदारी है की वो इसे समझे अतः इस जिम्मेदारी को देश के 140 करोड़ लोगो को समझना होगा। इस दौरान जिला उपाध्यक्ष श्री अंकित जैन,जिला मंत्री श्री अंकुश मेहरा,जिला सोशल मीडिया प्रभारी श्री पवन गोस्वामी सहित सभी मंडलों के अध्यक्षगण व प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

वीरेंद्र सतीजा का निधन

छिंदवाड़ा। शहर के प्रतिष्ठित व्यवसायी वीरेंद्र सतीजा का दु:खद निधन हो गया वे दीवानचन्द सतीजा, सुरेश कुमार सतीजा के भाई थे, उनके एक पुत्र निकिश(निक्की) सतीजा हैं। उनकी अंत्येष्टी शाम 5 बजे हुई जिसमें समाज के सभी वर्ग के लोगों ने भाग लेकर उन्हे श्रद्धांजलि अर्पित की।

सांसद ने आकस्मिक निधन पर जताया दु:ख

प्रसिद्ध व्यवसायी एवं उद्योगपति वीरेन्द्र सतीजा के आकस्मित निधन पर सांसद बंटी विवेक साहू ने दु:ख व्यक्त किया है। उन्होने दिल्ली प्रवास के दौरान मोबाईल के माध्यम से परिजनों से बात करते हुए वीरेन्द्र सतीजा के आकस्मित निधन पर दु:ख जताया है।

मोबाइल दुकान से हजारों रुपए की चोरी

वेंटिलेटर उखाड़ कर दिया चोरी की घटना को अंजाम

छिंदवाड़ा। कोतवाली थाना अंतर्गत शहर के बीचों बीच फव्वारा चौक से महज कुछ मीटर की दूरी पर चोरों ने हजारों रुपए की चोरी की घटना को अंजाम दिया है। दरअसल प्रेस कॉम्प्लेक्स स्थित कस्टम होम मोबाइल शॉप की दूकान से अज्ञात चोरों ने वेंटिलेटर उखाड़कर दुकान में रखे नगद हजारों रुपए पर हाथ साफ कर दिया। हैरानी की बात तो ये है कि मोबाइल शॉप की उक्त दुकान में दर्जनो एंड्रॉयड फोन भी रखे थे जिसे चोरों ने हाथ तक नही लगाया। वहीं सुबह जब कोतवाली पुलिस को घटना की सूचना मिली, पुलिस ने मौके पर पहुँचकर जांच पड़ताल शुरू कर दी है। दुकान संचालक सुनील साहू ने बताया जी कल उनकी दुकान बंद थी। आज सुबह जब उन्होंने दुकान खोली तो देखा कि दुकान में लगा वेंटिलेटर उखड़ा हुआ है। जबकि कैश काउंटर भी पूरी तरह तीतर बितर था। जब उन्होंने कैश काउंटर चेक किया तो उसमें रखे नगद रुपए गायब थे। तत्काल उन्होंने कोतवाली थाने पहुँचकर इसकी शिकायत की, जहां पुलिस ने दुकान पर पहुँचकर जांच पड़ताल शुरू कर दी है।

सीसीटीवी फुटेज में भी नही दिखाई दिए चोर...

दरअसल कस्टम होम मोबाइल शॉप संचालक सुनील साहू कई सालों से मोबाइल का व्यापार कर रहे है। वहीं जब पुलिस ने उनकी दुकान के सीसीटीवी फुटेज चेक किए तो उसमें भी कुछ नही दिखाई दिया। जबकि रविवार-सोमवार की रात्रि हुई इस घटना के सीसीटीवी फुटेज भी कैमरे में उपलब्ध नही है। ऐसे में चोरों को पकड़ पाना पुलिस के लिए बड़ी चुनौती साबित होगा।

पीछे के रास्ते से निकाला वेंटिलेटर...

प्रेस कॉम्प्लेक्स में स्थित मोबाइल शॉप की दुकान में पीछे से भी एक रास्ता है। हालांकि ये आम रास्ता नही है। यहीं से चोरों ने घुसकर पहले वेंटिलेटर को तोड़ा और दुकान में घुसकर लाखों रुपए पर हाथ साफ कर दिया। फिलहाल अब तक सुनील साहू द्वारा इस बात की पुष्टि नही की गई है कि चोरों ने कितनी राशी पर हाथ साफ किया है।

पुलिस गश्त पर उठ रहे सवाल...

दरअसल इस पूरी घटना के बाद पुलिस गश्त पर भी सवालिया निशान खड़े हो रहे है। फव्वारा चौक से कुछ मीटर की दूरी पर चोरों ने अपना करतब दिखाया है। ऐसे में सवाल ये है कि आखिर पुलिस इस घने इलाके में भी देर रात गम्भीरता से सर्च नही कर रही है। फिलहाल उक्त चोरी के बाद एक बार फिर पुलिस गश्त पर सवालिया निशान खड़े हो रहे हैं।

चौरसिया दिवस पर महिला समीति द्वारा प्रतिभावान बच्चों का सम्मान किया जाएगा

छिंदवाड़ा। चौरसिया महिला समिति एवं चौरसिया समाज छिंदवाड़ा के तत्वाधान में हरियाली तीज एवं आनंद मेले का सफल आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्ष रक्षा मुकेश चौरसिया ने बताया कि हरियाली तीज पर्व में चौरसिया महिला समिति की सदस्य श्रीमती शैलजा महेंद्र, रेणु कृष्ण कुमार, वंदना कीर्ति, संगीता घनश्याम, संध्या ओमप्रकाश, किरण अनिल, स्मिता हेमेंद्र, आशा कृष्ण कुमार, कल्पना नरेंद्र, रचिका आशीष, पूजा साकेत, संगीता महेश, शालिनी विपिन, शोभिता नीरज, मोनिका अजय, कविता सुरेश एवम समाज की सभी महिलाएं शामिल हुईं। महिला समिति अध्यक्षा रक्षा मुकेश चौरसिया ने बताया कि नाग पंचमी चौरसिया दिवस 29/7/2025 को मनाया जाएगा। इस दिन सुबह 11 बजे चौरसिया मंगल भवन से रैली निकाली जावेगी जो शिव मंदिर छोटी बाजार में समाप्त होगी। शिव मन्दिर पूजन किया जावेगा। दोपहर 1 बजे से चौरसिया मंगल भवन में प्रतिभाशाली बच्चों का सम्मान एवं विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। अध्यक्ष रक्षा मुकेश चौरसिया एवं अध्यक्ष धर्मेंद्र चौरसिया द्वारा समस्त सामाजिक बंधुओ से इस कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में सम्मिलित होकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की गई है।

जीवन रक्षक या काल दूत-नागद्वारी मेले में नशे में धुत चालकों पर तत्काल लगाम लगाने की अपील

समाजसेवी रिंकू रितेश चौरसिया ने लिखा पुलिस अधीक्षक के नाम पत्र

छिंदवाड़ा। छिंदवाड़ा के प्रखर समाज सेवी और सजग नागरिक रिंकू रितेश चौरसिया ने पचमढ़ी के पवित्र नागद्वारी मेले के दौरान छिंदवाड़ा-परासिया मार्ग पर बढ़ रही जानलेवा लापरवाही पर गहन चिंता व्यक्त की है। उन्होंने जिला प्रशासन और विशेषकर पुलिस अधीक्षक महोदय से करबद्ध निवेदन किया है कि मादक पदार्थों का सेवन कर वाहन चला रहे अराजक तत्वों पर तत्काल और सबसे कठोर कार्रवाई की जाए। चौरसिया ने मार्मिक शब्दों में कहा, यह अत्यंत हृदय विदारक है कि आस्था के इस पुनीत अवसर पर कुछ गैर-जिम्मेदार लोग, खासकर महाराष्ट्र से आने वाले यात्री, शराब के नशे में धुत होकर चार पहिया वाहन चला रहे हैं। उनकी यह आपराधिक लापरवाही सिर्फ सड़क

सुरक्षा का उल्लंघन नहीं, बल्कि निर्दोष गौ माताओं के लिए मौत का परवाना और आम राहगीरों के लिए जानलेवा खतरा बन चुकी है। उन्होंने आक्रोश व्यक्त किया कि मार्ग पर लगातार हो रही दुर्घटनाओं में बेजुबान गौ माताओं की निर्मम मृत्यु हो रही है, और राह चलते नागरिकों के लिए भी हर पल भीषण दुर्घटना का भय बना हुआ है। यह स्थिति न केवल मेले की पवित्रता को धूमिल कर रही है, बल्कि संपूर्ण जनमानस में गहरे आक्रोश और चिंता का कारण बन रही है, श्री चौरसिया ने जोर दिया। अतः रिंकू रितेश चौरसिया ने पुलिस अधीक्षक से विनम्र आग्रह किया है कि जनहित, गौ-रक्षा और सड़क सुरक्षा को सर्वोपरि रखते हुए तत्काल प्रभाव से संबंधित पुलिस अधिकारियों को कठोरतम निर्देश जारी किए जाएं।

सड़क दुर्घटनाओं में पीड़ितों की सहायता करने वाले नागरिकों को मिलेगा सम्मान

छिन्दवाड़ा। भारत सरकार के सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय द्वारा गंभीर सड़क दुर्घटनाओं में घायल व्यक्तियों की च्गोल्डन ऑवरज के भीतर सहायता करने वाले सज्जन नागरिकों को प्रोत्साहित करने के लिए च्राहवीर योजनाज्ञ प्रारंभ की गई है। यह योजना 31 मार्च 2026 तक प्रभावी रहेगी। जिले में इस योजना के प्रचार-प्रसार हेतु जनजागरूकता अभियान चलाया जा रहा है।

योजना का उद्देश्य आम नागरिकों को प्रेरित करना है कि वे सड़क दुर्घटना के शिकार लोगों की तत्काल सहायता कर उनकी जान बचाएं। ऐसे नागरिकों को न केवल आर्थिक प्रोत्साहन दिया जाएगा, बल्कि उन्हें प्रशस्ति पत्र भी प्रदान किया जाएगा।

योजना की प्रमुख विशेषताएं:- किसी भी व्यक्ति द्वारा गंभीर सड़क दुर्घटना में घायल को गोल्डन ऑवर (दुर्घटना के एक घंटे के भीतर) में अस्पताल/ट्रॉमा सेंटर पहुँचाने पर ?25,000/- तक की प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाएगी।एक से अधिक राहवीरों द्वारा बचाई गई जान पर भी अधिकतम 25,000/- प्रत्येक राहवीर को दिए जाएंगे।

सभी पात्र राहवीरों को प्रशस्ति पत्र दिया जाएगा :- वार्षिक राष्ट्रीय स्तर पर 10 उत्कृष्ट राहवीरों को 1 लाख की राशि, ट्रॉफी एवं प्रशस्ति पत्र के साथ दिल्ली में सम्मानित किया जाएगा। चयन प्रक्रियाज्पुलिस अथवा अस्पताल द्वारा घटना की पुष्टि के पश्चात राहवीर को प्रशस्ति प्रमाण पत्र प्रदान किया जाएगा। जिले में कलेक्टर की अध्यक्षता में गठित समिति द्वारा नामांकन का परीक्षण किया जाएगा। राज्य स्तरीय समिति द्वारा अनुशंसा के पश्चात शीर्ष 3 नाम राष्ट्रीय पुरस्कार हेतु भेजे जाएंगे।

पुलिस ने दिखाई सख्ती, गुंडा एक्ट में चार गिरफ्तार

सीसीटीवी ने खोली पोल

चौरई। त्योहारों के मद्देनज़र चौरई थाना पुलिस ने एक बार फिर सख्ती दिखाते हुए शातिर बदमाशों पर नकेल कस दी है। बीते रविवार की रात साईं पेट्रोल पंप पर फ्री पेट्रोल को लेकर हुए विवाद ने जब बवाल का रूप ले लिया, तो मामला सीधे पुलिस तक जा पहुंचा। लेकिन हद तो तब हो गई जब पुलिस की मौजूदगी के बावजूद आरोपी मारपीट करते रहे और फिर मौके से फरार हो गए। इस घटना ने पुलिस की सतर्कता और तत्परता की परीक्षा ले ली, जिसका जवाब भी कड़ा मिला। थाना चौरई प्रभारी गणपत उइके ने जानकारी देते हुए बताया कि शातिर बदमाश भूरा उर्फ़ रुपेश पवार, आशीष सनकत, आकाश सनकत और मुन्ना उर्फ़ अतिशय जैन के खिलाफ आपराधिक तथा गुंडा एक्ट के तहत कार्रवाई की गई है।पुलिस ने इन आरोपियों को उनके घर से उठाया, सीसीटीवी फुटेज खंगाले और सबूतों के आधार पर उन्हें हिरासत में लेकर जेल भेज दिया। इस कार्रवाई से इलाके में कानून का डर और पुलिस की पकड़ का एहसास साफ देखा जा सकता है।एस डी ओ पी भारती जाट ने बताया कि त्योहारों के सीजन में किसी भी प्रकार की गड़बड़ी बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

बुधवार को शहर में प्रभावित होगी जल आपूर्ति

छिंदवाड़ा। नगर निगम आयुक्त चंद्रप्रकाश राय के निर्देश पर अमृत योजना अंतर्गत अंतर्गत ग्यारह एमएलडी डब्ल्यूटीपी पर आवश्यक कार्य किए जाने के कारण भी आवश्यक कार्य किया जाना है। जिससे नगर निगम के शनिचरा बाजार टंकी से लालबाग , चूनाभट्टा, डी नेमा वाली गली, गांधीगंज, नई आबादी, रेलवे स्टेशन के सामने वाला एरिया, गुलज़ार नगर, सिवनी रोड, नूरी टेंट वाली गली, सुकलु ढाना, सर्रा, इमलीखेड़ा चौक, इमली खेड़ा बस्ती, थूनियाभांड में दिनांक 30 जुलाई को जल आपूर्ति प्रभावित होगी।

आखिर कब खुलेंगी कांग्रेस आलाकमान की आंखें? कमलनाथ की अनदेखी पड़ेगी भारी

पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ के पास है मध्यप्रदेश में कांग्रेस की पुनर्बहाली की चाबी, कमलनाथ की नेतृत्व क्षमता और छिंदवाड़ा मॉडल बना भाजपा के विकास का आधार

विजया पाठक

मध्यप्रदेश की राजनीति में अगर कोई नाम आज भी सबसे अधिक प्रभावशाली और जनप्रिय माना जाता है तो वह है पूर्व मुख्यमंत्री और वरिष्ठ कांग्रेस नेता कमलनाथ का। चाहे कोई भी कांग्रेस का आयोजन हो, सबसे अधिक तालियाँ और जनसमर्थन कमलनाथ को ही प्राप्त होता है। यह न केवल उनकी व्यक्तिगत लोकप्रियता को दर्शाता है, बल्कि कांग्रेस कार्यकर्ताओं और आम जनता के बीच उनके प्रति विश्वास को भी प्रमाणित करता है। आज जब कांग्रेस मध्यप्रदेश में पुनः सत्ता पाने की दिशा में कार्य कर रही है, तब पार्टी आलाकमान के समक्ष सबसे बड़ा प्रश्न यही है कि वह किसके नेतृत्व में इस लक्ष्य को प्राप्त करे। ऐसे में कमलनाथ के नेतृत्व को नजरअंदाज करना न केवल राजनीतिक भूल होगी, बल्कि यह कार्यकर्ताओं के मनोबल पर भी नकारात्मक असर डालेगा। आखिर कब कांग्रेस आलाकमान की आंखें खुलेंगी, कमलनाथ की अनदेखी कांग्रेस को भारी पड़ेगी।

कमलनाथ ने जिस समर्पण भाव से मध्यप्रदेश कांग्रेस को खड़ा किया है, वह किसी से छिपा नहीं है। उन्होंने न केवल राजनीतिक रणनीतियों के स्तर पर पार्टी को मज़बूत किया, बल्कि अपनी निजी संसाधनों से भी संगठन को सहारा दिया। वर्ष 2018 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को सत्ता तक पहुंचाने में कमलनाथ की दूरदर्शिता और सांगठनिक कुशलता का बड़ा हाथ रहा। उन्होंने ना केवल अनुभवी नेताओं को एक मंच पर लाया, बल्कि युवाओं को भी महत्व देकर पार्टी के भीतर नई ऊर्जा का संचार किया। कमलनाथ ने अपनी योग्यता, आकर्षण और स्थानीय विकास योजनाओं से प्रदेश की जनता को यह विश्वास दिलाया कि कांग्रेस ही वह विकल्प है जो मध्यप्रदेश को आगे बढ़ा सकता है। उनके शासनकाल में शुरू हुई योजनाओं और विशेष रूप से छिंदवाड़ा मॉडल ने पूरे प्रदेश में विकास की नई परिभाषा गढ़ी।

छिंदवाड़ा मॉडल भाजपा के लिए भी प्रेरणा: छिंदवाड़ा, जो कि कमलनाथ का संसदीय क्षेत्र रहा है, आज एक आदर्श विकास मॉडल के रूप में पूरे प्रदेश के सामने प्रस्तुत है। शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, सिंचाई, कृषि और रोजगार के क्षेत्र में किए गए सुधार कार्यों ने छिंदवाड़ा को विकास के मामले में एक अग्रणी जिले में तब्दील कर दिया है। यह मॉडल सिर्फ बुनियादी ढांचे तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें जनभागीदारी, स्थानीय रोजगार सृजन और युवाओं को प्रशिक्षित कर आत्मनिर्भर बनाना जैसे महत्वपूर्ण तत्व भी शामिल हैं। यही कारण है कि आज भारतीय जनता पार्टी भी इस मॉडल की सराहना करते हुए प्रदेश के अन्य जिलों के लिए इसी तरह की योजनाएं बना रही है।

कमलनाथ की गैर मौजूदगी में कम दिखता है जन आंदोलनों का असर: कांग्रेस की सबसे बड़ी समस्या यह रही है कि वह कमलनाथ की सक्रिय भागीदारी के बिना आज तक कोई भी प्रभावी जन आंदोलन खड़ा नहीं कर पाई। चाहे वह किसानों की समस्याएं हों, बेरोजगारी का मुद्दा हो या महंगाई के खिलाफ प्रदर्शन- हर बार यह देखा गया है कि अगर कमलनाथ नेतृत्व में नहीं होते, तो आंदोलन केवल दिखावटी बनकर रह जाते हैं। कमलनाथ की उपस्थिति ना केवल आंदोलन को जनसमर्थन देती है, बल्कि प्रशासन और सरकार पर भी दबाव बनाती है।

जीतू पटवारी को कमलनाथ का साथ है जरूरी: मध्यप्रदेश कांग्रेस के वर्तमान अध्यक्ष जीतू पटवारी एक युवा, ऊर्जावान और जनसंपर्क में दक्ष नेता हैं। लेकिन यह भी सच है कि उन्हें प्रदेश की गहराई से समझ और अनुभव की आवश्यकता है, जो उन्हें कमलनाथ के साथ मिलकर प्राप्त हो सकता है। अगर कांग्रेस को मध्यप्रदेश में भविष्य की राजनीति में मजबूती से खड़ा करना है, तो यह आवश्यक है कि युवा नेतृत्व और अनुभवी मार्गदर्शन का मेल हो। कमलनाथ को दरकिनार करके कांग्रेस प्रदेश में कोई मजबूत रणनीति नहीं बना सकती। जीतू पटवारी को चाहिए कि वे कमलनाथ के साथ मिलकर कार्य करें, उनके अनुभव का लाभ लें और उन्हें संगठन के निर्णयों में सम्मिलित करें।

कांग्रेस आलाकमान को स्पष्ट निर्णय लेने की आवश्यकता

आलाकमान को यह निर्णय लेना होगा कि अगर उन्हें 2028 या उससे पहले के चुनावों में सफलता प्राप्त करनी है, तो उन्हें कमलनाथ को दोबारा कमान सौंपनी होगी- भले ही संगठनात्मक रूप में या चुनावी रणनीति के स्तर पर। कमलनाथ के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं को एक दिशा मिलती है। उनके पास जमीन से जुड़े कार्यकर्ताओं का मजबूत नेटवर्क है, जो चुनाव के समय बूथ स्तर तक काम करता है। साथ ही उनके पास कॉर्पोरेट और निवेशकों से संबंधों का वह अनुभव है जो किसी भी राज्य की अर्थव्यवस्था को संबल दे सकता है।

ज़ कमलनाथ ही हैं कांग्रेस की सबसे बड़ी उम्मीद: मध्यप्रदेश में कांग्रेस के पुनरुत्थान की बात हो तो उसमें सबसे पहला नाम कमलनाथ का ही आता है। उन्होंने अपने कार्यकाल में यह सिद्ध किया है कि वे न केवल कुशल प्रशासक हैं, बल्कि जनता के बीच विश्वसनीय नेता भी हैं। उनकी राजनीतिक समझ, सांगठनिक क्षमताएं, विकास के लिए दृष्टिकोण और जनसमर्थन को देखकर यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगा कि अगर कांग्रेस को मध्यप्रदेश में सरकार बनानी है तो कमलनाथ को ही नेतृत्व देना होगा। कमलनाथ कांग्रेस के लिए केवल एक चेहरा नहीं, बल्कि एक सोच हैं। एक ऐसी सोच जो विकास, समन्वय और जनकल्याण पर आधारित है। यदि कांग्रेस इस सोच को पहचान ले और उसे प्रदेशव्यापी आंदोलन में तब्दील कर दे तो वह दिन दूर नहीं जब मध्यप्रदेश में पुनः कांग्रेस की सरकार बनेगी, और वह सरकार एक स्थायित्व और दूरदृष्टि के साथ शासन करेगी।

स्वास्थ्य विभाग अपनी नाकामियों को छुपाने में लगा रहा जोर

सीएमएचओ कर रहे चिकित्सकों एवं दवा दुकानों को नजरअंदाज

मण्डला/अजीत पटेल--जिला स्वास्थ्य विभाग की लापरवाही तथा स्वास्थ्य व्यवस्था की दयनीय स्थिति को अनेकों दफा जनता एवं आला-अधिकारियों से लेकर सत्ता में बैठे जिम्मेदारों तक पहुंचाया गया, परन्तु भ्रष्टाचारी और लापरवाहियों के इस खेल में शामिल समस्त जिम्मेदारों द्वारा आमजनों की जिंदगी को दांव पर रखकर अपनी तिजोरियां भरने का दांव लगाया जा रहा है। जिले में चिकित्सकों की कमी,दवा दुकानों की लापरवाही के साथ-साथ स्वास्थ्य विभाग में बैठे जिम्मेदारों की हिस्सेदारी का उजागर आये दिन करने के बावजूद जिम्मेदारों द्वारा आजकल कहकर मामले पर पर्दा डालने का किया जा रहा है, जिस मामले को गंभीरता से लेकर जिला कलेक्टर द्वारा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को आदेशित किया गया।

जानकारी छुपाने को लेकर ड्रग इंस्पेक्टर ने थाने में की शिकायत

जिले में संचालित पंजीकृत दवा दुकानों की सूची सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 की धारा 6 (1) के तहत संबंधित लोक सूचना अधिकारी से मांगा गया,समय सीमा में लोक सूचना अधिकारी द्वारा जानकारी नहीं देने पर प्रथम अपीलीय अधिकारी को जानकारी देने हेतु आवेदन प्रेषित किया गया। जिसमें प्रथम अपीलीय अधिकारी ने जानकारी देने हेतु उपसंचालक खाद्य एवं औषधि विभाग को जानकारी देने के लिए आदेशित किया गया, वहीं आवेदक द्वारा विभाग द्वारा की गई लापरवाही एवं जिले में संचालित पंजीकृत तथा गैर पंजीकृत दवा दुकानों संबंधित मामले की जानकारी की शिकायत जिला कलेक्टर को की गई।

जिला कलेक्टर महोदय के इस आदेश से बोखलाहट में स्वास्थ्य विभाग तथा उपसंचालक खाद्य एवं औषधि विभाग ने अपनी हिस्सेदारी बटोरने के पोल खुलने से बचने तथा किए गए भ्रष्टाचारी और लापरवाहियों से बचने के लिए आवेदक के विरुद्ध उपसंचालक खाद्य एवं औषधि विभाग के अधिकारी को फोन करने, पैसे की मांग करने, शासकीय कार्य में बाधा उत्पन्न करने, आरटीआई के तहत व्यक्तिगत रूप से जानकारी मांगने, मानसिक प्रताड़ना जैसे झूठे आरोपों के जिला कोतवाली पुलिस थाना मण्डला में शिकायत की गई है

सीएमएचओ एवं ड्रग इंस्पेक्टर द्वारा क्यों नहीं की जा रही कार्यवाही: जिले में चिकित्सकों तथा दवा दुकानों एवं अन्य चिकित्सा संबंधी संस्थान एवं मामलों को लेकर आये दिन लोकतंत्र का चौथा स्तंभ मीडिया/अखबारों में मामले प्रकाशित किए जा रहे हैं, परन्तु जिम्मेदारों के कानों में जूं तक नहीं रेंग रही है। वहीं जिला चिकित्सा संघ द्वारा जिला चिकित्सालय में चिकित्सकों की कमी लेकर परेशानियों का सामना कर रहे हैं और वहीं दूसरी ओर शासकीय आदेशों के विरुद्ध गैर पंजीकृत चिकित्सकों द्वारा अवैध रूप से चिकित्सा कार्य संचालन कर आमजनता की जिंदगी को दांव पर रखकर अपनी तिजोरियां भर रहे जिसकी हिस्सेदारी कुर्सी पर बैठे जिम्मेदारों तक पहुंचाया जा रहा है।

मंदसौर पुलिस ने नीमच पदस्थ आरक्षक को डोडा चूरा सहित पकड़ा

मंदसौर । जिले की मल्हारगढ़ विधानसभा क्षेत्र की बूढ़ा पुलिस चौकी से विगत दिवस अवैध मादक पदार्थ डोडाचूरा परिवहन करते दो आरोपियों को पकड़ा गया था।पुलिस कंट्रोल रूम के मुताबिक बूढ़ा चौकी प्रभारी शुभम व्यास ने मुखबिर की सूचना। आधार पर नाकेबंदी कर ग्राम मन्जाखेड़ी - बूढ़ा के बीच एक कार को रोककर तलाशी लेने पर 30 किलो अवैध डोडाचूरा मिला , कार में नीमच जिले में पदस्थ पुलिस आरक्षक राजेंद्र सिंह सौंधिया एवं भगतसिंह निवासी ग्राम चौथखेड़ी जिला मंदसौर सवार थे दोनों की गिरफ्तारी की गई । बताया गया है कि आरोपी पुलिस आरक्षक राजेंद्र सिंह ड्यूटी के दौरान ही अनुपस्थित रहकर अवैध तस्करी में लिप्त पाया गया । प्रकरण आधार पर नीमच पुलिस अधीक्षक अंकित जायसवाल ने निलंबित किया । इधर डीजीपी मध्यप्रदेश कैलाश मकवाणा के निर्देश पर प्रदेश भर में नशा मुक्ति अभियान जारी है और पुलिस बल सक्रिय होकर वातावरण बनाने में जुटा है और विभिन्न स्तरों पर मंदसौर - नीमच जिले में कार्यवाही भी की जारही है ऐसे में पुलिस आरक्षक ही डोडाचूरा का अवैध परिवहन करते पाया गया इस पर गंभीरता से कार्यवाही करते हुए सोमवार को नीमच पुलिस अधीक्षक अंकित जायसवाल ने निलंबन के बाद कड़ा एक्शन लेते हुए आरक्षक राजेंद्र सिंह सौंधिया को पुलिस सेवा से बर्खास्त करने का आदेश दिया ।

CHANGE OF NAME

I KHUZEMA HERE BY DECLARE THAT I HAVE CHANGE MY NAME AS KHUZEMA RAJ. SO FROM NOW AND IN FUTURE I WILL BE KNOWN BY MY NEW NAME KHUZEMA RAJ FOR ALL PURPOSES.

-KHUZEMA RAJ
S/O BURHANI-
ADDRESS -10, BOHARA BAKHAL, ALIRAJPUR,
DIST-ALIRAJPUR-457887(M.P)

कार्यालय नगर पालिका परिषद इटारसी, जिला नर्मदापुरम (म.प्र.)

पत्र कमांक/रा. शा.वि./न.पा.इ/2025/88 इटारसी दिनांक-22.07.2025

आम सूचना

आम नागरिकों को सूचित किया जाता है कि नगर पालिका परिषद इटारसी से प्रियदर्शनीय नगर / इंदिरा कालोनी में भवन / भूखंड LIG-01 (शिक्षक नगर) श्री मुबीनुद्दीन पिता श्री मुइनुद्दीन के नाम नगर पालिका अभिलेखों में दर्ज है, श्रीअहतेशाम उद्दीन पिता मुबीनुउद्दीन अपने नाम नामांतरण कराना चाहते हैं। उक्त भवन / भूखंड का नामान्तरण होने में किसी को कोई आपत्ति है तो इश्तहार प्रकाशन सूचना से 15 दिवस के भीतर संपूर्ण रिकार्ड एवं प्रमाण के साथ अघोहस्ताक्षर कर्ता के कार्यालय नगर पालिका परिषद इटारसी के समक्ष में उपस्थित होकर अपनी आपत्ति दर्ज करवा सकते हैं। यदि पन्द्रह दिवस के भीतर किसी की कोई आपत्ति दर्ज नहीं होती है तो तत्पश्चात किसी की, किसी भी तरह की कोई आपत्ति मान्य नहीं की जाएगीं।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद इटारसी

आज महापौर मालती राय ने अति बारिश को देखते हुए जोन 07 स्थित मुख्य आपातकाल नियंत्रण कक्ष (कंट्रोल रूम) का निरीक्षण किया इस अवसर पर जोन अध्यक्ष बृजुला सचान एवं संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे

विधानसभा सत्र के दूसरे दिन विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर से पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने मुलाकात की इस दौरान मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल, कैलाश विजयवर्गी एवं पूर्व मंत्री भूपेंद्र सिंह भी मौजूद रहे।

अंतरराष्ट्रीय बाघ दिवस पर विशेष

मध्यप्रदेश कैसे बना भारत का टाइगर स्टेट इनके लिए इंसानों ने छोड़ दिए अपने घर

अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस (29 जुलाई) मध्यप्रदेश के लिए एक विशेष महत्व रखता है। यह दिन न सिर्फ बाघों के अस्तित्व और संरक्षण के लिए प्रदेश में किए गए टायरलेस एफ्फोर्ट्स को याद कराता है, बल्कि इस बात का भी प्रमाण है कि मध्यप्रदेश आज अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सबसे अधिक बाघों वाला राज्य बन गया है। यह सिर्फ मध्यप्रदेश ही नहीं, बल्कि पूरे भारत के लिए गर्व का विषय है। वर्ष 2022 में बाघों की गिनती के मुताबिक, भारत में कुल 3682 बाघों की कन्फर्मेशन हुई है।

इनमें से सबसे ज्यादा 785 बाघ अकेले मध्यप्रदेश में पाए गए हैं। यह साफ दिखाता है कि हमारे राज्य ने जंगली जानवरों को बचाने के लिए कितनी लगन से काम किया है। आइए आज अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस पर हम जानते है कि किस राज्य को टाइगर स्टेट का दर्जा दिया गया है।

अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस्रमनाने का निर्णय 29 जुलाई, 2010 में सेंट पीटर्सबर्ग, रूस ्में आयोजित बाघ सम्मेलन में लिया गया था। इस सम्मेलन में बाघ की आबादी वाले 13 देशों ने यह वादा किया था कि वर्ष 2022 तक वे बाघों की आबादी दोगुनी कर देंगे। मध्यप्रदेश बाघों के प्रबंधन में निरंतरता और प्रोग्रेसिव इम्प्रूवमेंट करने में अग्रणी रहा है। बाघ संरक्षण न केवल बायोडायवर्सिटी के लिए जरूरी है,

बल्कि यह इकोलॉजिकल बैलेंस को भी बनाए रखता है, जो हमारे ग्रह के स्वास्थ्य के लिए बहुत ही ज्यादा जरूरी है।

मप्र को टाइगर स्टेट का दर्जा- मध्य प्रदेश ने टाइगर स्टेट का खिताब हासिल करने के साथ ही राष्ट्रीय पार्कों और सुरक्षित इलाकों के अच्छे इंतजाम में भी पूरे देश में टॉप पोजीशन हासिल की है। यह एक बहुत बड़ी जीत है जो राज्य के वन विभाग और जंगली जानवरों को बचाने में लगे सभी कर्मचारियों की कड़ी मेहनत को दिखाती है।

सतपुड़ा बाघ की जगह को हृश्वस्थ्ह की वर्ल्ड हेरिटेज की संभावित सूची में शामिल किया गया है, जो इसकी अनोखी जीव-जंतुओं की दुनिया और खूबसूरती का सबूत है। केंद्र सरकार ने बाघ की जगहों के इंतजाम की रिपोर्ट जारी की है, उसके मुताबिक, पेंच बाघ की जगह ने पूरे देश में सबसे अच्छी रैंक हासिल की है। इसके अलावा, बांधवगढ़, कान्हा, संजय और सतपुड़ा बाघ की जगह को भी सबसे अच्छे इंतजाम वाली जगह माना गया है। इन राष्ट्रीय पार्कों में अनोखे इंतजाम के प्लान और नए तरीके अपनाए गए हैं, जो इनकी सफलता का मुख्य कारण है।

बाघों को बचाने के लिए जरूरी कदम

राज्य सरकार बाघों को बचाने के लिए कई जरूरी कदम उठा रही है। इनमें जंगली जानवरों के ठीकानों की देख-भाल, बाघों की निगरानी के लिए आधुनिक मशीनें का इस्तेमाल और गांव वालों को काम देना शामिल है। मध्य प्रदेश में कुल 9 टाइगर रिजर्व हैं, जिनमें कान्हा किसली, बांधवगढ़, पेंच, पन्ना बुंदेलखंड, सतपुड़ा नर्मदापुरम, संजय दुबरी सीधी, नौरादेही, माधव नेशनल पार्क और डॉ. विष्णु वाकणकर टाइगर रिजर्व, रातापानी शामिल हैं। इन सभी जगहों में से मध्य प्रदेश के बांधवगढ़ बाघ की जगह में सबसे ज्यादा बाघ हैं और यह मध्य प्रदेश का सबसे प्रसिद्ध बाघ की जगह भी है।

सीएम मोहन यादव की पहल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की सेंसिटिव इनिशिएटिव ने बाघों की संख्या में वृद्धि के लिए निरंतर प्रयासों को गति दी है। बाघ रहवास वाले क्षेत्रों के एक्टिव मैनेजमेंट के चलते बाघों की संख्या में लगातार वृद्धि हो रही है। मध्यप्रदेश के कॉरिडोर उत्तर एवं दक्षिण भारत के टाइगर रिजर्व से आपस में जुड़े हुए हैं, जो बाघों की आवाजाही और उनके जीन पूल के विस्तार में मददगार होते हैं। प्रदेश में बाघों की संख्या बढ़ाने में राष्ट्रीय उद्यानों के बेहतर प्रबंधन की मुख्य भूमिका रही है। राज्य शासन द्वारा जंगल से लगे गांवों का विस्थापन किया जाकर एक बहुत बड़ा बायोलॉजिकल प्रेशर से फ्रि कराया गया है। संरक्षित क्षेत्रों से गांवों के डिस्प्लेसमेंट के चलते वन्य प्राणियों के हैबिटैट एरिया का विस्तार हुआ है, जिससे उन्हें बिना किसी हुमानिटरियन इंटरवेंशन के वरियन्स करने का एनफ स्पेस मिल रहा है।

पर्यटकों का बढ़ता प्यार

मध्य प्रदेश जंगली जानवरों को देखने वाली जगह में एक खास पसंद बन गया है। बाघ की जगहों में अपने देश के और बाहर के पर्यटकों की संख्या लगातार बढ़ रही है, जो राज्य के पर्यटन बिजनेस के लिए एक अच्छा संकेत है।

कई जगह जलभराव के हालात

शहर में 36 घंटे में 2 इंच बारिश, सड़कें उखड़ीं... आज येलो अलर्ट

भोपाल। सोमवार को सुबह से शाम तक भोपाल में आधा इंच से अधिक बारिश दर्ज हुई। बीते 36 घंटों यानी रविवार सुबह 8ः30 बजे से सोमवार शाम 5ः30 बजे तक 2 इंच बारिश हुई। मौसम विभाग ने आज भोपाल में बारिश का येलो अलर्ट जारी किया है। लगातार बारिश के कारण बड़े तालाब का जलस्तर 1660.40 फीट से बढ़कर 1660.65 फीट हो गया।

कोलार डेम का लेवल 454.89 मी. से 454.94 मीटर पर पहुंच गया, जबकि कलियासोत डेम का जलस्तर 502.75 मीटर से 502.80 मीटर हो गया। वहीं कोलांस में ?सिर्फ 1 फीट पानी जमा हुआ। शहर में दो दिन से रुक-रुककर बारिश हो रही है। इससे जलभराव हो गया है और सड़कों पर गड्ढे बन गए हैं। कई प्रमुख सड़कों की बजरी निकल गई है।

भोपाल स्टेशन के प्लेटफॉर्म एक की तरफ भी पानी भरा

बीते चौबीस घंटे में शहर के दो इलाकों से जलभराव की शिकायतें नगर निगम कंट्रोल रूम तक पहुंची हैं। इनमें काकड़ा अभिनव होम्स के मुख्य गेट पर एक फीट तक पानी भर गया। भोपाल मैन स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर-1 की तरफ मृगनयनी में भी पानी भर गया। शहर में छह से ज्यादा जगहों पर पेड़ गिर गए हैं। इसमें 10 नंबर मार्केट, 4 इमली, वार्ड-10, श्यामला हिल्स गेस्ट हाउस, अरेरा कॉलोनी और विधायक विश्राम गृह इलाकों से पेड़ गिरने की शिकायतें नगर निगम तक पहुंची हैं। लो प्रेशर बना, इसलिए बारिश..उत्तर-पश्चिम मप्र के ऊपर बना लो प्रेशर क्षेत्र और ट्रफ लाइन गुजरने से भोपाल सहित प्रदेश में बारिश जारी है। ट्रफ लाइन श्रीगंगानगर से होकर मप्र के इस लो प्रेशर एरिया से बंगाल की खाड़ी पहुंच रही है, जिससे नमी बढ़ी है।

मुर्गा खाने आया मगरमच्छ फंस गया पिंजरे में

कनिया घाट पटी गांव से तीसरा मगरमच्छ पकड़ा, लेकिन महिला की जान लेने वाला दे रहा चकमा

दमोह। दमोह के जबेरा ब्लॉक के कनिया घाट पटी गांव से निकली ब्यारमा नदी से वन विभाग ने मंगलवार सुबह तीसरे मगरमच्छ को पकड़ लिया है। इससे गांव के लोगों को राहत मिली है।

हालांकि, ग्रामीण अभी भी उस काले रंग के मगरमच्छ के पकड़े जाने का इंतजार कर रहे हैं, जिसने 11 जुलाई को एक महिला की जान ली थी। वन विभाग ने इन आदमखोर मगरमच्छों को पकड़ने के लिए नदी किनारे कई जगह पिंजरे लगाए हैं।

पिंजरों में मुर्गा रखा जाता है, जिसके लालच में मगरमच्छ फंस जाते हैं। मंगलवार सुबह मगरमच्छ पकड़े जाने की खबर फैलते ही आसपास के कई गांवों से सैकड़ों लोग इसे देखने पहुंचे।

ग्रामीणों ने कहा कि मगरमच्छों के पकड़े जाने से उनका डर कम हो रहा है। उन्होंने वन विभाग से घाट के

पास फिर से पिंजरा लगाने का अनुरोध किया है। रेंजर विक्रम चौधरी ने बताया कि मगरमच्छों को पकड़ने के लिए कई स्थानों पर पिंजरे लगाए गए हैं।

11 जुलाई को इसी गांव में ब्यारमा नदी किनारे जल भरने गई 40 वर्षीय मालती बाई को मगरमच्छ अपने जबड़े में फंसाकर ले गया था। इससे उनकी मौत हो गई थी। करीब एक घंटे बाद रेस्क्यू टीम को शव मिला था।

नगर निगम ने तोड़े दो जर्जर मकान: पोकलेन और जेसीबी मशीन के साथ पहुंची रिमूवल टीम, पुलिस की निगरानी में हटाए मकान

इंदौर। नगर निगम की टीम ने मंगलवार को दो अलग-अलग जगह रिमूवल की कार्रवाई की। टीम ने दो जर्जर मकानों को जमींदोज किया। बता दें कि नगर निगम द्वारा बारिश को देखते हुए जर्जर मकानों को तोड़ने की कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में आज जेल रोड इलाके और सदर बाजार में ये कार्रवाई की गई।

नगर निगम रिमूवल टीम जेल रोड क्षेत्र में पहुंची। यहां हेमंत चिंतामण पाठक के जर्जर मकान को तोड़ा गया। अमले ने मकान तोड़ने से पहले क्षेत्र में आवाजाही पूरी तरह बंद करा दी। इसके बाद पोकलेन मशीन से जर्जर मकान को ढहाया गया। इस कार्रवाई के दौरान भवन अधिकारी अश्विनी जनवदे, सहायक रिमूवल अधिकारी बबलू कल्याणे सहित नगर निगम की टीम व पुलिस का अमला मौजूद रहा।

इसके बाद टीम सदर बाजार इलाके में जेसीबी मशीन के साथ पहुंची। यहां भी एक जर्जर मकान को जमींदोज किया गया। इस कार्रवाई से पहले टीम ने आवाजाही बंद कर दी थी। बता दें कि नगर निगम आयुक्त शिवम वर्मा के निर्देश पर नगर निगम शहर में खतरनाक व जर्जर भवनों को हटा रहा है।

जेपी में कार्डियक के बाद डेंटल यूनिट का टेंडर निरस्त

6 करोड़ का प्रोजेक्ट निर्माण शुरू होने के बाद अटका; मरीज एम्स-हमीदिया के भरोसे

भोपाल। राजधानी के जेपी अस्पताल में दिला और दांत का उच्च स्तरीय इलाज मिलने का सपना एक बार फिर अधूरा रह गया है। कार्डियक यूनिट के बाद अब डेंटल यूनिट को अपग्रेड करने का टेंडर भी निरस्त कर दिया गया है। इस फैसले से अब मरीजों को हमीदिया अस्पताल और एम्स में ही लंबी कतारों का आगे भी सामना करना पड़ेगा। जेपी में गंभीर दांत संबंधी इलाज जैसे जबड़ा फ्रैक्चर, अकल दाढ़ की सर्जरी या पायरिया जैसी प्रक्रियाओं के लिए मरीजों को नई डेंटल यूनिट देने की स्वास्थ्य विभाग ने घोषणा की थी। जो टेंडर निरस्त होने के साथ टूटती नजर आ रही है।

बता दे, पहले कार्डियक यूनिट का टेंडर निरस्त होने पर उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने इसके पीछे टेंडर में तकनीकी समस्या को कारण बताया था। साथ ही, आमजन को भरोसा दिलाया था कि जल्द नया टेंडर किया जाएगा। जिससे मरीजों को जेपी अस्पताल में ही दिला के रोगों का संपूर्ण इलाज मिल सकेगा।

6 करोड़ की थी योजना

दो साल पहले डेंटल यूनिट को अपग्रेड करने के लिए 6 करोड़ रुपए की योजना तैयार की गई थी। इसका प्रस्ताव जेपी अस्पताल प्रबंधन द्वारा तैयार किया गया था। जिसे स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने मंजूरी दी थी। इसमें 55 मॉडर्न मशीनें और उपकरण लगाने, अलग ओटी और वार्ड तैयार करने के साथ नई डेंटल क्लिनिक में उन्नत सर्जरी शुरू करने का प्रस्ताव था। निर्माण कार्य की शुरुआत भी हो चुकी थी, लेकिन अचानक मशीनों की खरीदी से जुड़ा टेंडर निरस्त कर दिया गया।

मरीजों की बढ़ती दिक्कतें

वर्तमान में डेंटल विभाग में कोई स्पेशलिस्ट डॉक्टर मौजूद नहीं है। केवल रूट कैनाल, फिलिंग और दांत निकालने जैसी बेसिक सेवाएं ही मिल रही हैं। कई बार इन छोटी प्रक्रियाओं के लिए भी मरीजों को 2-3 हफ्ते इंतजार करना पड़ता है। रोजाना ओपीडी में आने वाले 4 से 5 मरीजों को जटिल प्रक्रियाओं के लिए रेफर कर दिया जाता है।

नई यूनिट में मिलती यह सुविधाएं

- अकल दाढ़ की सर्जरी,
- जबड़ा फ्रैक्चर का इलाज,
- बच्चों के दांतों की नसों की समस्याओं का उपचार,
- केविटी की परमानेंट फिलिंग,
- और ओरल मैक्सोफेशियल सर्जरी जैसी सुविधाएं मिलनी थीं।

अस्पताल प्रबंधन भी अनजान

सिविल सर्जन डॉ. राकेश श्रीवास्तव ने कहा, फिलहाल मेरी जानकारी में यह मामला नहीं है। एनएचएम इस यूनिट को अपग्रेड कर रहा था। मैं इस बारे में पता करने के बाद ही कुछ कहा जा सकता है।

विश्व के सबसे लोकप्रिय नेता प्रधानमंत्री मोदी

भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री आदरणीय श्री Narendra Modi जी एक बार फिर #MorningConsult ग्लोबल लीडर अप्रूवल ट्रैकर रिपोर्ट में जुलाई '25 में विश्व के सबसे लोकप्रिय नेता के रूप में शीर्ष स्थान पर हैं।

जिस पर हम 140 करोड़ देशवासियों को अत्यंत गर्व हो रहा है।

आदरणीय मोदी जी की दुनियां में यह लोकप्रियता, भविष्य के अंतरराष्ट्रीय निर्णयों व कूटनीतिक समीकरणों में भारत की भूमिका को और असरदार बनायेगी !

स्वास्थ्य, पुलिस, नगर विकास पर फोकस, 2356 करोड़ के प्रस्ताव को कल मिलेगी मंजूरी

भोपाल। बारिश के कारण उखड़ी सड़कों के सुधार और नई सड़कों के निर्माण को लेकर मोहन यादव सरकार ने पहले अनुपूरक बजट में 100 करोड़ रुपए से अधिक का प्रावधान किया है। इसके साथ ही पुलिस और कानून व्यवस्था, नगरीय विकास और लोक स्वास्थ्य व चिकित्सा शिक्षा पर भी बजट में सौ करोड़ से अधिक की राशि शामिल की गई है। विधानसभा में बुधवार को ध्यानाकर्षण प्रस्तावों पर चर्चा के बाद दो घंटे तक अनुपूरक बजट पर चर्चा करके उसे मंजूरी दी जाएगी।

मध्य प्रदेश में सरकारी कॉलेजों में सहायक प्राध्यापकों के 7,498 पद खाली, अतिथि विद्वानों से चलाया जा रहा काम

भोपाल। प्रदेश में उच्च शिक्षा की गुणवत्ता को लेकर तमाम दावे किए जाते हैं लेकिन पढ़ाने के लिए शिक्षक ही नहीं हैं। सरकारी कॉलेजों में सहायक प्राध्यापकों के 12,895 पद हैं, जिनमें से 7,498 पद खाली हैं। 4, 015 पदों पर अतिथि विद्वानों को रखकर काम चलाया जा रहा है। यही स्थिति प्रदेश के 17 सरकारी विश्वविद्यालयों की भी है। इनमें 1,069 सहायक प्राध्यपकों के पद स्वीकृत है लेकिन 793 खाली हैं। पांच में तो एक भी सहायक प्राध्यापक नहीं है। यह जानकारी उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार ने विधानसभा में कांग्रेस विधायक पंकज उपाध्याय और संजय उइके के प्रश्नों के लिखित उत्तर में दी।

मंत्री ने बताया कि सरकारी कॉलेजों में सहायक प्राध्यापकों के 12,895 पद स्वीकृत हैं। इनमें केवल 5,397 ही भरे हैं।

रिक्त पदों पर अतिथि विद्वानों को रखकर अध्यापन का काम कराया जा रहा है।

सहायक प्राध्यापक, ग्रंथपाल एवं क्रीड़ा अधिकारी के रिक्त पदों के विरुद्ध अतिथि विद्वानों को दो हजार रुपये प्रति दिवस एवं अधिकतम पचास हजार रुपये माह का मानदेय भुगतान किया जाता है।

अतिथि विद्वानों के नियमितीकरण या पीएफ, बीमा, चिकित्सा सुविधा आदि देने की योजना का कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है।

राजा शंकर शाह विश्वविद्यालय छिंदवाड़ा, क्रांतिवीर तात्या टोपे विश्वविद्यालय गुना, क्रांति सूर्य टंट्या भील विश्वविद्यालय खरगोन, महाराजा छत्रसाल बुंदेलखंड विश्वविद्यालय छतरपुर और रानी अवंतीबाई लोधी विश्वविद्यालय सागर में एक भी सहायक प्राध्यपक नहीं है।

ग्रंथपाल के 346 पद खाली

प्रदेश के सरकारी कॉलेजों में ग्रंथपाल के 582 पद स्वीकृत हैं। इनमें से 236 भरे हुए हैं यानी 346 खाली हैं। यह पद आउटसोर्स एवं जनभागीदारी से नहीं भरे जाते हैं। अतिथि विद्वानों से इसकी पूर्ति की जा रही है।